@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 11 अप्रैल 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 156 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संक्षिप्त समाचार

अब्बास अंसारी को सुप्रीम कोर्ट से राहत

● विधानसभा सदस्यता बनी रहेगी बरकरार

एजेंसी

मऊ। उत्तर प्रदेश के मऊ से विधायक अब्बास अंसारी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। हेट स्पीच से जुड़े एक केस में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के सजा पर रोक वाले फैसले को बरकरार रखा था। कोर्ट के इस ताजा फैसले के बाद उनकी विधानसभा सदस्यता बनी रहेगी और फिलहाल उस पर कोई खतरा नहीं है। दरअसल हेट स्पीच से जुड़े एक केस से में निचली अदालत ने अब्बास अंसारी को सजा सुनाई थी। सजा के बाद उनकी विधानसभा सदस्यता पर सवाल उठने लगे थे। हालांकि बाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस सजा पर रोक लगा दी थी, जिसके चलते उनकी सदस्यता फिलहाल बच गई थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस फैसले को चुनौती देते हुए भारत का सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की थी। सरकार ने मांग की थी कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द किया जाए, जिसमें सजा पर रोक लगाई गई थी। सरकार का कहना था कि हाईकोर्ट का फैसला गलत है और सजा पर रोक हटाई जानी चाहिए, ताकि कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ सके।

बंगाल के लिए बीजेपी का घोषणापत्र

● अमित शाह बोले- 45 दिन के अंदर 7वां वेतन आयोग लागू करेंगे; यूसीसी भी लागू होगा

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दौरे में है। इस दौरान वह विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र जारी कर रहे हैं। अमित शाह ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए भारतीय जनता पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए इसे 'भरोसे का पत्र' बताया। पार्टी ने इसे 'सोनार बांग्ला' का रोडमैप बताते हुए विकास, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रीय सुरक्षा पर फोकस किया है। साथ ही, उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भाजपा बंगाल के ही बेटा को मुख्यमंत्री बनाएगी।

उन्होंने कहा कि यह संकल्प पत्र राज्य के हर वर्ग की उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और मौजूदा निराशा के माहौल से बाहर निकलने का रास्ता दिखाएगा। अमित शाह के अनुसार, इस घोषणापत्र में किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में आ रही चुनौतियों से जूझ रहे किसानों को इससे नई दिशा मिलेगी, जबकि युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी खास जोर दिया गया है।

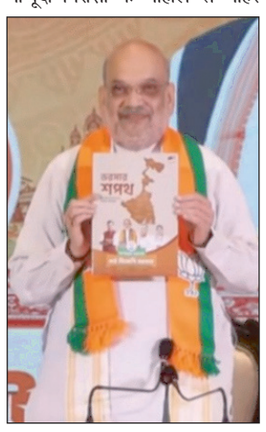

इसके साथ ही बंगाल की सांस्कृतिक पहचान और गौरव को पुनर्स्थापित करने की बात भी इसमें प्रमुख रूप से शामिल है।

इसके अलावा अमित शाह ने सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा एलान करते हुए कहा कि सभी सरकारी कर्मचारियों और वेतनभोगियों के लिए डीए सुनिश्चित किया जाएगा और 45 दिनों के भीतर ही सातवें वेतन आयोग और आयुष्मान भारत समेत भारत सरकार की सभी योजनाओं को लागू करेंगे। साथ ही छह माह के अंदर ही यूसीसी भी लागू करेंगे। महिलाओं के लिए एलान करते हुए कहा कि हमारी सरकार 'लक्ष्मी भंडार' योजना के लाभार्थियों को हर महीने 1 से 5 तारीख तक खाते में 3 हजार रुपए ट्रांसफर करेगी।

इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं को 21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता और 6 पोषण किट देने की योजना है। वहीं, राज्य संचालित बसों में सभी महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा लागू करने का भी वादा किया गया है। पीएम किसान सम्मान निधि में हम राज्य की तरफ से अतिरिक्त 3,000 रुपये जोड़ेंगे और किसानों को सालाना 9,000 रुपये की वित्तीय सहायता देंगे।

भाजपा के घोषणापत्र की 10 बड़ी बातें

- सरकार बनने के 6 महीने के अंदर बंगाल में यूसीसी लागू करने का वादा।
- राज्य की महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को हर महीने 3000 रुपये देने का एलान।
- मवेशी तस्करी पर सख्त रोक लगाने का वादा।
- बंगाल की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए 'वंदे मातरम म्यूजियम' बनाने की घोषणा।
- राज्य सरकार की सभी नौकरियों (पुलिस सहित) में महिलाओं को 33फीसदी आरक्षण देने का वादा।
- सरकार बनने के 45 दिन के भीतर सरकारी कर्मचारियों के लिए 7वां वेतन आयोग लागू का एलान।
- उत्तर बंगाल में AIIMS, IIT, IIM और फैशन डिजाइन संस्थान स्थापित का वादा।
- पीएम किसान से इतर राज्य सरकार की ओर से 3,000 रुपये अतिरिक्त मदद देने का वादा।
- राज्य में विकास को बढ़ावा देने के लिए चार नए टाउनशिप विकसित करने की घोषणा।
- मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना को आयुष्मान भारत से जोड़ने का वादा।

पंजाब को बकाया 9,000 करोड़ रुपए केआरडीएफ फंड जारी करने संबंधी सचिव स्तरीय बैठक की जाएगी: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली/पंजाब, 10 अप्रैल। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उन्होंने राज्य के किसानों और मंडियों के लिए कई महत्वपूर्ण राहत उपाय सुनिश्चित किए। इस दौरान केंद्र ने पंजाब में पड़े 155 लाख मीट्रिक टन अनाज की लिफ्टिंग के लिए विशेष रेल गाड़ियां चलाने पर सहमति दे दी, जिससे रबी मंडीकरण सीजन से पहले राज्य में अनाज भंडारण संबंधी गंभीर संकट से निपटने में मदद मिलेगी। इस हस्तक्षेप के साथ-साथ मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब पर बोझ बने संरचनात्मक मुद्दों के समाधान पर जोर दिया, जिसमें उच्च नकद ऋण ब्याज दरें, ग्रामीण विकास फंड के तहत लंबित 9,000 करोड़ रुपए, ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों के लिए मुआवजा और आढ़तियों की लंबे समय से लंबित मांगें शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने इन मुद्दों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और लंबित मुद्दों के समाधान के लिए सचिव स्तरीय व्यवस्था बनाने सहित ठोस कदम उठाने का भरोसा दिया। एक्स हैंडल पर बैठक की जानकारी साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा- आज दिल्ली में मैंने केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी जी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान हमने आढ़तियों की मांगों सहित पंजाब से संबंधित विभिन्न प्रमुख मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने आगे लिखा- बैठक के दौरान केंद्र के सामने महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए, जिसमें पंजाब में पड़े 155 लाख मीट्रिक टन गेहूं और चावल की तुरंत लिफ्टिंग तथा आरडीएफ के तहत बकाया 9,000 करोड़ रुपए की तुरंत अदायगी के मुद्दे शामिल थे। इसके साथ ही, नकद ऋण सीमा के तहत राज्यों पर लगाई गई उच्च ब्याज दरों को कम करने और आढ़तियों की केंद्र से संबंधित मांगों पर प्राथमिकता के आधार पर विचार करने की मांग की गई। इसके अलावा, मंडी मजदूरों के ईपीएफ से संबंधित मुद्दों को तुरंत हल करने की अपील की गई और असामयिक बारिश के कारण हुए नुकसान के लिए किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग भी की गई। उन्होंने आगे लिखा, मुझे बेहद खुशी हो रही है कि केंद्रीय मंत्री जी ने इन सभी मुद्दों पर बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। हम पंजाब के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। फसलों के भंडारण संबंधी भारी कमी पर बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, राज्य के कवरड गोदामों में 180.88 लाख मीट्रिक टन अनाज (151.20 लाख मीट्रिक टन चावल और 29.67 लाख मीट्रिक टन गेहूं) पहले से ही स्टोर किया गया है, जबकि कुल उपलब्ध कवरड भंडारण क्षमता लगभग 183 लाख मीट्रिक टन (173 लाख मीट्रिक टन कवरड गोदाम + 10 लाख मीट्रिक टन गेहूं साइलो) है। नतीजतन, चावलों के लिए केवल 0.50 लाख मीट्रिक टन कवरड स्पेस और गेहूं के लिए 1.75 लाख मीट्रिक टन साइलो स्पेस उपलब्ध है। उन्होंने कहा, राज्य में 1 अप्रैल, 2026 से रबी मंडीकरण सीजन (आरएमएस) 2026-27 शुरू हो गया है, जिसमें संभावित रूप से 130-132 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जाएगी। मौजूदा स्टॉक के बोझ को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साल के 38 लाख मीट्रिक टन गेहूं के स्टॉक में से लगभग 8.71 लाख मीट्रिक टन स्टॉक पहले ही राज्य में सीएपी या खुली स्टोरेज में पड़ा है, जिससे वैज्ञानिक तरीके से भंडारण क्षमता की कमी हो गई है और लगभग 40 लाख मीट्रिक टन गेहूं को कम अनुकूल परिस्थितियों में स्टोर करना पड़ेगा। अनाज की धीमी उठाई का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि हमारी सरकार लगातार गेहूं और चावल की राज्य से उठाई की मांग करती रही है ताकि चावल की खरीद और स्टोरेज के लिए जरूरी भंडारण क्षमता बनाई जा सके।

शेष पृष्ठ 3 पर

लाख मीट्रिक टन अनाज की लिफ्टिंग के लिए विशेष रेल गाड़ियां चलाने पर सहमति दे दी, जिससे रबी मंडीकरण सीजन से पहले राज्य में अनाज भंडारण संबंधी गंभीर संकट से निपटने में मदद मिलेगी। इस हस्तक्षेप के साथ-साथ मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब पर बोझ बने संरचनात्मक मुद्दों के समाधान पर जोर दिया, जिसमें उच्च नकद ऋण ब्याज दरें, ग्रामीण विकास फंड के तहत लंबित 9,000 करोड़ रुपए, ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों के लिए मुआवजा और आढ़तियों की लंबे समय से लंबित मांगें शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने इन मुद्दों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और लंबित मुद्दों के समाधान के लिए सचिव स्तरीय व्यवस्था बनाने सहित ठोस कदम उठाने का भरोसा दिया। एक्स हैंडल पर बैठक की जानकारी साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा- आज दिल्ली में मैंने केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी जी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान

मजाक और अपमान के बीच का फर्क समझे सरकार: संजय राउत

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में %ब्रीच ऑफ प्रिविलेज% यानी विशेषाधिकार हनन का मामला एक बार फिर गरमा गया है। स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा की ओर से उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई टिप्पणी और पैरोडी गाने को लेकर मचे घमासान के बीच अब शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बड़ा बयान दिया है। संजय राउत ने कहा कि कुणाल कामरा ने जो किया वह पैरोडी है, न कि अपमान या पवित्रता भंग करना। राउत ने सत्ता पक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार को कला और अपराध के बीच का महीन अंतर समझना चाहिए। दरअसल, कुणाल कामरा ने पिछले साल मुंबई में एक शो के दौरान फिल्म %दिल तो पागल है% के एक गाने में बदलाव कर महाराष्ट्र में हुए सत्ता परिवर्तन पर कटाक्ष किया था। इस पैरोडी के जरिए उन्होंने जून 2022 में शिवसेना में हुई बगावत और महा विकास अघाड़ी सरकार के गिरने पर निशाना साधा था।

परिसीमन को लेकर चुनावी फायदा लेना चाहती है सरकार: खरगे

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। महिला आरक्षण कानून और परिसीमन को लेकर देश की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार का यह कदम चुनावी फायदा लेने के लिए उठाया जा रहा है और इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने साफ कहा कि इस मुद्दे पर बिना गहराई से चर्चा किए कोई भी फैसला देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। खरगे ने कहा कि सरकार 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुला रही है, जिसका मकसद महिला आरक्षण कानून को लागू करने से जुड़ा संशोधन बिल जल्दबाजी में पास करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इस पर आपत्ति जताई है और सभी दलों के साथ मिलकर संयुक्त रणनीति बनाने की बात कही है। खरगे ने कहा कि सरकार महिला आरक्षण लागू करने की बात कर रही है, लेकिन इसके पीछे चुनावी लाभ लेने की मंशा छिपी है। उनका आरोप है कि सरकार आने वाले चुनावों को

ध्यान में रखकर इस मुद्दे को तेजी से आगे बढ़ा रही है, ताकि इसका राजनीतिक फायदा उठाया जा सके। खरगे के मुताबिक सरकार लोकसभा सीटों को 543 से बढ़ाकर 816 करने की योजना बना रही है। साथ ही राज्यों की विधानसभा सीटों में भी बढ़ोतरी की बात कही जा रही है। उनका कहना है कि इस तरह का परिसीमन देश के चुनावी ढांचे को पूरी तरह बदल सकता है और इसके दूरगामी असर होंगे। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार ने इस मुद्दे पर विपक्ष को भरोसे में नहीं लिया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों ने संसदीय कार्य मंत्री से अनुरोध किया था कि पश्चिम बंगाल चुनाव के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए, लेकिन सरकार ने इसे नजरअंदाज कर दिया और अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने में जुटी है। खरगे ने कहा कि इस तरह के फैसले लोकतंत्र को कमजोर कर सकते हैं। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए और कहा कि वह इन मुद्दों पर ध्यान नहीं दे रहा है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस हमेशा से महिला सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय के पक्ष में रही है और पंचायत से लेकर शहरी निकायों तक आरक्षण की पहल उसी ने की थी। खरगे ने कहा कि अब विपक्ष इस मुद्दे पर एकजुट होकर सरकार के खिलाफ रणनीति बनाएगा और संसद में इस पर जोरदार तरीके से अपनी बात रखेगा। उनका कहना है कि यह सिर्फ एक कानून का मामला नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे से जुड़ा बड़ा सवाल है।

उत्तर प्रदेश सरकार
नवनिर्माण के 9 वर्ष

वंचितों को उपहार
संवेदनशील सरकार

नदियों द्वारा भूमि क्षरण से प्रभावित पूर्वी उत्तर प्रदेश के
2,350 परिवारों एवं स्थानीय थारू जनजाति के
4,356 परिवारों को भौमिक अधिकार पट्टों का आवंटन
एवं
₹817 करोड़+ से पलिया, श्रीनगर, निघासन और गोला विधान सभा क्षेत्र की
314 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास
दिनांक : 11 अप्रैल, 2026 I समय : पूर्वाह्न 11:00 बजे
स्थान : चंदन चौकी (पलिया), लखीमपुर खीरी

बांग्लादेश से विस्थापित 331 हिन्दू परिवारों को
लखीमपुर खीरी में संक्रमणीय/ असंक्रमणीय भूमिधरी
अधिकार पत्र का वितरण
एवं
₹417 करोड़ से लखीमपुर, धौरहरा और मोहम्मदी विधान सभा क्षेत्र की
213 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास
दिनांक : 11 अप्रैल, 2026 I समय : अपराह्न 1:00 बजे
स्थान : ग्राम मियांपुर (मोहम्मदी), लखीमपुर खीरी

द्वारा
योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति

नितिन अग्रवाल
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आबकारी एवं मद्य निषेध, उत्तर प्रदेश

अरुण कुमार सक्सेना
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), वन एवं पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन, उत्तर प्रदेश

योगेश वर्मा
विधायक, लखीमपुर

अमन गिरि
विधायक, गोला गोकरननाथ

लोकेन्द्र प्रताप सिंह
विधायक, मोहम्मदी

मंजू त्यागी
विधायक, श्रीनगर

हरविंदर कुमार साहनी 'रोमी साहनी'
विधायक, पलिया

शशांक वर्मा
विधायक, निघासन

विनोद शंकर अवस्थी
विधायक, धौरहरा

सौरभ सिंह 'सोनू'
विधायक, कस्ता

अनूप कुमार गुप्ता
सदस्य, विधान परिषद

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लाभार्थियों को आवास की चाबी का वितरण

वंचितों को वरीयता
जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम के अंतर्गत 13.57 लाख निर्धन परिवार चिह्नित, 17 योजनाओं का लाभ पहुंचाकर निर्धन परिवारों की सतत आय को ₹1.25 लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य
2,209 मछुआ परिवारों को सुरक्षित आवासों का आवंटन
सफाईकर्मियों को निःशुल्क आवास उपलब्ध कराने की प्रक्रिया गतिमान
प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना एवं माफिया से मुक्त कराई भूमि पर निर्मित 62 लाख से अधिक आवासों का आवंटन

विकास की गति अपार-डबल इंजन सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
लाइव प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

यूपी में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी, मतदाता सूची से हटाए गए दो करोड़ से अधिक नाम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। इस व्यापक अभियान के दौरान प्रदेश में दो करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम सूची से डिलीट किए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 10 अप्रैल 2026 को कर दिया गया है। यह प्रक्रिया पूरे देश में एक साथ संचालित की गई।

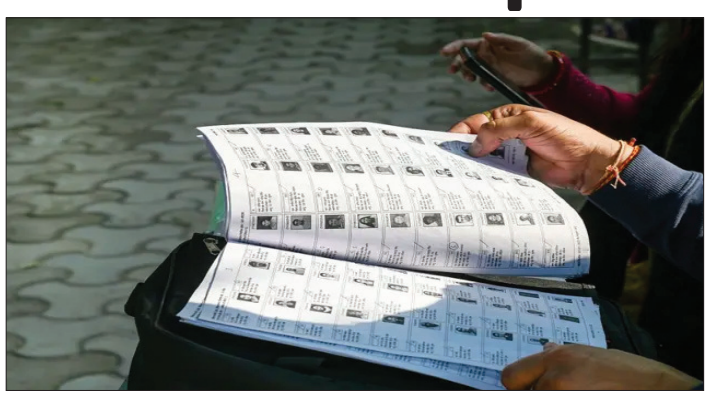

उन्होंने बताया कि प्रदेश में गणना चरण 4 नवंबर 2025 से 26 दिसंबर 2025 तक चला, जबकि दावे और आपत्तियों के लिए 6 जनवरी से 6 मार्च 2026 तक का समय दिया गया था। इसके बाद 27 मार्च तक सभी दावों और आपत्तियों का निस्तारण किया गया। रिनवा ने कहा कि कोई भी मतदाता निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अपना नाम देख सकता है। जिनका नाम सूची में नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर पुनः पंजीकरण करा सकते हैं।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, बूथ लेवल एजेंटों और आम जनता का व्यापक सहयोग मिला। साथ ही प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया ने भी जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि 166 दिनों तक चले इस अभियान को सफल बनाने में प्रदेश के सभी 75 जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारियों, 403 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, 12,758 सहायक अधिकारियों, 18,026 बीएलओ सुपरवाइजरों और 1,77,516 बीएलओ ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इसके अलावा 5,82,877 बूथ लेवल एजेंटों ने भी सहयोग दिया। रिनवा ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची के अनुसार कुल मतदाता 13,39,84,792 हैं जिसमे पुरुष मतदाता 7,30,71,061 (54.54 फीसदी) और महिला मतदाताः 6,09,09,525 (45.46 फीसदी) हैं। उन्होंने कहा कि 6 जनवरी 2026 को प्रकाशित मसौदा सूची में कुल 12,55,56,025 मतदाता शामिल थे, जिनमें 6,88,43,159 पुरुष (54.83 फीसदी), 5,67,08,747 महिलाएं (45.17 फीसदी) और 4,119 तृतीय लिंग मतदाता शामिल थे। 18-19 आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 3,33,981 रही, जबकि जेंडर रेशियो 824 दर्ज किया गया। मतदाता वृद्धि के मामले में प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, गाजियाबाद और जौनपुर जिले आगे रहे। वहीं साहिबाबाद, जौनपुर, लखनऊ पश्चिम और फिरोजाबाद विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई।

राज्यसभा जाने पर बोले अखिलेश.... हम चाहते थे नीतीश पीएम बनकर रिटायर हों, सपा प्रमुख ने एनडीए पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विपक्षी गठबंधन की इच्छा थी कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनकर राजनीति से रिटायर हों, लेकिन अब हालात कुछ और ही दिशा में जाते दिख रहे हैं। सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि 'इंडिया गठबंधन के कई सहयोगी चाहते थे कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनें और उसी पद से रिटायर हों, लेकिन अब ऐसा लगता है कि वे राज्यसभा सदस्य के रूप में ही रिटायर होंगे।' उन्होंने इसे जनता के साथ 'बड़ा धोखा' करार दिया। गौरतलब है कि सपा प्रमुख ने इससे पहले भी अपने एक बयान में कहा था, कि उनकी पार्टी हमेशा चाहती थी कि विपक्ष का कोई मजबूत चेहरा प्रधानमंत्री बने। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जब समाजवादी पार्टी ने बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन किया था, तब भी उनकी इच्छा थी कि मायावती प्रधानमंत्री बनें। उसी तरह, जब इंडिया गठबंधन का गठन हुआ तो उस समय भी कई दलों की इच्छा थी कि नीतीश कुमार इस भूमिका में सामने आएं। अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार की राजनीति में ऐसे हालात बनाए गए हैं कि अब नीतीश कुमार का राजनीतिक सफर राज्यसभा सदस्य के रूप में समाप्त होता दिख रहा है।

हिमाचल हाईकोर्ट से कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी को झटका

शिमला। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी को हिमाचल हाईकोर्ट से झटका लगा है। राज्यसभा चुनाव में भाजपा नेता हर्ष महाजन के निर्वाचन को लेकर कांग्रेस नेता सिंघवी ने याचिका दाखिल की थी। इस मामले में सिंघवी ने आवेदन दाखिल कर महाजन की ओर से दी गई गवाहों की सूची और क्रॉस एगजामिनेशन को लेकर आवेदन दाखिल किया था। हिमाचल हाईकोर्ट ने सिंघवी के उक्त आवेदन को खारिज किया। साथ ही अदालत ने महाजन की तरफ से पेश की गई गवाहों की सूची को वैध माना है। हाईकोर्ट ने कहा है कि चुनाव से जुड़े ट्रायल में गवाह आवश्यक हैं। उल्लेखनीय है कि सिंघवी ने अपने आवेदन में हाईकोर्ट के समक्ष आग्रह किया था कि केस में गवाहों की जरूरत नहीं है और न ही किसी प्रकार के विस्तृत साक्ष्यों की जररुत है। हाईकोर्ट ने सिंघवी के इस आवेदन को खारिज किया। हाईकोर्ट ने कहा कि चुनाव याचिका एक ट्रायल बेस्ड प्रोसीडिंग है। इसमें साक्ष्यों के साथ-साथ गवाहों की भूमिका भी अत्यंत आवश्यक है। अदालत ने कहा कि भाजपा नेता महाजन की तरफ से पेश की गई गवाहों की सूची प्रक्रिया के अनुरूप उचित और वैलिड है। यहां बता दें कि 10 मार्च को हाईकोर्ट ने इस आवेदन के संदर्भ में अपना फैसला सुरक्षित किया था।

मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 में आग, समय रहते पाया काबू

-रनवे क्षेत्र से उठा धुआं तो कुछ उड़ानें अस्थायी रूप से रोकीं

मुंबई (एजेंसी)। छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर गुरुवार शाम अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी टीमें मौके पर पहुंचीं और कुछ ही समय में आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। एयरपोर्ट प्रवक्ता के अनुसार, आग शाम करीब 6:10 बजे लगी। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की संभावित वजह माना जा रहा है। आग ग्राउंड फ्लोर स्थित पावर हाउस के सीलिंग लेवल तक सीमित रही, लेकिन वहां मौजूद इलेक्ट्रिक ट्रे, वायरिंग, केबल, इंस्टॉलेशन और इलेक्ट्रिक पैनल को नुकसान पहुंचा। सुरक्षा के मद्देनजर एयरपोर्ट के सभी गेट कुछ समय के लिए बंद कर दिए गए, जिससे यात्रियों की लंबी कतारें लग गईं। टर्मिनल-1 से संचालित कुछ उड़ानों को एहतियातन रोका गया, जिससे फ्लाइट संचालन प्रभावित हुआ। फिलहाल स्थिति सामान्य कर दी गई है और अधिकारियों ने आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

तीन लड़कियों की मौत की वजह बनी सेल्फी... झरने के पास काई में पैर पिसलने से गहरे पानी में गिरी

अल्लूरी (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में बेहद दर्दनाक हादसा हुआ है, इस घटना ने पूरे क्षेत्र को हिला दिया। विशाखापत्तनम के पास स्थित घटना में पिकनिक मनाने गई चार सहेलियों में से तीन की झरने के तेज बहाव में डूबने से मौत हो गई, जबकि एक लड़की को लोगों की मदद से सुरक्षित बचाया गया। जानकारी के अनुसार, जंबुवलसा गांव की चार सहेलियां अपनी परीक्षाएं खत्म होने के बाद पास की पहाड़ियों में स्थित मुलागुम्मी झरने घूमने गई थीं। सभी लड़कियां खुश और उत्साहित थीं और पिकनिक का आनंद लेकर झरने के पास पहुंचीं। शुरुआत में सब कुछ सामान्य था, लेकिन जल्द ही यह खुशी का पल एक भयानक हादसे में बदल गई। बताया जा रहा है कि 17 वर्षीय त्रिशा, 16 वर्षीय रत्नकुमारी और 16 वर्षीय पवित्रा झरने के बेहद करीब फिसलन भरी चट्टानों पर खड़ी होकर सेल्फी ले रही थीं। तभी चट्टानों पर जमी काई की वजह से संतुलन बिगड़ने के कारण तीनों लड़कियां अचानक गहरे और तेज बहाव वाले पानी में गिर गईं। चौथी सहेली ने मदद की कोशिश की, लेकिन वह खुद सुरक्षित बाहर नहीं निकल सकी। झरने के पास मौजूद लोगों ने लड़कियों की चीखें सुनकर तुरंत मदद के लिए दौड़ लगाई। ग्रामीणों ने साहस दिखाकर एक लड़की को किसी तरह बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर है। हालांकि, बाकी तीन लड़कियां तेज बहाव में बह गईं और उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। सूचना मिलने पर पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और घंटों की तलाश के बाद तीनों लड़कियों के शव बरामद किए गए।

अमरनाथ यात्रा के लिए 15 अप्रैल से शुरू होगा पंजीकरण, आधार कार्ड रखना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाबा अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू होगा। पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 मई है। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने इसकी घोषणा की है। यह पंजीकरण देश भर के तय बैंक शाखाओं में होगा। यात्रा परमिट 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर मिलेगा। अमरनाथ यात्रा की तारीख जल्द सामने आएगी। देश के कुल 554 बैंक शाखाओं में पंजीकरण होगा। हर बैंक शाखा को रोज एक तय संख्या दी गई है। हर रास्ते के लिए अलग कोटा होगा। 13 साल से कम उम्र के बच्चों का पंजीकरण नहीं होगा। 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों का भी पंजीकरण नहीं होगा। 6 हफ्ते से ज्यादा गर्भवती महिलाओं का भी पंजीकरण नहीं होगा । इस बार पंजीकरण आधार से होगा। हर यात्री को बायोमैट्रिक ई-केवाईसी के बाद परमिट मिलेगा। यह प्रक्रिया एनआईसी पोर्टल पर होगी। अगर तकनीकी समस्या आई, तब मैनुअल तरीका भी अपनाया जाएगा। यात्रा के इच्छुक लोग बैंक में फोटो और डेटा लेकर पंजीकरण कर सकते है। पंजीकरण के लिए आधार कार्ड जरूरी है। हेल्थ सर्टिफिकेट भी जरूरी होगा। मोदी और राज्य सरकार की कोशिश रहेगी इस यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल पाए। यात्रा को आरामदायक बनाने पर जोर है। साथ में सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा।

आतंकी दाग से बेदाग हुए कर्नल पुरोहित बनेंगे ब्रिगेडियर, सेना ने लगाई प्रमोशन पर मुहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने एक ऐतिहासिक और भावुक फैसले में कर्नल श्रीकांत पुरोहित को ब्रिगेडियर रैंक पर पदोन्नत करने की मंजूरी दे दी है। यह फैसला कर्नल पुरोहित के लिए किसी पुनर्जन्म से कम नहीं है, क्योंकि उन्होंने अपने जीवन के करीब दो दशक कानूनी लड़ाइयों और जेल की सलाखों के पीछे बिताए हैं। 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में आरोपी बनाए जाने के बाद उनका चमकता हुआ सैन्य करियर पूरी तरह पटरी से उतर गया था। हालांकि, लंबी कानूनी जंग के बाद अब सेना ने उन्हें उनका हक देने का फैसला किया है। कर्नल पुरोहित मूल रूप से 31 मार्च, 2026 को सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन उनकी किस्मत ने तब करवट ली जब सशस्त्र बल न्यायाधिकरण (एएफटी) ने उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए उनकी रिटायरमेंट पर रोक लगा दी। ट्रिब्यूनल ने माना कि पुरोहित के साथ न्याय होना बाकी है। 31 जुलाई, 2025 को मुंबई की एक विशेष एनआईए अदालत ने उन्हें सभी आरोपों से ससम्मान बरी कर दिया था, जिसके बाद उनके प्रमोशन का रास्ता साफ हुआ। कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि उनके खिलाफ सबूतों का अभाव है और अभियोजन पक्ष की कहानी विरोधाभासों से भरी थी। सेना के सूत्रों का कहना है कि यह प्रमोशन कर्नल पुरोहित के उन खोए हुए सालों की भरपाई है जो उन्होंने ट्रायल के दौरान गंवा दिए। यदि यह विवाद न होता, तो वे अब तक मेजर जनरल के पद तक पहुंच चुके होते। उनके बैच के साथी आज सेना में शीर्ष नेतृत्व संभाल रहे हैं। इस प्रमोशन के बाद अब वे ब्रिगेडियर के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। एक समय में आतंकी कहे जाने वाले अधिकारी का एक सीनियर कमांडर के तौर पर वापस लौटना भारतीय सैन्य इतिहास की सबसे चर्चित वापसी में से एक है।

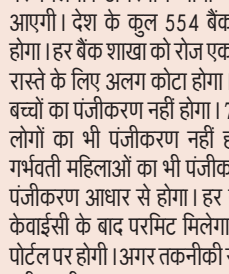

आईटी कंपनी में गंदा खेल! पुलिस वेश बदलकर दबोचे यौन शोषण और जबरन धर्मांतरण कराने वाले

कोलकाता (एजेंसी)। नासिक, (ईएमएस)। महाराष्ट्र के नासिक में एक मल्टीनेशनल आईटी कंपनी के भीतर चल रहे रेप, यौन शोषण और जबरन धर्मांतरण के सनसनीखेज रैकेट का पुलिस ने बड़ा पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने सातवीं गिरफ्तारी करते हुए कंपनी की एचआर मैनेजर को सलाखों के पीछे पहुँचा दिया है। आरोप है कि एचआर ने पीड़ित महिला कर्मचारियों की शिकायतों को लगातार नजरअंदाज किया और इस घिनौने खेल को फलने-फूलने का मौका दिया। यदि समय रहते एक्शन लिया गया होता, तो कई महिलाओं को इस मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना से बचाया जा सकता था। पुलिस ने वेश बदलकर आरोपियों को दबोचा और पूरे मामले का पर्दाफाश किया।

इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं रही। शिकायतें मिलने के बाद जब पुलिस को मामले की गंभीरता का अहसास हुआ, तो नासिक पुलिस ने एक गुप्त मिशन तैयार किया। सात महिला पुलिसकर्मियों की एक विशेष टीम ने अपनी पहचान छिपाकर और वेश बदलकर कंपनी के भीतर एंट्री ली। कई दिनों तक कर्मचारी बनकर रहने के दौरान इन महिला अधिकारियों ने संदिग्धों की अश्लील हरकतों और धर्मांतरण के दबाव को रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस ने लगभग 40 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिनमें आरोपियों की काली करतूतों के पुख्ता सबूत मिले हैं।

अब तक इस मामले में कुल सात गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और मुंबई नाका पुलिस थाने में नौ अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस अब गिरफ्तार एचआर मैनेजर से यह उगलवाने की कोशिश कर रही है कि इस नेक्सस के पीछे और कौन-कौन से बड़े नाम शामिल हैं। क्या यह केवल एक कंपनी तक सीमित मामला है या इसके तार किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय धर्मांतरण गिरोह से जुड़े हैं? इस घटना ने कॉरपोरेट जगत में महिला सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं और प्रशासन अब जिले की अन्य कंपनियों पर भी कड़ी नजर रख रहा है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को तेलंगाना हाईकोर्ट ने एक सप्ताह की अंतरिम जमानत दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा को बड़ी राहत मिली है। तेलंगाना की अदालत ने उन्हें एक सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी है। तेलंगाना हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि नियमित जमानत के लिए उन्हें निर्धारित समय के अंदर सक्षम अदालत के पास जाना होगा। मामले में फैसला न्यायमूर्ति के. सुजाना ने सुनाया, जिन्होंने एक दिन पहले कांग्रेस नेता की याचिका पर सुनवाई की थी। यह आदेश उस समय में आया है जब कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा 7 अप्रैल से जांच एजेंसियों की नजरों से दूर बताए जा रहे थे। दरअसल, असम और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर खेड़ा से पूछताछ करने उनके दिल्ली स्थिति आवास पर पहुंची थी, लेकिन वे वहां मौजूद नहीं मिले। यह कार्रवाई उस मामले में हो रही थी जिसमें कांग्रेस नेता खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी पर तीन विदेशी पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया था।

इस बीच, कांग्रेस नेता खेड़ा ने अग्रिम जमानत के लिए तेलंगाना हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने अदालत में अपना आवासीय पता हैदराबाद बताकर गिरफ्तारी की स्थिति में राहत देने की मांग की। बताया जा रहा है कि उनका तेलंगाना से पारिवारिक संबंध है और हैदराबाद में उनका निजी निवास भी है। साथ ही, राज्य में कांग्रेस की सरकार होने को भी इस कदम से जोड़कर देखा जा रहा है।

मामले ने तूल तब पकड़ा जब खेड़ा ने प्रेसवार्ता में मुख्यमंत्री सरमा और उनकी पत्नी रिनिकी सरमा पर गंभीर आरोप लगाए। खेड़ा ने दावा किया कि रिनिकी के पास तीन अलग-अलग देशों के पासपोर्ट हैं और उनके समर्थकों के पास इसतरह के दस्तावेज हैं जो इस कथित खुलासे को साबित करते हैं। उन्होंने इस स्वतंत्र भारत की राजनीति में एक बड़ा मामला बताया।

हालांकि, सीएम सरमा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर पूरी तरह निराधार, दुर्भावनापूर्ण और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि खेड़ा जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले सरमा ने तंज कसते हुए कहा था कि जो व्यक्ति पहले गिरफ्तारी की चुनौती दे रहा था, वहीं अब जांच से बचने के लिए हैदराबाद चला गया है। तब सीएम हिमंता ने कहा था कि वह और उनकी पत्नी अगले 48 घंटों के भीतर खेड़ा के खिलाफ

आपराधिक और दीवानी, दोनों तरह के मानहानि के मुकदमे दायर करने वाले है।

सुनवाई के दौरान खेड़ा का प्रतिनिधित्व कर रहे कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया कि यह मामला असम सरकार की राजनीतिक बदले की भावना का परिणाम है। हालांकि, असम सरकार के वकील जनरल देवजीत सैकिया ने इस बात से इंकार किया। वकील सैकिया ने कहा कि खेड़ा की याचिका तेलंगाना उच्च न्यायालय में सुनवाई योग्य नहीं है, लेकिन कांग्रेस नेता ने हैदराबाद स्थित अपना आवासीय पता प्रस्तुत किया।

सिंघवी ने तर्क दिया कि कांग्रेस नेता खेड़ा समाज में गहरी जड़ें जमा चुके हैं और एक प्रमुख राजनीतिक हस्ती हैं। हम संवैधानिक मनमानी के युग में नहीं जी रहे हैं। हम इसतरह युग में नहीं जी रहे हैं जहां बंदूक निकालकर असम से 100 लोगों को निजामुद्दीन (खेड़ा को गिरफ्तार करने के लिए) भेजा जाए, जबकि शिकायत में मानहानि का आरोप लगाया गया है। जवाब में, सैकिया ने कहा कि असम कोई लोकतांत्रिक गणराज्य नहीं है और पूर्वोत्तर राज्य में कानून का पालन होता है।

राघव चड्ढा ने वीडियो जारी कर दिया अपने विरोधियों को जबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने अपने संसदीय प्रदर्शन पर सवाल उठाने वालों को सोशल मीडिया के माध्यम से जबाव दिया। उन्होंने कहा कि वे आलोचनाओं का जवाब शब्दों से नहीं, बल्कि अपने काम से देना पसंद करते हैं। वीडियो में उन्होंने कई अहम विषयों को प्रमुखता से उठाया है, जिसमें डेटा प्राइवेसी, पितृत्व अवकाश को कानूनी अधिकार बनाने की मांग और बैंकों द्वारा न्यूनतम बैलेंस पर लगाने वाले जुर्माने को समाप्त करने जैसे जनहित के मुद्दे शामिल हैं। इसके अलावा खाद्य मिलावट, 28 दिन के मोबाइल रिचार्ज प्लान, एयरलाइंस के अतिरिक्त बैगेज शुल्क और पेपर लीक जैसे गंभीर मामलों पर भी उन्होंने अपनी बात रखी।

राघव चड्ढा ने वायु प्रदूषण, गिग वर्कर्स के शोषण, हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम में देरी, टोल प्लाजा पर अधिक वसूली और महंगे एयरपोर्ट खाद्य पदार्थों जैसे मुद्दों को भी संसद में उठाया। उन्होंने लोगों को राहत देने के लिए मुफ्त वार्षिक हेल्थ चेकअप का अधिकार देने की वकालत की। साथ ही डिजिटल कॉपीराइट स्ट्राइक, बढ़ते कर्ज-से-जीडीपी अनुपात और भीड़भाड़ वाले एयरपोर्ट्स की समस्या पर भी चिंता जाहिर की है।

वीडियो में सरकारी बैंकों की स्थिति, दिव्यांगों और सशस्त्र बलों पर टैक्स में राहत, वर्चुअल डिजिटल एसेट्स को वैध बनाने और 'राइट टू हायर, राइट टू फायर' जैसे विषय भी शामिल रहे। उन्होंने महंगाई, पंजाब की 'कैंसर ट्रेन', जल संकट और भूजल की कमी जैसे गंभीर मुद्दों पर भी सरकार का ध्यान आकर्षित किया। इसके अतिरिक्त शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ती खाई, वेतन इंडेक्सेशन, किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), भ्रामक ब्रांडिंग और ग्रामीण बैंकिंग ढांचे को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने भगत सिंह को भारत रत्न देने, 'वन नेशन, वन मेडिकल ट्रीटमेंट', मासिक धर्म स्वच्छता और श्री ननकाना साहिब कॉरिडोर जैसे विषयों को भी उठाया। कुल मिलाकर, यह वीडियो उनके संसदीय कार्यों और जनहित से जुड़े मुद्दों को सामने लाने का एक प्रयास है, जिससे वे यह संदेश देना चाहते हैं कि उनका काम ही उनकी पहचान है।

तमिलनाडु में बड़ा उल्टफेर... एनडीए गठबंधन के समर्थन में उतरे नौ मुस्लिम संगठन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में हाल ही में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है, जिसमें नौ मुस्लिम संगठनों ने एआईएडीएमके (एआईएडीएमके) के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को बिना शर्त समर्थन देने का ऐलान कर दिया है। यह फैसला चेन्नई में हुई बैठक के बाद सामने आया, जिसमें दक्षिण भारत दरगाह मस्जिद एसोसिएशन, तमिलनाडु उर्दू मुस्लिम विकास संगठन सहित कई सूफी-सुन्नी मुस्लिम समूहों के प्रतिनिधि शामिल थे। इन संगठनों ने एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी से मुलाकात की और राजनीतिक समर्थन की घोषणा की। बैठक के दौरान एआईएडीएमके नेतृत्व ने मुस्लिम प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि यदि उनकी सरकार सत्ता में आती है, तब राज्य में अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर सूफी-सुन्नी मुसलमानों के हितों की रक्षा होगी और उनके कल्याण के लिए कार्य किया जाएगा। इस आश्वासन के बाद मुस्लिम संगठनों ने एनडीए गठबंधन को समर्थन देने का निर्णय लिया।

दक्षिण भारत दरगाह मस्जिद एसोसिएशन ने एक महत्वपूर्ण मुद्दा भी उठाया। संगठन ने हाल ही में राज्य सरकार द्वारा मुख्य काजी की नियुक्ति को लेकर आपत्ति जाहिर की है। उनका कहना है कि परंपरागत रूप से तमिलनाडु में मुख्य काजी की नियुक्ति सूफी-सुन्नी समुदाय की सहमति और परामर्श से होती रही है, लेकिन इस बार बिना समुदाय की राय लिए एक गैर-ताबी कन्नी मुस्लिम को यह पद दे दिया गया, जिससे समुदाय के एक हिस्से में असंतोष पैदा हुआ है। संगठन ने दावा किया कि तमिलनाडु में करीब 2,500 से अधिक मस्जिदें और दरगाहें हैं, जो वक्फ बोर्ड को अपने राजस्व का एक निश्चित हिस्सा दान करती हैं। इसके बावजूद वक्फ संपत्तियों से जुड़े कई मुद्दे पिछले कई वर्षों से अनसुलझे पड़े हैं। कई कानूनी विवाद और याचिकाएं भी लंबित हैं, जिसके कारण मस्जिदों और दरगाहों के प्रबंधन को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि इन समस्याओं के समाधान के लिए कई बार प्रयास किए गए, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। इसी कारण समुदाय के प्रतिनिधियों ने एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन से हस्तक्षेप और सहयोग की अपेक्षा जताई है। कुल मिलाकर, यह घटनाक्रम तमिलनाडु की राजनीति में मुस्लिम समुदाय के एक हिस्से के रुख में बदलाव और आगामी राजनीतिक समीकरणों पर संभावित प्रभाव का संकेत देता है।

अनोखा ग्रीन कॉरिडोर, 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी करेंगे उद्घाटन... 7 घंटे का सफर 2.30 घंटे में

-100 की रफ्तार से दौड़ेंगे वाहन, जानवर भी सुरक्षित

देहरादून (एजेंसी)। पहाड़ों के बीच सिंगल लेन सड़क पर सामने से अचानक हाथियों का झुंड आने से पीछे गाड़ियों को लंबा जाम लगाता था, कभी उफनती नदी.....तब कभी शिवालिक पहाड़ियों से गिरता मलबा सड़क पर जमा लगा देता था। पहले ऐसा ही नजारा दिखाता था दिल्ली से देहरादून रोड पर आने वाला मोहंड बेल्ट पर। 210 किमी लंबे और तीन राज्यों से गुजरने वाले इस एक्सप्रेस-वे का 20 किमी का हिस्सा राजाजी टाइगर रिजर्व में आता है। लेकिन यह हिस्सा अब पूरी तरह बदल चुका है।

अब मोहंड घाटी के ऊपर बने एलिवेटेड कॉरिडोर से गाड़ी 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बिना ब्रेक, बिना जाम दौड़ रही हैं और नीचे हाथियों का झुंड आराम से गुजर रहा है। 20 किमी लंबे हिस्से में एलिवेटेड पार्ट 12 किमी का है। यह ग्रीन कॉरिडोर पर्यावरण संरक्षण और विकास के बीच संतुलन का बेहतरीन मिसाल बना है। इस शानदार एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 14 अप्रैल को पीएम नरेंद्र मोदी करने वाले है।

मोहंड घाटी जिस बरसाती नदी से घिरती थी, वहां अब नजर नहीं आती, क्योंकि उस नदी को एलिवेटेड रोड के नीचे से निकाला गया है। सड़क को 35-40 फीट ऊपर, 400 से ज्यादा पिलर्स पर खड़ा किया गया है, ताकि नदी का बहाव, जानवरों के झुंड और विकास तीनों बिना रुकावट चलते रहें।

राजाजी टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर बताते हैं कि 14 हजार करोड़ रुपए में बने एक्सप्रेस-वे का 12 किमी का हिस्सा एशिया का सबसे लंबा वाइल्डलाइफ एलिवेटेड कॉरिडोर है। तस्वीरें इस बात का संकेत हैं कि जानवर इसके नीचे से सुरक्षित निकल रहे हैं। ऊपर से भारी वाहन 80 की स्पीड में बाएं और हल्के वाहन 100 की स्पीड पर दाएं चलने वाले है।

पे-पर-यूज टोल सिस्टम, टोल पारंपरिक नाकों वाला नहीं, बल्कि क्लोज्ड टोलिंग सिस्टम होगा। एंट्री-एग्जिट के आधार पर दूरी के हिसाब से शुल्क कटेगा। फास्टैग से बिना रुके भुगतान, जाम की समस्या नहीं। सहारनपुर के कुम्हारहेड़ा में एक टोल प्लाजा पहले से सक्रिय, बाकी एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स पर टोल गेट्स।

इस शानदार एक्सप्रेसवे के बनने से सफर तेज, खर्च कम होगा। 6-7 घंटे का सफर अब 2.5-3 घंटे में, दूरी 260 किमी से 210 किमी होगी। 20 किमी जोखिम भरा पहाड़ी रास्ता अब 12 किमी एलिवेटेड, एक्सीडेंट रिस्क कम होगा। इतना ही नहीं सालाना 93 लाख किलो कार्बन उत्सर्जन घटेगा। इस एक्सप्रेसवे के बनने से पर्यटन, व्यापार को बूस्ट मिलेगा। हरिद्वार-ऋषिकेश-देहरादून का सफर आसान, छुटमलपुर इंटरचेंज से लॉजिस्टिक्स तेज। पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। वहीं बागपत, शामली, सहारनपुर जैसे शहरों में एक्सप्रेसवे पर नए ग्रोथ हब के रुप में विकसित होने वाले है।

अपना पार्क मुखर्जी नगर में भारतीय संस्थान का 60वाँ स्थापना दिवस मनाया गया

विशेष खबर
तेजेंद्र कौर बब्बर

नई दिल्ली। आज भारतीय योग संस्थान का 60वाँ स्थापना दिवस अपना पार्क मुखर्जी नगर में मनाया गया जिसमें मुख्य अध्यक्ष सुनीता मेहरा जी जो की डाइटिशियन और स्पोर्ट्स में मैराथन रनर यूनाइटेड थ्रिफ्ट और क्रेडिट सोसाइटी मे डायरेक्टर और सहकारिता मंत्रालय दिल्ली प्रदेश मे दिल्ली प्रदेश मे महिला अध्यक्ष है, भारतीय योग संस्थान की महिला क्षेत्र की नीरू खनेजा जो कि जिला मंत्री हैं छाया गुप्ता जो कि क्षेत्रीय प्रधान है तन्वी जी क्षेत्रीय मंत्री हैं केंद्र प्रमुख सरिता मुरादियाज जी और उप केंद्र पमुख रीटा मनोचा द्वारा इन सब का स्वागत किया गया कार्यक्रम में योग सधना करवाई गई। दीप प्रज्वलित किया गया भजन गाए गए एवं शांतिपाठ किया गया और योग के लाभ बताएं गए।

ऑनलाइन डिलीवरी एप से दारू की आपूर्ति करने वाले गिरोह का खुलासा, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली में ऑनलाइन डिलीवरी एप के जरिये अवैध शराब आपूर्ति नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा है। इनके वाहन की जांच में हरियाणा में बिक्री के लिए अनुबंधित 16 कार्टन शराब बरामद हुई है। वाहन चालक बहादुरगढ़ निवासी पुष्पेंदर (22) से पूछताछ के आधार पर प्रेम नगर निवासी समीर पालीवाल (19) के गिरफ्तार किया। शराब ढोने में इस्तेमाल तीन पहिया वाहन को जब्त कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह के अनुसार यह गिरोह एप -आधारित लॉजिस्टिक्स सेवाओं का दुरुपयोग कर राज्य की सीमाओं के पार शराब की खेप को गुप्त रूप से पहुंचाता था और राष्ट्रीय राजधानी में स्थानीय अवैध विक्रेताओं तक सप्लाई करता था। एक खुफिया इनपुट पर पश्चिम विहार पूर्व थाना पुलिस ने पीरागढ़ी चौक के पास घेराबंदी की। एक संदिग्ध तीन पहिया टेंपो को रोका गया तो चालक ने भागने की कोशिश की लेकिन उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में पुष्पेंदर ने बताया कि वह खेप ऑनलाइन डिलीवरी एप के जरिये प्रेम नगर निवासी समीर पालीवाल (19) ने बुक करवाई थी। इसी आधार पर पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया कि पालीवाल पिछले दो महीनों से इस अवैध नेटवर्क का संचालन कर रहा था।

पंजाब को बकाया 9,000 करोड़ रुपए के आरडीएफ फंड जारी करने संबंधी सचिव स्तरीय बैठक की जाएगी: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

हालांकि पिछले कई महीनों से राज्य से गेहूं और चावल की औसत उठाई प्रति माह केवल 5 लाख मीट्रिक टन रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हर महीने कम से कम 12 लाख मीट्रिक टन गेहूं और चावल की उठाई की जाए या वैकल्पिक रूप से, विशेष रूप से पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के दौरान आम लोगों को पेश मुश्किलों को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत अनाज का वितरण बढ़ाने जैसे प्रबंध किए जाएं, जैसा कोविड-19 महामारी के दौरान किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि इससे रबी मंडीकरण सीजन 2026-27 के दौरान सुचारू खरीद कार्य सुनिश्चित होंगे और खरीफ मंडीकरण सीजन 2025-26 के लिए धान की मिलिंग को तेज किया जा सकेगा। एक अन्य मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि खरीद के लिए फंडों का प्रबंधन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अधिकृत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले बैंकों के एक समूह द्वारा किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय स्टेट बैंक जो ब्याज दर वसूल रहा है, वह भारतीय खाद्य निगम पर लागू रिकवरी दर से 0.5 प्रतिशत अधिक है और मासिक मिश्रित आधार पर ब्याज लगा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि भारत सरकार द्वारा हर सीजन के लिए जारी की गई अस्थायी लागत शीटों में राज्य को फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) की ब्याज दर पर केवल साधारण ब्याज की अनुमति है। नतीजतन पंजाब राज्य को हर सीजन में लगभग 500 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है, जिससे बचा जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि हमने यह मुद्दा केंद्रीय वित्त मंत्री के पास भी उठाया है। तीसरा मुद्दा ग्रामीण विकास फंड से संबंधित है। हमने बार-बार कहा है कि हमारी मंडियों तक जाने वाली सड़कों के निर्माण की जरूरत है और हमने विधानसभा में एक बिल भी पास किया है जिसमें कहा गया है कि यह पैसा केवल मंडियों की मरम्मत, मंडियों के आधुनिकीकरण और मंडियों की सड़कों को बेहतर बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। हालांकि कैप्टन अमरिंदर सिंह के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने इन फंडों का दुरुपयोग किया, जिसके कारण यह पैसा रोका गया है। उन्होंने आगे कहा कि हम इस मुद्दे पर पहले ही सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुके हैं और मामला फिलहाल विचाराधीन है। मुकदमेबाजी को लंबा खींचने की बजाय केंद्र सरकार को पंजाब के जायज बकाए जारी कर देने चाहिए। यह पंजाब का हिस्सा है और पंजाब का हक है और हम केवल वही मांग रहे हैं जो हमारा जायज हक है। उन्होंने आगे कहा कि यदि केंद्र के बजट में कोई रुकावट है तो फंड किस्तों में या किसी भी तरीके से जो उचित समझा जाए, जारी किए जा सकते हैं। लेकिन यह राशि अब 9000 करोड़ तक पहुंच गई है, जिसे अभी भी जारी नहीं किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हमने इस मुद्दे को भी जोरदार तरीके से उठाया है और हमें भरोसा दिया गया है कि आने वाले दिनों में इस संबंध में कोई व्यवस्था बनाने के लिए सचिव स्तर पर बैठक बुलाई जाएगी, जिसके माध्यम से यह फंड जारी होना शुरू हो जाएंगे। उन्होंने अपील की, पंजाब को भारतीय खाद्य निगम की ब्याज दर के बजाय, भारतीय स्टेट बैंक द्वारा नकद ऋण सीमा (सीसीएल) पर लगाए जाने वाले ब्याज दर के अनुसार मासिक मिश्रित आधार पर ब्याज लेने की अनुमति दी जाए। आढ़तियों के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा, मुख्य मुद्दा यह है कि आढ़ती 2.5 प्रतिशत कमीशन की मांग कर रहे हैं, जबकि भारत सरकार ने अपना कमीशन मौजूदा दरों पर निर्धारित किया है। आढ़तियों के कमीशन के मुद्दे पर विचार करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, भारत सरकार के खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) ने आढ़तियों (कमीशन एजेंट) के कमीशन को खरीफ मार्केटिंग सीजन (केएमएस) 2020-21 के लिए धान के लिए 45.88 रुपए प्रति क्विंटल और रबी मार्केटिंग सीजन (आरएमएस) 2021-22 के लिए गेहूं के लिए 46.00 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया था। उन्होंने आगे कहा, उस समय से हर साल धान और गेहूं दोनों के लिए एक समान निर्धारित कमीशन जारी रखा गया है, जिसके कारण आढ़ती असंतुष्ट हैं और राज्य सरकार आढ़तियों का कमीशन बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार को लगातार लिख रही है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, भारत सरकार के खाद्य मंत्रालय ने गेहूं के लिए 4.75 रुपये प्रति क्विंटल (46 रुपए से 50.75 रुपए) और धान के लिए 4.73 रुपये प्रति क्विंटल (45.88 रुपए से 50.61 रुपए) के कमीशन में मामूली बढ़ोतरी की है, जो आरएमएस 2026-27 से लागू होगी। उन्होंने आगे कहा, आढ़तियों द्वारा इस मामूली बढ़ोतरी को स्वीकार नहीं किया गया है और मांग की गई है कि पंजाब कृषि उत्पाद बाजार अधिनियम, 1961 और इसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार, आढ़तियों का कमीशन एमएसपी के 2.5 प्रतिशत पर निर्धारित किया जाए। उन्होंने अपील की, भारत सरकार को डीएफपीडी के माध्यम से आढ़तियों के कमीशन में इस मामूली बढ़ोतरी की समीक्षा करनी चाहिए और पंजाब कृषि उपज बाजार अधिनियम, 1961 के अनुसार एमएसपी के 2.5 प्रतिशत की दर से कमीशन को मंजूरी दी जानी चाहिए। एक अन्य चिंता को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पिछले कई सालों से, भारतीय खाद्य निगम ईपीएफ से संबंधित मुद्दों के कारण हर सीजन में खरीदी जाने वाली फसलों के लिए भुगतान किए जाने वाले मंडी लेबर चार्ज का 30 प्रतिशत अपने पास रख रहा है। उन्होंने आगे कहा, इसके परिणामस्वरूप, आढ़तियों से संबंधित लगभग 50 करोड़ रुपए की राशि एफसीआई के पास पड़ी है, जिससे उनका वित्तीय बोझ और बढ़ गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य की एजेंसियां आढ़तियों से अंडरटेकिंग या हलफिया बयान प्राप्त करने के बाद उन्हें भुगतान कर रही हैं, जिसमें कहा गया है कि यदि ईपीएफ अधिकारियों द्वारा कोई देनदारी निर्धारित की जाती है, तो आढ़ती इसे पूरा करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा, इसलिए ईपीएफ के हिसाब से लेबर चार्ज का 30 प्रतिशत अपने पास रखना किसी भी तरह उचित नहीं है। केंद्रीय मंत्री से अपील की कि वे एफसीआई को राज्य एजेंसियों की तरह हलफिया बयान लेकर भुगतान जारी करने के निर्देश दें। राष्ट्रीय खाद्य खरीद प्रणाली में पंजाब की प्रमुख भूमिका को दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि निर्बाध खरीद सुनिश्चित करने, किसानों के हितों की रक्षा करने और राज्य पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव बढ़ने से रोकने के लिए केंद्र द्वारा इन मुद्दों पर समय पर हस्तक्षेप करने की जरूरत है।

राजधानी के जहरीले पहाड़ पर रोजगार की कीमत बनी बीमारी

दिल्ली। दिल्ली के दक्षिणी हिस्से में स्थित ओखला लैंडफिल साइट पर काम करने वाले मजदूरों की हालत बेहद चिंताजनक है। यूनिवर्सिटी ऑफ लद्दाख की शोधकर्ता सोनम एंगमो और इग्नू की प्रोफेसर शाची शाह के विस्तृत अध्ययन में यह बात साफ हुई है। पर्यावरण संरक्षण जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में खुलासा हुआ है कि यहां 55 से 60 लाख टन पुराना कचरा (लेगेसी वेस्ट) अभी पड़ा है। यह साइट 1996 से चालू है और 2010 में भर चुकी थी, फिर भी कचरा डालना जारी रहा। ऐसे में यहां काम करने वाले मजदूरों के लिए यह जहरीला पहाड़ बन गया है। करीब 36 मजदूरों को स्किन एलर्जी, 32 को सांस की बीमारी, 23 को आंखों में लालिमा या बाल झड़ने की समस्या और 8.5त्न को दिल से जुड़ी दिक्कतें है। अध्ययन के अनुसार, इनमें से 76 प्रतिशत मजदूर अक्सर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करते हैं। शोध में 107 मजदूरों से सीधे सवाल-जवाब किए गए, जिनमें ज्यादातर पुरुष थे और उनकी उम्र 30 से 40 साल के बीच थी। नतीजे देखकर हैरानी होती है। 95 प्रतिशत मजदूरों को पता है कि रोजाना कितना कचरा (लगभग 2000 टन) यहां आता है लेकिन क्या करें रोजी-रोटी के लिए काम करते हैं। मजदूर लैंडफिल की असली स्थिति से अनजान हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि लैंडफिल पर आरामघरों की हालत बेहद खराब है। 51 प्रतिशत मजदूरों ने बताया कि टॉयलेट और आराम की जगह गंदी, बिना पानी और अस्वच्छ है। लीचेट यानी कचरे से निकलने वाला जहरीला पानी का कोई प्रबंधन नहीं है। शोधकर्ता सोनम एंगमो के अनुसार, 2018 में लैंडफिल में आग लगी थी, जिससे पर्यावरण और स्वास्थ्य को भारी नुकसान हुआ। 2019 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने पुराने कचरे को हटाने का आदेश दिया। एसडीएमसी ने बायो-माइनिंग शुरू की और छह ट्रॉमेल मशीनें लगाईं। 2024 तक साइट साफ करने का टारगेट था। कचरे में 52 प्रतिशत मिट्टी जैसा पदार्थ, 42 प्रतिशत ईंट-पत्थर-कंक्रीट और 5 प्रतिशत प्लास्टिक है। ऑर्गेनिक कंटेंट सिर्फ 6.3 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि एसडीएमसी ने वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट शुरू किया, जिससे लैंडफिल पर बोझ कम हुआ, लेकिन मजदूरों की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं आया। शोध में बताया गया है कि कचरा मुख्य रूप से साउथ दिल्ली के चार जोन से आता है। 46 प्रतिशत कचरा एनर्जी प्लांट में जाता है, 3 प्रतिशत कंपोस्टिंग के लिए और बाकी सीधे लैंडफिल में। घरों में सेग्रिगेशन नहीं होने से समस्या बढ़ती है। रैग-पिकर्स अनौपचारिक रूप से कचरा अलग करते हैं, लेकिन उन्हें स्वास्थ्य कार्ड या सुविधाएं नहीं मिलतीं। शोधकर्ताओं ने सिफारिशें की हैं। इसमें एसडीएमसी को हर वॉर्ड में सेग्रिगेशन सेंटर बनाना चाहिए। रैग-पिकर्स को स्वास्थ्य कार्ड और सुविधाएं देनी चाहिए। मजदूरों को सालाना स्वास्थ्य जांच, अच्छी क्वालिटी का पीपीई और ट्रेनिंग देनी चाहिए। आरामघर साफ-सुथरे बनाने चाहिए। लीचेट का प्रोपर ट्रीटमेंट प्लांट लगाना चाहिए। कचरा स्रोत पर अलग करने से लैंडफिल का बोझ कम होगा और ग्रीनहाउस गैसें भी घटेंगी। ओखला लैंडफिल ओखला बर्ड सैंक्चुअरी और अन्य इको-सेंसिटिव जोनों के पास है, इसलिए इसे जल्द साफ करना जरूरी है। कोरोना महामारी के दौरान भी मजदूरों ने बिना रुके काम किया। लॉकडाउन में कचरा कम हुआ, लेकिन 73 प्रतिशत मजदूर रोजाना आते रहे। इग्नू की अंतर्विषयक एवं पार-विषयक अध्ययन पीठ की प्रो. शाची शाह ने बताया कि बारिश के मौसम में यह पानी खुली नालियों से बहकर आसपास के इलाकों में फैल जाता है। मजदूरों को पता है कि लीचेट ज्यादातर मानसून में बनता है लेकिन निगरानी या ट्रीटमेंट की सुविधा नहीं है। साउथ दिल्ली म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (एसडीएमसी) पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट देता है लेकिन क्वालिटी बेहद खराब है। 86 प्रतिशत मजदूरों को पूरा सेट मिलता है लेकिन वे कहते हैं कि मास्क और दस्ताने जल्दी फट जाते हैं और पहनने में तकलीफ होती है। कई मजदूर सिर्फ मास्क या जूते पहनकर काम चलाते हैं। आज तक कोई डॉक्टर या हेल्थ इंस्पेक्टर साइट पर स्वास्थ्य जांच करने नहीं आया।

थोक बाजारों पर महंगाई की मार, कच्चे माल की कमी से जूझ रहा हार्यवेयर बाजार

नई दिल्ली। मध्य एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे माल की आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे कीमतों में तेज उछाल देखने को मिल रहा है। आयात-निर्यात महंगा होने से व्यापारियों की लागत बढ़ गई है और बाजार में अस्थिरता का माहौल है। पुरानी दिल्ली के प्रमुख थोक बाजार चावड़ी बाजार, लालकुआं, अजमेरी गेट, गली पीपल महादेव और सीताराम बाजार आर्थिक दबाव से गुजर रहे हैं। यहां बांस, स्टील, एल्युमीनियम, आयरन, मशीन पार्ट्स, टूल्स, औद्योगिक उपकरण और सैनिटरी सामान का बड़ा कारोबार होता है, जहां देशभर से व्यापारी खरीदारी के लिए पहुंचते हैं। दिल्ली स्टील टूल्स एंड हार्डवेयर ट्रेडर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों के अनुसार, स्टील और लोहे की कीमतों में अचानक वृद्धि ने कारोबारियों का बजट बिगाड़ दिया है। जिस दर पर पहले माल बेचा गया, उसी कीमत पर अब नया स्टॉक खरीदना संभव नहीं रह गया है। इससे बाजार में नकदी का प्रवाह भी प्रभावित हुआ है और व्यापारियों की पूंजी पर संकट गहरा गया है। छोटे कारीगरों पर असर = इस कारोबार से जुड़े हजारों छोटे कारीगर और मैकेनिक सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कच्चे माल की बढ़ती कीमत और काम में कमी के कारण उनकी आजीविका पर सीधा असर पड़ा है। निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कार्य धीमे पड़ते जा रहे हैं, जिससे रोजगार के अवसर भी घट रहे हैं। व्यापारियों ने सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। व्यापारियों के अनुसार, कच्चे माल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए ठोस नीति बनाई जाए। साथ ही, आयात शुल्क और जीएसटी में अस्थायी राहत दी जाए ताकि छोटे व्यापारियों को राहत मिल सके। उत्पादन ठप, बाजार में कमी = युद्ध के कारण राजधानी में स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि कई छोटी फैक्ट्रियां बंद हो चुकी हैं, जबकि बड़े उद्योगों का उत्पादन भी प्रभावित हुआ है। पीतल स्क्रैप की कीमत कुछ ही महीनों में 520 रुपये प्रति किलो से बढ़कर करीब 740 रुपये तक पहुंच गई है। वहीं, पीवीसी उत्पादों के दाम में 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। बाजार में ग्राहकों की आवाजाही कम हो गई है और बाहरी व्यापारियों ने भी खरीदारी सीमित कर दी है। ऐसे में व्यापारी अनिश्चित भविष्य को लेकर चिंतित हैं और हालात सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं।

द्वारका सेक्टर 6 में मुख्य सड़क की स्ट्रीट लाइटें कई दिन से बंद, लोग चिंतित

नई दिल्ली। द्वारका सेक्टर 6 के आकाश गंगा अपार्टमेंट्स के सामने वाली मुख्य सड़क की स्ट्रीट लाइटें पिछले 5-6 दिनों से बंद हैं। यह समस्या प्लॉट नंबर 17 के पास के रास्ते को अंधेरा और असुरक्षित बना रही है। स्थानीय निवासी अजय नांगिया ने बताया कि सड़क पर प्रकाश की कमी के कारण शाम के समय वहां चलना मुश्किल है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि वे इस समस्या पर ध्यान दें और जल्द से जल्द स्ट्रीट लाइटें चालू करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अंधेरे में न केवल सड़क पार करना मुश्किल हो गया है, बल्कि रात के समय सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी बढ़ गई हैं। प्रशासन की तरफ से इस मामले में कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है। स्थानीय प्रशासन या विद्युत विभाग की तरफ से जल्द समाधान न होने पर नागरिक सोशल मीडिया और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं।

बोर्ड परीक्षा के डर से घर छोड़कर पहुंचा हरिद्वार, दिल्ली पुलिस ने कई बच्चों को ढूंढ निकाला

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में नाबालिगों के घर छोड़ने की बढ़ती घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं। छोटी-छोटी बातों, परीक्षा के दबाव और घरेलू समस्याओं से परेशान होकर बच्चे घर छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। हाल ही में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने अलग-अलग मामलों में चार नाबालिगों को ढूंढकर सुरक्षित उनके परिजनों को सौंपा है। हाल ही में बवाना इलाके का 17 वर्षीय किशोर 12वीं की बोर्ड परीक्षा छूटने के डर से 18 मार्च को घर छोड़कर चला गया था। वह हरिद्वार पहुंच गया, जहां कुछ दिन बिताने के बाद दिल्ली लौटा, लेकिन घर जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। बाद में उसने बवाना इंडस्ट्रियल एरिया में एक फैक्टरी में काम शुरू कर दिया। पुलिस की एएचटीयू टीम ने उसे ढूंढकर परिजनों को सौंप दिया। इसी तरह बुराड़ी की 17 वर्षीय किशोरी घरेलू विवाद के कारण घर छोड़कर देवघर चली गई थी। पुलिस ने उसे लेबर चौक के पास से बरामद किया। वहीं एक अन्य किशोरी माता-पिता के तलाक से परेशान होकर घर छोड़कर सुल्तानपुरी में रिश्तेदार के यहां रहने लगी थी, जिसे भी पुलिस ने खोज निकाला। वजीराबाद की 16 वर्षीय लड़की एक युवक के साथ संबंध के चलते घर से निकलकर वैष्णो देवी पहुंच गई थी, जहां दोनों ने शादी कर ली। पुलिस ने उन्हें करोल बाग मेट्रो स्टेशन के पास से ढूंढ निकाला। समस्याओं से भागने के बजाय परिवार से खुलकर बात करें = विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) के देवेश चंद्र श्रीवास्तव के अनुसार, ऐसे कई मामले सामने आ रहे हैं।

NAME CHANGE
I, JYOTI DEVI wife of JC-333724W, Rank-SUB, Name-SHIV RAM SINGH residing at VPO-AMOUR, DIST-KANPUR, UTTAR PRADESH-209401, have changed my name from JYOTI DEVI to JYOTI SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 10/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SHIKHA BHARDWAJ W/O MANOJ KUMAR R/O 79 AMICHAND KHAND GIRI NAGAR, KALKAJI, DELHI-110019. have changed my name to SHIKHA BHANDARI for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
My client Hukum Chand S/o Sh. Adel R/o House No.443/1, Nai Basti, Devli, New Delhi-110062, has disowned and debarred her daughter Neha W/o Sh. Om Prakash from her all movable, immovable properties and also disowned all Civil & Criminal Liabilities and I have no relation with her in future.
AMIT KUMAR ADVOCATE
CHAMBER NO.559
LAWYERS BLOCK
SAKET COURT, New Delhi-110017

NAME CHANGE
I, SAYAD S/O SHAFIQUR REHMAN R/O HOUSE NO. 2031-34 FIRST FLOOR MOHALLAH QABRISTAN TURKMAN GATE DELHI-110006, HAVE CHANGED MY NAME FROM SAYAD TO SAEED AHMED FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I vinay S/0 laxmi narayan 16/455 E Block Bapa nagar karol bagh new delhi 110005 Changed my name to Vinay kumar

NAME CHANGE
I, RENU W/o DINESH ROHATGI, R/o Flat No-1103, Tower-10, GH-1B, Sector-107, Sunworld Vanalika, Gautam Buddha Nagar, Noida, Uttar Pradesh-201303, have changed my name and shall hereafter be known as RENU ROHATGI.

NAME CHANGE
I hitherto known as JYOATI D/o RAM SHESH VERMA, W/o AVANEESH PRAJAPATI, R/o DumaDuma, Unchgawan, Jaunpur, Unchgaon, Uttar Pradesh-223102, have changed my name and shall hereafter be known as JYOTI KUMARI VERMA.

NAME CHANGE
I, ATHER ALI KHAN son of ASGAR ALI KHAN residing at H NO-123, GAFOOR NAGAR, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 have changed my name to ATHAR KHAN for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
This is for information of General Public that my client Mrs. Veena Bhatnagar (100% Share) W/o Mr. V.K. Bhatnagar who is the owner of Property as Residential Flat bearing No. 104, on Ground Floor in Block- B, having super area 1575 Sq. Ft. (146.32 Sq. Mtr.), constructed on Plot No. B-104, in Project Known as "ADREE CITY", Situated at Village Wazirabad & Bindapur Tehsil & District Gurgaon, Haryana. who has lost Flat Buyer's Agreement dated 24.07.2004 in favour of Dr. V.K. Bhatnagar & Mrs. Veena Bhatnagar and Inter Office Memo of Possession dated 25.10.2006 in the name of Dr. V.K. Bhatnagar & Mrs. Veena Bhatnagar. In case anybody finds the above said document and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 7 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed that there is no claim against the said property and my client may proceed with its intended object as mentioned above.
DR RAJESH K GUPTA Advocate
F-42/43, Dilshad Colony,
Delhi- 110095,
8882766856
rlegalloan@gmail.com

NAME CHANGE
I, TANUJA W/O PAWAN KUMAR GUPTA R/O H NO B-125 EKTA VIHAR GYAN MANDIR ROAD JAITPUR EXTN 1 BADARPUR SOUTH DELHI -110044, have changed my name to TANUJA GUPTA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, PAWAN GUPTA S/O NARENDER KUMAR GUPTA R/O H NO B-125 EKTA VIHAR GYAN MANDIR ROAD JAITPUR EXTN 1 BADARPUR SOUTH DELHI -110044, have changed my name to PAWAN KUMAR GUPTA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, CHAMAN MEET HEIR W/o Jorawar Singh R/o 266, 2nd Floor, Gali No.4, Govind Puri, Kalkaji, Delhi-110019, have changed my name to CHAMAN MEET KAUR for all purposes.

NAME CHANGE
I, Amit Kumar S/o Vishwas Kumar R/o A-168/1, Defence Colony Bhopura Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 have changed my name to Amit Kumar Sharma.

NAME CHANGE
I, Subodh Kumar S/o Sewa Ram R/o Flat No.1007, Floor No.10, Urvashi Block, V3S Indralok, Nyay Khand-1, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014 have changed my name to Subodh Kumar Sharma.

PUBLIC NOTICE
General public is hereby informed that **Mrs. Nanda Bisht** W/o Mr. Dharmendra Singh Bisht owner of Plot No. 9, area measuring 50 sq. Yards i.e. 41.805 sq. meters, Part of Khasra no. 148, Situated in the D-Block, Ram Park Extn., colony, Village Loni Chakbandi Bahar, Pargana Tehsil Loni, District Ghaziabad, U.P, vide Sale Deed dated 02.06.2023 executed by Mr. Dharmendra Singh Bisht vide Doc. No. 8114, Book No. 1, Vol. No. 4662, Pages No. 1-22, on dated 02.06.2023, in SR-Loni, Ghaziabad, and in the property chain Original Conveyance Deed executed by M/s. Durga Land & Finance Co. in favour of Mrs. Sheetal Prakash is missing / lost / not available with the Customer and on line FIR already lodged vide LR No: 224697/2026, on dt. 10.04.2026. And now said property is being financed by **AU Small Finance Bank Ltd.,** Branch Patpad Ganj Delhi, if anybody has any charge/title/third party interest in the said property of any kind of dispute, kindly inform the undersigned in written with proof of this publication on the below mentioned address, failing which I am aware that in case any default with the mortgage property, that all borrowers/owners are responsible for the same.
[ASHWANI KUMAR]
Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound,
Ghaziabad, U.P.
kumar2021ashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, No-15428746M Rank-HAV Name-NADIYA SHAILESH KUMAR MANILAL Residing at VILL-MUDARDA, PO-NANDASAN, TEH & DIST-MHESANA, GUJARAT-380001, have changed my wife's name from NADIYA LAXMI to LAXMI HAJONG for all future purposes vide Affidavit dated 10/04/2026 before Notary Public, Delhi.

FORM NO. INC-26
[Pursuant to rule 30 of the Companies (Incorporation) Rules, 2014]
Advertisement to be published in the newspaper for change of registered office of the company from one state to another
Before the Central Government Northern Region (Regional Director) B-2 Wing, 2nd Floor, Deendayal Antyodaya Bhawan, CGO Complex, New Delhi-110003.
In the matter of the Companies Act, 2013, Section 13(4) of Companies Act, 2013 and Rule 30(6) (a) of the Companies (Incorporation) Rules, 2014 **AND**
In the matter of **DIZA ENTERPRISES PRIVATE LIMITED** having its registered office at HIG Flat No.517, Pkt-B, 3rd Floor, Phase-II, Sector-13, Dwarka, Delhi-110078............ **Applicant**
Notice is hereby given to the General Public that the company proposes to make application to the Central Government under section 13 of the Companies Act, 2013 seeking confirmation of alteration of the Memorandum of Association of the Company in terms of the special resolution passed at the Annual General Meeting/ Extra ordinary general meeting held on 13th Day of March 2026 to enable the company to change its Registered office from "NCT of Delhi" to "State of Tamil Nadu".
Any person whose interest is likely to be affected by the proposed change of the registered office of the company may deliver either on the MCA-21 portal (www.mca.gov.in) by filing investor complaint form or cause to be delivered or send by registered post of his/her objections supported by an affidavit stating the nature of his/her interest and grounds of opposition to the Regional Director, Northern Region, B-2 Wing, 2nd Floor, Deendayal Antyodaya Bhawan, CGO Complex, New Delhi-110003, within Fourteen days from the date of publication of this notice with a copy of the applicant company at its registered office at the mentioned below.
REGISTERED OFFICE: HIG Flat NO.517, Pkt-B, 3rd Floor, Phase-II, Sector-13, Dwarka, Delhi-110078
For Diza Enterprises Private Limited
Date: 11.04.2026 **Kalpathy Santosh (Director)**
Place: New Delhi **DIN: 05350775**

PUBLIC NOTICE
General public is hereby informed that **Mr. Harsimran Singh** S/o Mr. Kulwinder Singh owner of Residential House No. 258-B, Subhash Road, Safipur-1, area measuring 112 sq. Yards i.e. 93.64 sq. meters, out of Arazi No. 218, Situated in the Village Safipur, Pargana Tehsil & District Kanpur Nagar, U.P, vide Sale Deed dated 17.09.2025 executed by Mr. Jaswinder Singh S/o Late Mr. Gopal Singh vide vide Doc. No. 9353, Book No. 1, Vol. No. 12282, Pages No. 89-110, on dated 17.09.2025, in SR-I Kanpur Nagar, and in the property chain Death Certificate & SMC of late Mr. Gurdip Singh & Death Certificate & SMC of SMC of Late Mrs. Swaranjit Kaur are missing / lost / not available with the Customer. And now said property is being financed by **Hero Housing Finance Ltd,** Branch Kanpur, if anybody has any charge/title/third party interest in the said property of any kind of dispute, kindly inform the undersigned in written with proof within 7 days of this publication on the below mentioned address, failing which I am aware that in case any default with the mortgage property, that all borrowers/owners are responsible for the same.
[ASHWANI KUMAR]
Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound,
Ghaziabad, U.P.
kumar2021ashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री इदरीश, श्री शकरू के पुत्र, खसरा संख्या 5 में स्थित 103.25 वर्ग गज यानी 86.36 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले मकान के स्वामी थे, जो पिपलेहड़ा (मुगल गार्डन कॉलोनी), परगना दासना, तहसील धोलाना, जिला हापुड़, उत्तर प्रदेश में स्थित है। यह विक्रय विलेख दिनांक 27.05.2015, दस्तावेज संख्या 4829, श्रीमती द्वारा निष्पादित किया गया था। शाहजहाँ खातून, पत्नी श्री मोहम्मद का मृत्यु प्रमाण पत्र, श्री इदरीश पुत्र श्री शकरू का जीवित सदस्य प्रगाण पत्र, जिनकी मृत्यु के बाद उनकी पत्नी ने उक्त संपत्ति अपने पुत्र श्री शोकीन पुत्र स्वर्गीय श्री इदरीश को दान कर दी, जिसका वित्तपोषण शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आग जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the general public that our client, Mrs. Mithlesh Devi, wife of Mr. Kamal Singh, is the absolute owner and in possession of a freehold residential eastern portion of Plot No. 100, measuring 75 sq. yds. out of total area 150 sq. yds., forming part of Khasra No. 24//25, 35/5/1, 5/2, 5/3, 35//6/1, situated at Waka Mouja Gounchi, Tehsil Ballabgarh, District Faridabad, Haryana.That our client acquired the above-mentioned property by virtue of a Sale Deed dated 23.06.2015, registered as Document No. 3366 on 23.06.2015 before SRO Ballabgarh. That in the chain of title documents, the following original documents are not available: (1) Original Sale Deed dated 16.04.2007 executed by the initial owner in favour of Mrs. Shakuntala Devi and Mr. Sudhir Kumar, registered as Document No. 723, Book No. I, dated 16.04.2007 at SRO Ballabgarh. & (2) Original Sale Deed dated 28.12.2007 executed by Mrs. Shakuntala Devi and Mr. Sudhir Kumar in favour of Mrs. Kamla Devi, registered as Document No. 9841, Book No. I, Vol. No. 2/56, pages 136/19-20, dated 28.12.2007 at SRO Ballabgarh. Due to the non-availability of the above-mentioned original documents, this public notice is being issued. Any person having any right, title, interest, claim, or objection in respect of the said property is hereby required to inform the undersigned in writing within 07 days from the date of publication of this notice, along with supporting documents, failing which it shall be presumed that no such claim exists and the claim, if any, shall be deemed to have been waived., It is further stated that the said property is presently mortgaged with Utkarsh Small Finance Bank Limited, Faridabad Branch, Haryana.
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
I Saraswati Tomar D/O Munna Singh Tomar R/O Daulatpur Dhikri Distt. Hapur,UP Undertake That I Saraswati Tomar Change My Name Siddharth Tomar And Gender As Male. I Saraswati Tomar Henceforth Be Known As Siddharth Tomar S/O Munna Singh Tomar.The Above Statement Made By Me Is True And Correct To The Best Of My Knowledge And Belife.If Any Legal Issue Arises In This. Regard At Any Stage, I Will Be Personally Responsible For The Same And The Department Publication Will Not Be Liable As For Any Consequences Arising Therefrom.

NAME CHANGE
I, Amit Gaurav S/o Satish Chand R/o C-418/A, Chhajupur, Shahdara, PO: Shahdara, Dist: Shahdara, Delhi - 110032 have changed the name of my minor daughter Navika aged 13 years and she shall hereafter be known as Navika Singh

NAME CHANGE
I, ROHIDAS is legally father of No. 15696533F Rank- L/HAV Name-MANE RAKESH ROHIDAS R/o VILL-BHONDAWADE, POST-GAJAWADI, TEH-SATARA, DIST-SATARA, (MAHARASHTRA)-415013 have changed my name from ROHIDAS to ROHIDAS MANSING MANE for all future purposes. Vide Affidavit Dated 10/04/2026 before Notary Public New Delhi (India).

NAME CHANGE
I, CHARANJEET SINGH S/o TRILOCHAN SINGH R/o 60/2 FIRST FLOOR, RAMJAS ROAD, KAROL BAGH, DELHI-110005 have changed my name to CHARANJEET SINGH THUKRAL .

NAME CHANGE
I, PRINCE JOGENDRA SINGH S/o JOGENDRA SINGH R/o R-15, R-BLOCK, EAST VINOD NAGAR, DELHI-110091 have changed my name to PRINCE SINGH .

NAME CHANGE
I, Deepak Kumar S/O: Moolchand, R/O 827, shernagar, VTC: Muzaffarnagar, PO: Muzaffarnagar, District: Muzaffarnagar, Uttar Pradesh- 251001, have changed the name of my minor son Tanish aged 15 years and he shall hereafter be known as TANISHQ.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

लाखों रुपये की गड़बड़ी में बैंक के कई कर्मचारियों की मिलीभगत

एजेंसी

सिरसा। सिरसा जिले के खंड बडागुढ़ा स्थित दि केंद्रीय सहकारी बैंक शाखा में उपभोक्ताओं के खाते से लाखों रुपये की ठगी के मामले में अब बड़ा खुलासा हुआ है। एसआईटी ने अपनी जांच पूरी कर रिपोर्ट महाप्रबंधक को सौंप दी है, जिसके बाद बैंक प्रशासन ने आरोपियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए रिकवरी नोटिस जारी कर दिए हैं। महाप्रबंधक ने कहा कि एक सप्ताह के भीतर राशि की रिकवरी नहीं होने पर संबंधित आरोपियों के खिलाफ थाना में शिकायत देकर मुकदमा दर्ज करवाया जाएगा। इस मामले में एसआईटी को 15 दिन में जांच पूरी करनी थी, लेकिन रिपोर्ट तैयार करने में करीब 40 दिन लग गए। जांच के दौरान सबसे अहम तथ्य यह सामने आया कि मुख्य आरोपी कैशियर सुभाष चाहर एक बार भी जांच में शामिल नहीं हुआ। उसे कई बार नोटिस भेजे गए, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया और फिलहाल फरार बताया जा रहा है। एसआईटी जांच में करीब 18 से 20 लाख रुपये के गबन का मामला सामने आया है। जांच में कैशियर सुभाष के साथ शाखा प्रबंधक इंद्रपाल, पूर्व शाखा प्रबंधक ओमप्रकाश और कैशियर धर्मपाल को भी आरोपी ठहराया गया है। जांच में खुलासा हुआ कि गबन के लिए विभिन्न अधिकारियों की गोपनीय आईडी का दुरुपयोग किया गया।

अनुपस्थित आईएएस अधिकारी रानी नागर की सेवाएं समाप्त करने की तैयारी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार वर्ष 2014 बैच की आईएएस अधिकारी रानी नागर की सेवाएं समाप्त करने की तैयारी में है। साढ़े पांच साल से अनुपस्थित चल रही विवादित अधिकारी के खिलाफ पांच मई 2022 को अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू हुई थी। पिछले साल जुलाई में प्रदेश सरकार ने उन्हें जबरन सेवानिवृत्ति देने का निर्णय कर लिया था, लेकिन संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) ने इस पर रोक लगाते हुए उनका ग्रेड दो साल तक कम करने की सलाह देते हुए उनका पक्ष जानने के निर्देश दिए थे। तभी से रानी को पक्ष रखने के लिए लगातार ई-मेल के माध्यम से नोटिस भेजे जा रहे हैं, लेकिन अभी तक उनका जवाब सरकार को नहीं मिला है। अब कार्मिक विभाग की ओर से रानी को अंतिम नोटिस देते हुए जवाब दाखिल करने को 15 दिन का समय दिया है। साथ ही चेतावनी दी है कि संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 30 मई 2024 की सलाह पर अपना जवाब इस अवधि में नहीं दिया तो मान लिया जाएगा कि उन्हें कुछ भी नहीं कहना है। इसके बाद नियमों के अनुसार उन्हें कोई और नोटिस दिए बगैर आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश सरकार द्वारा केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय से रानी की सेवाएं समाप्त करने की सिफारिश की जा सकती है।

सांसद नवीन जिंदल ने सुनी समस्याएं, टीम को दिए समाधान के निर्देश

कैथल। कुरुक्षेत्र से लोकसभा सांसद नवीन जिंदल ने अपने कार्यालय में कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्र से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान जिले के विभिन्न गांवों और शहरों से पहुंचे लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं सांसद के समक्ष रखीं और उनके शीघ्र समाधान की मांग की। मुलाकात के दौरान सांसद नवीन ने स्पष्ट कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की प्रशासनिक ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सांसद ने अपनी टीम को निर्देश देते हुए कहा कि सभी शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर प्रत्येक समस्या का समयबद्ध समाधान किया जाए। साथ ही उन्होंने विकास कार्यों की नियमित प्रोग्रेस रिपोर्ट तैयार करने के भी निर्देश दिए, ताकि कोई भी कार्य लंबित न रहे और लोगों को समय पर राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि का वास्तविक दायित्व समस्याओं का प्रभावी और स्थायी समाधान करना है। इसी उद्देश्य के साथ वे लगातार क्षेत्र के लोगों के संपर्क में रहते हैं और उनकी जरूरतों के अनुसार कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर सांसद कार्यालय प्रभारी रविंद्र धीमान ने बताया कि सांसद नवीन जिंदल कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं।

अनाज मंडी में तौल में गड़बड़ी पर सख्ती, 100 ग्राम कम वजन पाए जाने पर भरपाई के निर्देश

पानीपत। उपायुक्त वीरेंद्र कुमार दहिया ने इसराना की नई अनाज मंडी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सरसों की एक ढेरी के मैनुअल और डिजिटल कांटे में 100 ग्राम वजन कम पाए जाने पर उन्होंने संबंधित किसान को पूरी ढेरी के लिए 100 ग्राम प्रति बोरी के हिसाब से भरपाई के निर्देश दिए। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि मंडी में आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए, और कहा कि चाहे बायोमेट्रिक सत्यापन हो या तौल संबंधी समस्या, यदि कहीं भी कोई त्रुटि पाई जाती है तो उसके लिए संबंधित अधिकारी और आढ़ती जिम्मेदार होंगे। लिफ्टिंग के मुद्दे पर उपायुक्त ने किसानों को जानकारी दी कि ठेकेदार द्वारा गाड़ियों के लिए पोर्टल पर मैसेज आ गया है। हैफेड के पोर्टल पर मैसेज आते ही लिफ्टिंग का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि इस वर्ष किसानों को मंडी में सुविधाओं के साथ-साथ तोल और लिफ्टिंग की समस्या के लिए उच्च अधिकारियों के पास जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

उत्कृष्ट सेवाओं पर इंजीनियर होशियार सिंह को प्रो. असीम कुमार घोष ने किया सम्मानित

एजेंसी

हिसार। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के कार्यकारी अभियंता (सीबीओ) एवं एसजीआरए, इंजीनियर होशियार सिंह को वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान एसजीआरए के रूप में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने पर सम्मानित किया।यह सम्मान उन्हें चंडीगढ़ में आयोजित एक समारोह के दौरान प्रदान किया गया।

इंजीनियर होशियार सिंह ने एसजीआरए के रूप में अपने दायित्वों का प्रभावी निर्वहन करते हुए उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित एवं संतोषजनक निपटान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके उत्कृष्ट कार्य और समर्पण के लिए उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया।इस अवसर पर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने इंजीनियर होशियार सिंह को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि उनकी कार्यशैली, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा अन्य अधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

हरियाणा सरकार ने कोटक बैंक को पैनल से हटाया

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने पंचकूला नगर निगम से जुड़े 160 करोड़ रुपए के बैंक धोखाधड़ी मामले में कोटक महिंद्रा बैंक को पैनल लिस्ट से हटा दिया है। वित्त विभाग अतिरिक्त मुख्य सचिव अरुण गुप्ता ने सभी प्रशासनिक सचिवों और विभागों के प्रमुखों को इसकी सूचना लिखित रूप में भेज दी है। कोटक महिंद्रा बैंक ने राज्य सरकार को 127 करोड़ रुपए लौटा दिए हैं। यह राशि केवल मूलधन को ही कवर करती है। हरियाणा सतर्कता एवं भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो वर्तमान में पंचकुला नगर निगम के सेक्टर 11 स्थित कोटक महिंद्रा बैंक शाखा में खातों से कथित तौर पर धन की हेराफेरी की जांच कर रहा है। वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने पत्र में लिखा है कि कोटक महिंद्रा बैंक को हरियाणा राज्य में सरकारी कामकाज करने के लिए तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश तक पैनल से हटा दिया गया है।

रेशनलाइजेशन कमीशन की सिफारिश, एचएसएससी को मजबूत ढांचा प्रदान करे सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य के रेशनलाइजेशन कमीशन ने अपनी मुख्य सचिव की 27वीं रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। यह रिपोर्ट हरियाणा स्टॉफ सिलेक्शन कमीशन (एचएसएससी) के पुनर्गठन एवं युक्तिकरण से संबंधित है। एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, एचएसएससी राज्य की एक अत्यंत महत्वपूर्ण संस्था है, जिसे ग्रुप-सी एवं ग्रुप-डी के पदों पर भर्ती के लिए सिफारिश करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राज्य सरकार के लगभग 85-90 प्रतिशत पद इन्हीं श्रेणियों में आते हैं।उन्होंने बताया कि कमीशन ने एचएसएससी के अध्यक्ष, सचिव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कई बैठकें कर उनके समक्ष आ रही समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। एचएसएससी को करीब 400 विभिन्न प्रकार के पदों के लिए भर्ती संबंधी सिफारिशें करनी होती हैं, जिसके कारण इसकी कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और सुव्यवस्थित बनाना आवश्यक है।

रिपोर्ट में कमीशन ने सुझाव दिया है कि एचएसएससी के लिए एक मजबूत और सुव्यवस्थित संगठनात्मक ढांचा तैयार किया जाए, जिसमें विभिन्न विशेषज्ञ शाखाएं स्थापित की जाएं। इनमें गोपनीय शाखा, भर्ती शाखा, स्क्रूटिनी शाखा, परीक्षा शाखा, प्रशिक्षण एवं विधिक शाखा आदि शामिल हों, ताकि भर्ती प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तेज और कुशल बन सके। प्रवक्ता ने आगे बताया कि कमीशन अब तक विभिन्न सरकारी विभागों के युक्तिकरण से संबंधित 26 रिपोर्टें (जिनमें तीन सामान्य रिपोर्टें शामिल हैं) प्रस्तुत कर चुका है।

हरियाणा में तेज होगी फाइल निपटान प्रक्रिया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली को और अधिक तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सभी विभागों, बोर्डों, निगमों तथा स्वायत्त संस्थाओं को सीएफएमएस एवं टीआईएस पोर्टल पर लंबित फाइलों की समीक्षा कर उन्हें 15 दिनों के भीतर निपटाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, वर्ष 2025 और 2026 से संबंधित बड़ी संख्या में फाइलें पोर्टल पर 'पेंडिंग' श्रेणी में दर्ज हैं। इनमें से कई फाइलें भौतिक रूप से निपटाई जा चुकी हैं, लेकिन उनकी स्थिति पोर्टल पर अपडेट नहीं की गई है, जिसके कारण लंबित मामलों की संख्या वास्तविकता से अधिक दिखाई दे रही है।सरकार ने सभी विभागों को ऐसी फाइलों की स्थिति तुरंत अपडेट करने के निर्देश दिए हैं, ताकि सही आंकड़ों के आधार पर निगरानी और मूल्यांकन किया जा सके। इस संबंध में सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्डों और निगमों के प्रबंध निदेशकों, मंडलायुक्तों तथा उपायुक्तों को 15 दिनों के भीतर यह कार्य पूरा करने को कहा गया है। निर्धारित समयावधि के बाद पोर्टल पर

दर्शाए गए लंबित मामलों के आंकड़ों को अंतिम और प्रमाणिक माना जाएगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि भविष्य में सभी फाइलों की स्थिति नियमित रूप से पोर्टल पर अपडेट की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की विसंगति न रहे और फाइलों की वास्तविक स्थिति का सटीक आकलन किया जा सके।

आईडीएफसी बैंक घोटाले में किसी को बख्शा नहीं जाएगा : विज

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आईडीएफसी बैंक में लगभग 560 करोड रूपए के घोटाले को लेकर कहा कि ''लगभग 560 करोड रूपए का घोटाला हुआ है और इस घोटाले में कुछ लोग खा गए और अपने खातों में भी राशि डाल ली या जो कुछ भी किया गया है, इसलिए सरकार इस मामले में सरकार किसी को भी नहीं बख्शेगी''।

इसके अलावा, विज ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा है कि इस मामले को सीबीआई को दिया जाएगा। विज मीडिया कर्मियों द्वारा बैंक घोटालों को लेकर आज दो आईएएस अधिकारी और एक एचसीएस अधिकारी को राज्य सरकार द्वारा निलंबित किए जाने के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। ''घोटालों के इन मामलों में कई लोगों को पहले भी गिरफ्तार किया जा चुका है''- विज

विज ने कहा कि ''घोटालों के इन मामलों में कई लोगों को पहले भी

गिरफ्तार किया जा चुका है और बैंक के अधिकारियों को भी गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने यह कह दिया है कि हम यह मामला सीबीआई को दे देगें और जब सीबीआई को मामला जाएगा तो देखना कि कैसे लाईन लगती है''।

''अब हम असम भी जीतेगें, बंगाल भी जीतेंगे, केरल भी जीतेंगे, तमिलनाडु और पुडूचेरी भी जीतेंगें'' - विज

देश के पांच राज्यों में हो रहे चुनावों के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में श्री विज ने कहा कि ''हम हरियाणा जीते, दिल्ली जीते, महाराष्ट्र जीते, बिहार जीते और अब असम भी जीतेगें, बंगाल भी जीतेंगे, केरल भी जीतेंगे, तमिलनाडु और पुडूचेरी भी जीतेंगें''।

''सरकार द्वारा मंडियों में फसल उपज की सुरक्षा हेतू सारी व्यवस्थाएं भी की जा रही है''- विज

पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुडडा द्वारा मंडियों में किए जा रहे दौरों के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने ब्यानी प्रहार करते हुए कहा कि ''हुडा साहब खुद मुख्यमंत्री रहे हैं, उन्होंने अपने समय में कुछ भी नहीं किया लेकिन अब हम कर रहे हैं, तो उसमें कमी निकाल रहे हैं''। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि ''बरसात हमारी सरकार पैदा नहीं कर रही है, बरसात ऊपर से आ रही है, और इसके लिए फसल उपज की सुरक्षा हेतू सारी व्यवस्थाएं भी की जा रही है''।

मुख्यमंत्री ने समाधान शिविर में सुनी जनता की फरियाद

तुरंत कार्रवाई के निर्देश

62 परिवादियों से किया सीधा संवाद, राशन कार्ड मामले में आय सत्यापन के आदेश, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आयोजित समाधान शिविर में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लेते हुए प्रदेशभर के परिवादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जिलों के नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी शिकायतों का जायजा लिया। आज के शिविर में कुल 62 नागरिकों ने अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं।

इसी क्रम में जिला महेंद्रगढ़ के अटेली क्षेत्र से पहुंची ललिता की राशन कार्ड संबंधी शिकायत पर मुख्यमंत्री ने गंभीरता से संज्ञान

लिया। उन्होंने उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार को निर्देश दिए कि संबंधित परिवार की आय का दोबारा सत्यापन कराया जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि यदि जांच के दौरान महिला निर्धारित आय सीमा के भीतर पात्र पाई जाती है, तो बिना किसी देरी के उसका राशन कार्ड बनाया जाए।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के तुरंत बाद उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को फील्ड रिपोर्ट तैयार करने और पारदर्शी तरीके से इनकम वेरिफिकेशन प्रक्रिया पूरी करने के आदेश दिए। प्रशासन ने आश्वासन दिया कि मामले में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। समाधान शिविर के बाद अधिकारियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने कहा कि यह शिविर हरियाणा सरकार का एक अत्यंत प्रभावी मंच है, जहां आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान किया जाता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर शिकायत को पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ लिया जाए, क्योंकि मुख्यमंत्री स्वयं इन शिविरों की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। उपायुक्त ने चेतावनी दी कि यदि किसी अधिकारी द्वारा लापरवाही बरती गई, तो उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर डीएसपी सुरेश कुमार, डीएमसी रणवीर सिंह और नगराधीश डॉ मंगल सेन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सोनीपत में भीषण सड़क हादसा : बर्थडे मनाने आ रहे परिवार की कार को ट्रक ने 100 मीटर तक घसीटा, दो सगी बहनों की मौत

एजेंसी

सोनीपत (हरियाणा)। नेशनल हाईवे-44 पर शुक्रवार की सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। दिल्ली के उत्तम नगर से मुरथल में बेटे का जन्मदिन मनाने आ रहे एक परिवार की खुशियाँ मातम में बदल गईं। एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने सर्विस लेन पर खड़ी कार को जोरदार टक्कर मार दी और उसे करीब 100 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। इस भीषण टक्कर में दो सगी बहनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मिली जानकारी के अनुसार, उत्तम नगर निवासी परिवार कार में सवार होकर मुरथल के ढाबे पर जन्मदिन सेलिब्रेट करने जा रहा था। जब उनकी कार राई थाना क्षेत्र के पास गोल्डन हट ढाबे के सामने सर्विस लेन में रुकी और एक सदस्य चिप्स लेने नीचे उतरा, तभी पीछे से आए एक ट्रक ने रेलिंग तोड़ते हुए कार को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भयानक थी कि कार पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को कड़ी मशक्कत के बाद कार से बाहर निकाला। हादसे में मनदीप कौर और मनप्रीत कौर नामक दो बहनों की मौके पर ही जान चली गई। पुलिस ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुँचकर घायलों को सोनीपत के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। घटना के बाद आरोपी ट्रक चालक मौके पर ही वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है और चालक की तलाश की जा रही है। परिजनों के आने के बाद मृतकों और घायलों की विस्तृत शिनाख्त की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

मातनहेल में तेज हुई जनगणना 2027 की तैयारियां, दूसरे चरण के प्रशिक्षण की शुरुआत

एजेंसी

झज्जर। मातनहेल में जनगणना 2027 को लेकर तैयारियां अब तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत दूसरे चरण की शुरुआत करते हुए द्वितीय बैच के प्रशिक्षण का पहला दिन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को जनगणना कार्य से जुड़ी अहम जानकारियां दी गईं। प्रशिक्षण के आरंभ में मातनहेल के तहसीलदार कृष्ण कुमार ने दोनों बैचों के ट्रेनरों और प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए जनगणना की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की योजनाओं और विकास की दिशा तय करने का सबसे बड़ा आधार है, इसलिए इस कार्य को पूरी जिम्मेदारी, ईमानदारी और सटीकता के साथ करना बेहद जरूरी है। इसके बाद फील्ड ट्रेनर राजेश कुमार और ओमबीर ने प्रतिभागियों को बिल्डिंग, सेंसस हाउस और हाउसहोल्ड की अवधारणाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने फील्ड में इनकी सही पहचान और डेटा संग्रहण की प्रक्रिया को उदाहरणों के माध्यम से समझाया, जिससे प्रतिभागियों को

कार्य की व्यावहारिक समझ मिल सके। प्रशिक्षण के अगले सत्र में फील्ड ट्रेनर सवीन और पवन ने प्रतिभागियों को एचएलओ एप्प डाउनलोड करने और उसके उपयोग की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने ऐप के विभिन्न फीचर्स और डिजिटल माध्यम से जनगणना कार्य को प्रभावी तरीके से करने की जानकारी दी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को पूरी तरह प्रशिक्षित और जागरूक बनाना है, ताकि वे फील्ड में जाकर जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक और सटीक तरीके से पूरा कर सके।

सीएम घोषणा के तहत सैनी सभा को 31 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान

एजेंसी

नारनौल। आज नारनौल उप मंडल अधिकारी (नागरिक) अनिरुद्ध यादव ने अपने कार्यालय में सैनी सभा के प्रधान बिशन सैनी, सचिव भारत सैनी एवं कोषाध्यक्ष बलवंत सैनी को सरकार की ओर से 31 लाख रुपये की सहायता राशि का चेक भेंट किया। यह राशि पूर्व में आयोजित महाराजा शूर सैनी जयंती समारोह के उपलक्ष्य में हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा की गई घोषणा के अंतर्गत जारी की गई है। कार्यक्रम के दौरान की गई घोषणाओं के क्रम में यह 31 लाख रुपये की पहली किस्त के रूप में प्रदान की गई सहायता राशि है।

इस अवसर पर एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने बताया कि यह राशि घोषित योजनाओं के तहत जारी की गई है और आगे भी शेष राशि चरणबद्ध तरीके से प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। सैनी सभा के प्रधान बिशन सैनी, सचिव भारत सैनी एवं कोषाध्यक्ष बलवंत सैनी ने मुख्यमंत्री एवं प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस राशि का उपयोग समाजहित के कार्यों एवं विकास गतिविधियों में किया जाएगा।

म्यूटेशन की पेंडेंसी समाप्त करके स्टैंप ड्यूटी रिकवरी तेज करें: अजय कुमार

एजेंसी

गुरुग्राम। जमाबंदी, भूमि सीमांकन (डिमार्केशन), म्यूटेशन, राजस्व संग्रहण, लंबित मामलों तथा मॉडर्न रेवेन्यू रिकॉर्ड रूम की जिला उपायुक्त अजय कुमार ने लघु सचिवालय स्थित सभागार में बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों का समयबद्ध एवं प्रभावी निपटान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो और राजस्व सेवाएं पारदर्शी रूप से संचालित होती रहें। जिला स्तरीय राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने जिले में चल रहे विभिन्न राजस्व कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त अजय कुमार ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि म्यूटेशन से संबंधित मामलों में किसी प्रकार की पेंडेंसी न रहे। साथ ही स्टैंप एक्ट के तहत चिन्हित डिफिशिएंसी के मामलों में वसूली प्रक्रिया को तेज किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों में स्टैंप शुल्क की कमी निर्धारित की गई है, उनमें प्राथमिकता के आधार पर रिकवरी की जाए तथा आवश्यकता अनुसार संबंधित देनदार की संपत्ति अटैच करने की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। डीसी ने राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों का शीघ्र निपटान मेरिट के आधार पर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन को समय पर न्याय मिलना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, इसलिए अनावश्यक देरी से बचा जाए। मॉडर्न रेवेन्यू रिकॉर्ड रूम की समीक्षा के दौरान डीसी ने स्कैन कर पोर्टल पर अपलोड किए गए रिकॉर्ड की वेरिफिकेशन प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि डेटा की शुद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण के साथ उसकी सटीकता बनाए रखना भी आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, निशानदेही (डिमार्केशन) से जुड़े कार्य रोवर्स प्रणाली के माध्यम से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए, ताकि प्रक्रिया अधिक सटीक, पारदर्शी एवं समयबद्ध हो सके। बैठक में बादशाहपुर के एसडीएम संजीव सिंगला, गुरुग्राम के एसडीएम हितेंद्र कुमार, पटौदी के एसडीएम दिनेश लुहाच, सोहना के एसडीएम अखिलेश यादव, जिला राजस्व अधिकारी विजय यादव सहित सभी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

बायोमेट्रिक सत्यापन की शर्त हटाकर किसानों को राहत दे सरकार : शीला नफे सिंह राठी

एजेंसी

बहादुरगढ़। इंडियन नेशनल लोकदल ने हरियाणा की विभिन्न अनाज मंडियों में गेहूं खरीद की समस्याओं को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी कड़ी में इनेलो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शीला नफे सिंह राठी ने इनेलो नेताओं के साथ बहादुरगढ़ की अनाज मंडी में जोरदार प्रदर्शन किया और किसान कष्ट निवारण केंद्र स्थापित किया। उन्होंने भाजपा सरकार पर पोर्टल की तकनीकी खामियो और बायोमेट्रिक प्रक्रिया लागू करने से किसाना को परेशानियां होने का आरोप भी लगाया। बहादुरगढ़ की अनाज मंडी में इंडियन नेशनल लोकदल की ओर से कष्ट निवारण केंद्र की शुरुआत की गई। साथ ही कार्यकर्ताओं ने अनाज मंडी में एकत्रित होकर सरकार की ओर से लागू किए जा रहे नए नियमों का विरोध किया। कार्यकर्ताओं ने बायोमेट्रिक प्रक्रिया को लेकर कड़ी आपत्ति जताई। इनेलो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शीला नफे सिंह राठी ने कहा कि बीजेपी सरकार ने किसानों पर इतनी कठोर शर्तें थोप दी हैं जो अब किसानों के लिए जी का जंजाल बन गई हैं। पहले तो बीजेपी सरकार ने मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर रजिस्टर करने के लिए किसानों से अनेक प्रकार के कागज लिए। फिर गेट पास के लिए ट्रैक्टर और ट्रॉली पर नंबर और बायोमेट्रिक सत्यापन की शर्त लगाई, जिसमें से कुछ नियमों को इनेलो के दबाव में हटा दिया गया, जबकि बायोमेट्रिक सत्यापन जैसी बेमतलब की शर्त अभी भी किसानों के लिए परेशानियों का सबब बनी हुई है। इनेलो ने किसानों की फसल बेचने में मदद करने के लिए सभी मंडियों में किसान कष्ट निवारण केंद्र खोले जा चुके हैं और किसानों को इससे बहुत लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार अब तक इनेलो द्वारा की गई मांगों, जैसे 24 घंटे मंडियों को खोलने, ट्रैक्टर और ट्रॉली पर नंबर प्लेट हटाना, फसल खरीद केंद्र के लिए लाइसेंस रिन्यू करने और मेरी फसल मेरा ब्योरा के पोर्टल को खोलने की चार मांगों को मान चुकी है जिसका श्रेय चौधरी अभय सिंह चौटाला को जाता है। किसान अपनी फसल को सुचारू रूप से मंडियों में बेच सके उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण मांग है कि बायोमेट्रिक सत्यापन की शर्त को तुरंत हटाए सरकार। अगर घोटाले रोकने हैं तो अधिकारियों और व्यापारियों की मिलीभगत रोकें, लेकिन वो नहीं रोकेंगे ।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 918, निफ्टी 275 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से बाजार में ये तेजी आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 918.60 अंक बढ़कर 77,550.25 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 275.50 अंक उछलकर 1.10 24,050.60 पर बंद हुआ। बाजार में बढ़त ऑटो स्टॉक्स में तेजी से आई है। इस कारण निफ्टी ऑटो में सबसे अधिक 2.85 फीसदी की तेजी रही जबकि निफ्टी रियल्टी में 2.08 फीसदी और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 2.06 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 2.01 फीसदी, निफ्टी की तेजी के साथ बंद हुआ। सूचकांकों में केवल निफ्टी आईटी ही 1.91 फीसदी गिरावट पर बंद हुआ।

आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी उछाल आया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 865.20 अंक बढ़कर 57,843.95 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 274.10 अंक ऊपर आकर 16,840.10 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम, इंडिगो, एसबीआई, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, एचयूएल, पावर ग्रिड, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील, बीईएल और एनटीपीसी के शेयर लाभ में रहे थे जबकि सन फार्मा, इन्फोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयर गिरे हैं।

इससे पहले आज सुबह बाजार की मजबूती के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 77,198 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 577.35 अंक की बढ़त के साथ 77,209 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह निफ्टी 50 भी मजबूती के साथ 23,880 पर खुला। एशियाई बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों ने भी बाजार को सपोर्ट दिया। हालांकि, वैश्विक स्तर पर यूएस-ईरान तनाव अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। इस कारण निवेशक पूरी तरह

बेफिक्र नहीं हैं और सतर्कता के साथ निवेश कर रहे हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 35 पैसे की गिरावट के साथ ही 92.85 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 10 पैसे की तेज होकर 92.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.58 पर खुला। फिर शुरुआती कारोबार में 92.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को तीन पैसे की मामूली बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.51 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 98.69

पर रहा।

इंदौर व्यापार महोत्सव में साबु ट्रेड करेगा न्यूट्रीदाना का प्री-लॉन्च

स्टाल नंबर 7 पर मिलेगा शुद्धता और स्वाद का संगम

इंदौर ।

इंदौर में माहेश्वरी समाज द्वारा आयोजित दो दिवसीय व्यापार महोत्सव में देश की प्रतिष्ठित खाद्य उत्पाद कंपनी साबु ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड, सेलम अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराने जा रही है। 11 और 12 अप्रैल को आयोजित होने वाले इस महोत्सव में कंपनी न केवल अपने लोकप्रिय उत्पादों का प्रदर्शन करेगी, बल्कि अपने आगामी इनोवेटिव उत्पाद सच्चासाबु न्यूट्रीदाना की पहली झलक भी पेश करेगी।

एडीबी ने भारत की विकास दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान लगाया

– घरेलू मांग और आसान वित्तीय परिस्थितियों से वृद्धि मजबूत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। बैंक के अनुसार मजबूत घरेलू मांग और आसान वित्तपोषण परिस्थितियां अर्थव्यवस्था को सहारा देंगी। एशियन डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट में कहा गया है

कि भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका के कम शुल्क और निवेश माहौल में सुधार से भी वृद्धि को समर्थन मिलेगा। वहीं 2027 -28 में जीडीपी ग्रोथ बढ़कर 7.3 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि पश्चिम एशिया में लंबे समय तक संघर्ष जारी रहने से ऊर्जा कीमतों में वृद्धि, व्यापार बाधाएं और रेमिटेंस में कमी के जरिए भारत की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। एडीबी ने अनुमान लगाया है कि मुद्रास्फीति 2025-26 के 2.1 प्रतिशत से बढ़कर 2026-27 में 4.5 प्रतिशत हो सकती है, जिसका कारण तेल कीमतों में वृद्धि, मुद्रा में कमजोरी और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव है।

हालांकि 2027-28 में तेल कीमतों में नरमी से मुद्रास्फीति घटकर लगभग 4 प्रतिशत रहने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार घरेलू सुधार, यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते और सरकारी वेतन वृद्धि भविष्य में आर्थिक विकास को और गति दे सकते हैं।

भारत एकीकृत सामाजिक सुरक्षा ढांचा अपनाए, बढ़ेगी दक्षता और घटेगा लाभों का दोहराव एडीबी

– पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दिव्यांगता लाभों को जोड़ने से बेहतर लक्ष्यीकरण और कम होगा राजकोषीय बोझ

नई दिल्ली ।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने भारत को सलाह दी है कि वह अपनी सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए एकीकृत सामाजिक सुरक्षा ढांचा अपनाए। इससे न केवल योजनाओं में दोहराव कम होगा, बल्कि लाभार्थियों तक सहायता बेहतर तरीके से पहुंच सकेगी और सरकारी खर्च अधिक संतुलित होगा। एडीबी ने अपनी एशिया डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट में भारत की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। बैंक ने कहा है कि भारत को एक एकीकृत सामाजिक सुरक्षा ढांचा अपनाना चाहिए, जिससे विभिन्न योजनाओं के बीच समन्वय बढ़े और संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके। रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारों की कई योजनाएं समान लाभार्थी समूहों को कवर करती हैं, लेकिन इनके बीच समन्वय सीमित है। इसके कारण कई बार एक ही व्यक्ति या परिवार को अलग-अलग योजनाओं से समान प्रकार के लाभ मिल जाते हैं, जिसे ÷लाभों का दोहराव÷ कहा जाता है। एडीबी ने सुझाव दिया कि पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दिव्यांगता कवरेज जैसी प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को एक साझा ढांचे में जोड़ा जाए। इसमें अंशदायी योजनाओं को भी शामिल किया जा सकता है, जिससे लाभ वितरण अधिक व्यवस्थित और लक्षित हो सके। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सामाजिक सुरक्षा की जरूरतें राज्यों की जनसंख्या संरचना, रोजगार पैटर्न और वित्तीय क्षमता के अनुसार अलग-अलग होती हैं।

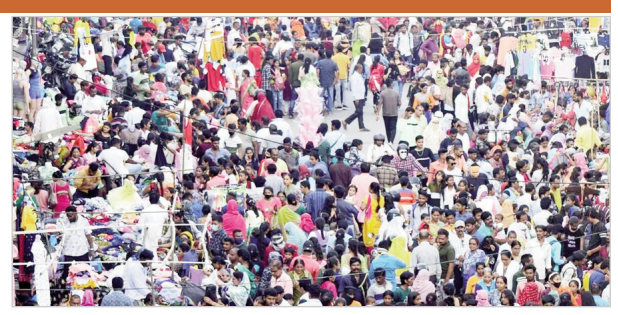

इसलिए एकीकृत ढांचा राज्यों को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार लचीलापन देगा। मनीला स्थित इस बहुपक्षीय संस्था ने यह भी बताया कि इस सुधार से सरकारें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की सुरक्षा भूमिका को बनाए रखते हुए राजकोषीय लागत को नियंत्रित कर सकेंगी। इससे बचने वाले संसाधनों को बुनियादी ढांचे और मानव पूंजी जैसे क्षेत्रों में लगाया जा सकता है, जो दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए जरूरी हैं। एडीबी ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली को और मजबूत करने की भी सिफारिश की है, ताकि सत्यापित लाभार्थियों तक ही सहायता पहुंचे और अनावश्यक दोहराव कम हो। इसके अलावा रिपोर्ट में उपभोग आधारित सब्सिडी से हटकर निवेश आधारित सहायता पर जोर दिया गया है। उदाहरण के लिए, मुफ्त बिजली की जगह घरों में सौर ऊर्जा अपनाने को बढ़ावा देना, जिससे सरकारी खर्च कम होगा और परिवारों की आर्थिक स्थिरता बढ़ेगी।

अमेरिका जाएगा भारतीय प्रतिनिधिमंडल, व्यापार समझौते की संभावना

अंतरिम ट्रेड डील को अंतिम रूप देने की तैयारी, 500 अरब डॉलर व्यापार लक्ष्य पर फोकस

नई दिल्ली ।

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए इस महीने के अंत में भारतीय प्रतिनिधिमंडल वाशिंगटन का दौरा करेगा। दोनों देशों के बीच व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में यह अहम कदम माना जा रहा है। भारत और अमेरिका ने फरवरी में एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे की घोषणा की थी, जिसका उद्देश्य आपसी व्यापार बढ़ाना, बाजार पहुंच को आसान बनाना और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना है। अब इस समझौते को आगे बढ़ाने के लिए दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय वार्ता की तैयारी है। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर इस समय अमेरिका की यात्रा पर हैं। उन्होंने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह इस महीने के अंत में वाशिंगटन पहुंचने वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने और प्रस्तावित व्यापार समझौते पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हैं। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब एक दिन पहले ही विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने वाशिंगटन में 'भारत-अमेरिका व्यापार सुविधा पोर्टल' की शुरुआत की। दोनों देश आपसी व्यापार को 500 अरब डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इससे पहले गोर ने अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा से भी मुलाकात की थी। क्वात्रा ने कहा था कि दोनों पक्ष अपने नेताओं द्वारा तय किए गए रणनीतिक संबंधों के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं।

व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से चर्चा के लिए दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच आमने-सामने की यह पहली बैठक होगी। यह बैठक पहले ही होनी थी, लेकिन दो महीने पहले अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद टैरिफ पर अनिश्चितता की स्थिति बन गई, जिस कारण भारतीय प्रतिनिधिमंडल की वाशिंगटन यात्रा टल गई थी।

आरबी आई डिजिटल भुगतान में सुरक्षा बढ़ाने नए नियम लागू करेगी

– बड़े लेनदेन में देरी से क्रेडिट, डिजिटल भुगतान को बंद करने का विकल्प

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डिजिटल भुगतान प्रणाली में बढ़ती धोखाधड़ी को रोकने के लिए कई नए और सख्त सुरक्षा उपायों का प्रस्ताव रखा है। इनमें बड़े लेनदेन में देरी से क्रेडिट, डिजिटल भुगतान को बंद करने का विकल्प और कमजोर वर्गों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा शामिल है। केंद्रीय बैंक ने इस पर सुझाव और प्रतिक्रिया 8 मई तक मांगी है।` रिजर्व बैंक आफ इं डिया ने डिजिटल भुगतान प्रणाली में तेजी से बढ़ रही धोखाधड़ी पर चिंता जताते हुए एक चर्चा पत्र जारी किया है। इसमें ग्राहकों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव शामिल किए गए हैं। सबसे प्रमुख प्रस्ताव के अनुसार, 10,000 रुपये से अधिक के पुश पेमेंट लेनदेन पर राशि को तुरंत खाते में जमा करने के बजाय लगभग एक घंटे की देरी से क्रेडिट किया जाएगा। इस दौरान ग्राहक के पास ट्रांजैक्शन रद्द करने का विकल्प रहेगा। इससे फर्जी लेनदेन पर रोक लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा आरबीआई ने ÷किल स्विच÷ प्रणाली का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत ग्राहक अपने सभी डिजिटल भुगतान विकल्पों को एक क्लिक में बंद कर सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर उचित प्रमाणीकरण के बाद ही इन्हें दोबारा चालू किया जा सकेगा। बैंक ने खाताधारकों को यह सुविधा देने का भी सुझाव दिया है कि वे अपने खाते में विभिन्न प्रकार के डिजिटल लेनदेन की सीमाएं तय कर सकें। साथ ही, संदिग्ध गतिविधियों को रोकने के लिए कुछ खातों में क्रेडिट सीमा लगाने का भी प्रस्ताव है, ताकि म्यूल अकाउंट जैसी धोखाधड़ी पर रोक लग सके। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों तथा दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा का भी प्रावधान सुझाया गया है। इनके बड़े डिजिटल लेनदेन के लिए किसी भरोसेमंद व्यक्ति द्वारा अतिरिक्त

अनुमति की आवश्यकता हो सकती है। आरबीआई ने यह भी बताया कि डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, 2025 में लगभग 28 लाख मामले दर्ज हुए, जिनमें हजारों करोड़ रुपये की धोखाधड़ी शामिल है।

आपूर्ति संकट और मध्य पूर्व तनाव से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी

– होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा और अमेरिका-ईरान तनाव से ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई में बढ़त

मुंबई ।

वैश्विक कच्चे तेल बाजार में शुक्रवार को फिर तेजी देखने को मिली, जब भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति बाधाओं की आशंकाओं ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। अमेरिका-ईरान सीजफायर को लेकर अनिश्चितता, मध्य पूर्व में सैन्य तनाव और प्रमुख समुद्री मार्गों पर जोखिम के कारण तेल की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया। ब्रेंट क्रूड 1.13 प्रतिशत बढ़कर 97.01 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.39 प्रतिशत चढ़कर 99.24 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड करता नजर आया। भारत के मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर भी असर दिखा, जहां 20 अप्रैल डिलीवरी वाला क्रूड ऑयल फ्यूचर्स करीब 2.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 9,150 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार में यह तेजी ऐसे समय आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर को लेकर स्पष्टता नहीं है। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के साथ-साथ सऊदी अरब के ऊर्जा ढांचे पर हमलों की आशंका और सप्लाई चेन बाधित होने के डर ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। सबसे बड़ा जोखिम स्ट्रेट आफ होर्मुज में देखा जा रहा है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। रिपोर्टों के अनुसार, इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से शिपिंग गतिविधियां सामान्य स्तर से काफी कम हो गई हैं, जिससे वैश्विक सप्लाई पर दबाव बना है। मध्य पूर्व में इज़रायल और लेबनान के बीच जारी तनाव ने भी स्थिति को और जटिल बना दिया है। वहीं, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि यदि सीजफायर की शर्तों का पालन नहीं हुआ तो सैन्य कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, हालांकि उन्होंने इसे कम संभावना वाला

बताया है। विश्लेषकों के अनुसार कुछ दिन पहले तेल कीमतों में करीब 20 प्रतिशत की गिरावट आई थी, लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों ने बाजार को फिर अस्थिर कर दिया है। ऐ शियन डेवलपमेंट बैंक ने भी कहा है कि जब तक तनाव कम नहीं होता, तब तक तेल की कीमतें ऊंची बनी रह सकती हैं, हालांकि दीर्घकाल में स्थिरता की उम्मीद की जा सकती है।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में मार्च में निवेश 56 फीसदी बढ़कर 40,450 करोड़

- गोल्ड ईटीएफ में निवेश घटकर 2,266 करोड़ रुपये रह गया

नई दिल्ली ।

मार्च महीने में बाजार में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा शेयर आधारित म्यूचुअल फंडों में बना रहा। इक्विटी योजनाओं में शुद्ध निवेश में तेज वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि डेट फंडों से भारी निकासी ने कुल उद्योग आंकड़ों को प्रभावित किया। मार्च महीने में भारतीय शेयर आधारित म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेशकों का भरोसा मजबूत बना रहा, जिससे शुद्ध निवेश 56 प्रतिशत बढ़कर 40,450 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। फरवरी में यह आंकड़ा 25,978 करोड़ रुपये था। बाजार में उतार-चढ़ाव और वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद इक्विटी योजनाओं में लगातार निवेश बढ़ा, जिसका मुख्य कारण फ्लेक्सी कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों में भारी प्रवाह रहा। फ्लेक्सी कैप फंड में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश दर्ज किया गया, जबकि स्मॉल कैप में 6,263 करोड़ रुपये और मिड कैप में 6,063 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। व्यवस्थित निवेश योजना यानी एसआईपी के माध्यम से भी निवेश बढ़कर 32,087 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले महीने से अधिक है। हालांकि ईएलएसएस श्रेणी में मामूली निकासी देखी गई। वहीं गोल्ड ईटीएफ में निवेश घटकर 2,266 करोड़ रुपये रह गया। दूसरी ओर डेट फंडों से भारी निकासी के कारण पूरे उद्योग में कुल 2.4 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी दर्ज हुई, जिससे एयूएम घटकर 73.73 लाख करोड़ रुपये रह गया। यह प्रवृत्ति निवेश धारणा में बदलाव को दर्शाती है।

रियल एस्टेट दिवाला मामलों में परियोजना पूर्णता को प्राथमिकता देने की सिफारिश

- आईबीबीआई की विशेष समिति ने 155 सुझाव दिए, घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा पर जोर

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट क्षेत्र के दिवाला मामलों के समाधान में अब वित्तीय वसूली की बजाय अटकी परियोजनाओं को पूरा करने पर अधिक ध्यान देने का सुझाव दिया गया है। रियल एस्टेट से जुड़े दिवाला मामलों में घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा के लिए परियोजना-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की सिफारिश की गई है। भारतीय दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) द्वारा गठित एक विशेष समिति ने सुझाव दिया है कि ऐसे मामलों में पूरी कंपनी को दिवालिया घोषित करने के बजाय केवल अटकी हुई परियोजनाओं के समाधान पर ध्यान दिया जाए। समिति का मानना है कि इस क्षेत्र में खरीदारों की प्राथमिकता पैसा वापस पाने के बजाय अपने घर का निर्माण पूरा होना और कब्जा प्राप्त करना होती है। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर गठित इस समिति में कॉरपोरेट मामलों और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालयों के प्रतिनिधि शामिल थे। समिति ने 55 प्रमुख मुद्दों की समीक्षा कर 155 सिफारिशें की हैं। इसमें आईबीसी और रेरा के बीच बेहतर समन्वय पर भी जोर दिया गया है ताकि परियोजनाएं समय पर पूरी हों और खरीदारों का भरोसा मजबूत हो सके।

गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग रिकॉर्ड स्तर पर

- कंपनी की बिक्री 16 प्र तिशत बढी, 34,171 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रापर्टीज` लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत आवासीय मांग के दम पर अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी की बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 34,171 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि इस दौरान उसने 32,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा था, जिसे उसने आसानी से पार कर लिया। इस अवधि में कुल 17,515 आवासीय इकाइयों की बिक्री हुई, जिनका संयुक्त क्षेत्रफल लगभग 2.7 करोड़ वर्ग फुट रहा। मात्रा के आधार पर बिक्री में भी सालाना 5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी का यह अब तक का सबसे बड़ा वार्षिक बुकिंग मूल्य और वॉल्यूम बताया जा रहा है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार यह प्रदर्शन भारत के प्रमुख महानगरों में मजबूत आवासीय मांग को दर्शाता है। कंपनी का फोकस भविष्य में भी परियोजनाओं के विस्तार और निवेश पर रहेगा।

रुपया 10 पैसे की बढ़त के साथ 92.41 प्रति डॉलर पर

- रुपया गुरुवार को डॉलर के मुकाबले 92.51 पर बंद हुआ था

मुंबई।

रुपया शुक्रवार को 10 पैसे मजबूत होकर 92.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये में कारोबार के दौरान भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है क्योंकि बैंकों को अपने ओवरनाइट पोजीशन को 10 करोड़ डॉलर तक सीमित करने के लिए केंद्रीय बैंक के निर्देशों की समय सीमा आज समाप्त हो रही है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.58 पर खुला। फिर शुरुआती कारोबार में 92.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को तीन पैसे की मामूली बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.51 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.69 पर रहा।

राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों के विधानसभा चुनाव 2026

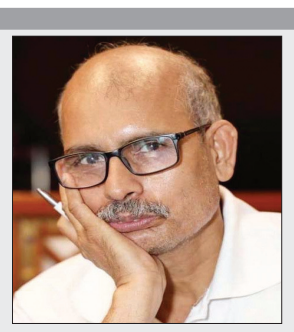

विनोद कुमार सिंह

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों ने इस लोकतांत्रिक उत्सव को और अधिक अर्थपूर्ण बना दिया है। असम में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान, केरल में लगभग 78 प्रतिशत और पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास रिकॉर्ड मतदान यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारत का मतदाता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय और निर्णायक भागीदार बन चुका है। यह आंकड़े केवल प्रतिशत नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास,उसकी प्रतिबद्धता और उसकी आकांक्षाओं का जीवंत प्रमाण हैं।

प्रथम चरण का मतदान मेंजनमत की गूंज,लोकतंत्र का आत्मविश्वास और बदलते राजनीतिक संकेत...

हमारा लोकतंत्र केवल एक संवैधानिक व्यवस्था नहीं,बल्कि जनचेतना की वह जीवंत धारा है , जो समय-समय पर अपने स्वरूप, अपने तेवर और अपनी दिशा को स्वयं निर्धारित करती है।वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों का प्रथम चरण - असम,केरल और केन्द्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में सम्पन्न मतदान - इसी लोकतांत्रिक चेतना का प्रखर और व्यापक प्रतिबिंब बनकर सामने आया है।यह चरण केवल मतपेटियों तक सीमित एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि जनमत की वह गूंज है जिसमें सामाजिक परिवर्तन की आहट, राजनीतिक पुनसंर्तुलन की छाया और भविष्य की राजनीति की स्पष्ट रूपरेखा सुनाई देती है।

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों ने इस लोकतांत्रिक उत्सव को और अधिक अर्थपूर्ण बना दिया है। असम में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान, केरल में लगभग 78 प्रतिशत और पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास रिकॉर्ड मतदान यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारत का मतदाता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय और निर्णायक भागीदार बन चुका है। यह आंकड़े केवल प्रतिशत नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास,उसकी प्रतिबद्धता और उसकी आकांक्षाओं का जीवंत प्रमाण हैं।

असम में उच्च मतदान यह संकेत देता है कि वहां चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनसरोकारों की अभिव्यक्ति का मंच बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक जिस प्रकार मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, वह इस बात का द्योतक है कि मतदाता अब अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और सचेत है।यह उत्साह जहां एक ओर सत्तारूढ़ दल के लिए चुनौती का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर यह भी दशार्ता है कि यदि सरकार ने अपने कार्यों से जनविश्वास अर्जित किया है,तो उसे पुनः अवसर भी मिल सकता है।

केरल का मतदान प्रतिशत अपनी प्रकृति में भले ही संतुलित प्रतीत होता हो, लेकिन उसकी गहराई में एक परिपक्व लोकतांत्रिक चेतना का प्रवाह दिखाई देता है।यहाँ का मतदाता परंपरागत रूप से विचारधारा आधारित मतदान करता है और यही कारण है कि मतदान का प्रतिशत स्थिर रहते हुए भी अत्यंत महत्वपूर्ण संकेत देता है। लगभग 78 प्रतिशत मतदान यह बताता है कि केरल में लोकतंत्र केवल एक प्रक्रिया नहीं,बल्कि एक वैचारिक अभ्यास है,जिसमें हर मतदाता अपने निर्णय को एक जिम्मेदारी के रूप में देखता है।

पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास मतदान ने यह

सिद्ध कर दिया है कि लोकतंत्र का उत्साह क्षेत्रफल या जनसंख्या पर निर्भर नहीं करता,बल्कि जनभागीदारी की भावना पर आधारित होता है। छोटे से केन्द्र शासित प्रदेश में इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का मतदान करना यह दशार्ता है कि लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी और मजबूत हैं। यह मतदान न केवल राजनीतिक दलों के लिए संदेश है, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा भी है कि लोकतंत्र की असली शक्ति जनता की सक्रिय भागीदारी में निहित है।

इस प्रथम चरण का एक और महत्वपूर्ण पक्ष मतदाता संरचना में हो रहा परिवर्तन है।लगभग 5.3 करोड़ से अधिक मतदाताओं की भागीदारी यह दशार्ती है कि लोकतंत्र अब केवल संख्याओं का खेल नहीं, वरन विविधता और समावेश का उत्सव बन चुका है। महिला मतदाताओं की बढ़ती संख्या और उनकी सक्रिय भागीदारी इस परिवर्तन का सबसे सशक्त संकेत है।केरल और पुडुचेरी जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की संख्या पुरुषों के बराबर या उससे अधिक होना केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं,बल्कि एक सामाजिक क्रांति का संकेत है।

महिलाएं अब केवल मतदान करने वाली इकाई नहीं,बल्कि नीति निर्धारण को प्रभावित करने वाली शक्ति बन चुकी हैं।उनके मुद्दे अब चुनावी विमर्श के केंद्र में हैं - चाहे वह महंगाई हो, स्वास्थ्य सेवाएं हों, शिक्षा हो या सुरक्षा।राजनीतिक दलों ने भी इस परिवर्तन को स्वीकार करते हुए अपनी रणनीतियों में बदलाव किया है और महिला मतदाताओं को ध्यान में रखकर योजनाएं और घोषणाएं प्रस्तुत की हैं।यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में महिला मतदाता भारतीय राजनीति की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगी। युवा मतदाताओं की भागीदारी इस चुनाव की आत्मा है।लाखों नए मतदाताओं का पहली बार मतदान करना यह दशार्ता है कि भारत का भविष्य अब मतदान केंद्रों तक पहुंच चुका है। यह युवा वर्ग पारंपरिक राजनीति से अलग सोच रखता है।उसके लिए जातीय या धार्मिक समीकरणों की अपेक्षा रोजगार, शिक्षा, डिजिटल अवसर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा अधिक महत्वपूर्ण हैं।वह केवल वादों से प्रभावित नहीं होता,बल्कि परिणाम चाहता है,पारदर्शिता चाहता है और अवसर चाहता है। यही कारण है कि आज की राजनीति में युवाओं की भूमिका केवल सहायक नहीं, बल्कि निर्णायक बन चुकी है।

पुरुष मतदाताओं की भूमिका अब भी महत्वपूर्ण है,लेकिन महिला और युवा मतदाताओं के उभार ने चुनावी समीकरणों को अधिक संतुलित और प्रतिस्पर्धी बना दिया है।यह परिवर्तन लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है,क्योंकि इससे चुनाव अधिक निष्पक्ष और परिणाम अधिक प्रतिनिधिक बनते हैं।

अगर हम वर्त्तमान राजनीतिक परिदृश्य की बात करें तो असम, केरल और पुडुचेरी तीनों ही क्षेत्रों में अलग-अलग प्रकार के चुनावी समीकरण देखने को मिल रहे हैं। असम में जहां भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन और कांग्रेस गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला है,वहीं केरल में पारंपरिक एल डी एफ (छऊझ) और यु डी एफ (वऊझ.)के बीच वैचारिक संघर्ष जारी है। पुडुचेरी में त्रिकोणीय मुकाबला चुनाव को और अधिक जटिल और रोचक बना रहा है।

असम में उच्च मतदान यह संकेत देता है कि चुनाव अत्यंत प्रतिस्पर्धी है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि सत्तारूढ़ गठबंधन अपने लाभार्थी वर्ग और महिला मतदाताओं का समर्थन बनाए रखने में सफल रहता है,तो उसे बढ़त मिल सकती है ,लेकिन उच्च मतदान अक्सर सत्ता विरोधी भावना का भी संकेत होता है, जिससे चुनाव परिणाम अनिश्चित हो जाता है।

केरल में स्थिति और भी जटिल है, क्योंकि वहां का मतदाता अत्यंत जागरूक और वैचारिक है।यहाँ चुनाव परिणाम बहुत ही सूक्ष्म अंतर से तय होते हैं और यही कारण है कि दोनों प्रमुख गठबंधन पूरी ताकत से मैदान में हैं।पुडुचेरी में रिकॉर्ड मतदान यह संकेत देता है कि मतदाता परिवर्तन चाहता है या स्पष्ट जनादेश देना चाहता है, लेकिन त्रिकोणीय मुकाबले के कारण यहां हंग असेंबली की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

मतदान प्रतिशत के भीतर छिपे राजनीतिक संकेतों को यदि समझा जाए कि उच्च मतदान केवल संख्या नहीं,बल्कि एक संदेश है।यह संदेश कभी बदलाव का होता है, कभी समर्थन का और कभी संतुलन का।महिला मतदाताओं की सक्रियता यह दशार्ती है कि कल्याणकारी योजनाएं और सामाजिक सुरक्षा अब राजनीति के केंद्र में हैं।युवा मतदाताओं की भागीदारी यह बताती है कि भविष्य की राजनीति विकास और अवसरों के इर्द-गिर्द घूमेगी।

प्रथम चरण का यह मतदान यह भी स्पष्ट करता है कि भारतीय लोकतंत्र अब एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है।यह दौर परंपरागत समीकरणों से आगे बढ़कर विकास,पारदर्शिता और जवाबदेही पर आधारित है। मतदाता अब केवल भावनाओं के आधार पर नहीं,वरन अपने अनुभव और अपेक्षाओं के आधार पर निर्णय लेता है।

संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि 2026 के विधानसभा चुनावों का प्रथम चरण केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं,बल्कि भारत के लोकतांत्रिक आत्मविश्वास का सशक्त प्रमाण है।यह वह क्षण है जब राज्य का हर नागरिक यह महसूस करता है कि उसकी आवाज महत्वपूर्ण है,उसका वोट मूल्यवान है और उसका निर्णय देश के भविष्य को दिशा देने में सक्षम है।

यह केवल मतदान नहीं,बल्कि जनविश्वास का उत्सव है। यह केवल मतदान केआंकड़े नहीं,बल्कि जनभावनाओं की अभिव्यक्ति है। मतदाताओं की यही अभिव्यक्ति भारत के लोकतंत्र को न केवल जीवित रखती है,बल्कि उसे निरंतर सशक्त और समृद्ध भी बनाती है।

(स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार)

संपादकीय

घातक किशोर अपराध

बदलते वक्त के साथ समाज में बढ़ते आक्रामक व्यवहार के चलते अपराधों का ग्राफ भी तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन किशोरों की अपराधों में संलिप्तता बढ़ना गंभीर चिंता का विषय है। हाल के दिनों में देश में किशोर अपराधों से जुड़ी अनेक ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने देश को गहरी चिंता में डाला है। जो बाल अपराधों के सामाजिक कारणों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत पर बल देता है। निस्संदेह, यह विचारणीय प्रश्न है कि छोटे-छोटे विवादों के बीच किशोर हिंसक क्यों हो रहे हैं। जिसकी परिणति अकसर क्रूर हत्या के रूप में सामने आती है। पिछले दिनों दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में सिर्फ चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की निर्मम हत्या डराने वाली है। वहीं किशोरों में कानून का भय न होना गंभीर मसला है। बताया जाता है कि इस युवक की हत्या में तीन नाबालिग संलिप्त थे। इस घटना में तीन किशोर एक युवक पर लगातार चाकू मारते रहे। हिंसक प्रवृत्ति की पराकाष्ठा देखिए कि इनका चौथा साथी बाकायदा मोबाइल पर घटना का वीडियो बनाता रहा। निस्संदेह, यह घटना किसी भी सभ्य समाज में सिहरन पैदा करने वाली है कि किशोर में यह आपराधिक दुस्साहस कहां से आ रहा है। जाहिर बात है कि इन किशोरों में पुलिस-प्रशासन का कोई भय नहीं था, तभी वे सरेआम चाकूबाजी करते रहे। देश की राष्ट्रीय राजधानी जहां के बारे में अकसर कहा जाता है कि पुलिस प्रशासन कानून व्यवस्था बनाने में अग्रणी रहता है, वहां यह घटना सामने आयी। सवाल उठाया जा सकता है कि देश के दूर-दराज के इलाकों में यह स्थिति कितनी गंभीर हो सकती है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि किशोरों की आपराधिक घटनाओं में तेजी से बढ़ती भूमिका की असली वजह क्या है? उल्लेखनीय है कि दयालपुर की घटना से पहले भी कई गंभीर अपराधों में किशोरों की संलिप्तता की घटनाएं गाहे-बगाहे सामने आती रही हैं। लेकिन किशोर अपराध से जुड़े कानून उन्हें जल्दी रिहा करा देते हैं। दरअसल, देश में अकसर किशोरों के गंभीर अपराधों में लिप्त होने के चलते उनकी वयस्क होने की उम्र घटाने की मांग होती है। इसकी वजह यह है कि किशोर गंभीर अपराधों में संलिप्तता के बावजूद किशोर अपराध से जुड़े कानूनों के लचीलेपन के चलते जेल से जल्दी रिहा हो जाते हैं। जेल से बाहर आने के बाद फिर दूसरे गंभीर अपराधों में लिप्त हो जाते हैं।

चिंतन-मनन

सर्वव्यापी है आत्मा

केवल वह जो क्षणिक है, छोटा या नर है, उसे ही सुरक्षा की आवश्यकता है; जो स्थायी है, बड़ा या विशाल है, उसे सुरक्षा की जरूरत नहीं। सुरक्षा का अर्थ है समय विशेष को लंबा कर देना; इसीलिए सुरक्षा परिवर्तन में बाधक भी होती है। पूर्ण सुरक्षा की स्थिति में रूपांतरण नहीं हो सकता। सुरक्षा के बिना इच्छित रूपांतरण नहीं हो सकता। एक बीज को पौधे में परिवर्तित होने के लिए सुरक्षा चाहिए; एक पौधे के वृक्ष बनने के लिए सुरक्षा चाहिए। अत्यधिक सुरक्षा रूपांतरण में या तो सहायक हो सकती है या बाधक, इसीलिए रक्षक को यह समझ होनी चाहिए कि किस मात्रा तक उसे रक्षा करनी है। सुरक्षा और रूपांतरण- दोनों काल और समय के अनुसार होते हैं और समय से परे होने के लिए इन नियमों का सम्मान आवश्यक है। सुरक्षा एक विशेष समय और नर चीजों तक ही सीमित है। चिकित्सक कब तक किसी को स्वस्थ रख सकता है या बचा सकता है? सदा के लिए? नहीं। सत्य को किसी सुरक्षा की आवश्यकता नहीं। शांति और खुशी को सुरक्षा की आवश्यकता नहीं, क्योंकि वे क्षणिक नहीं। तुम्हारे शरीर को सुरक्षा की आवश्यकता है, तुम्हारी आत्मा को नहीं; तुम्हारे मन को सुरक्षा की जरूरत है, स्वरूप को नहीं। आत्मा केवल मन और शरीर का समिश्रण नहीं है। आत्मा न मन है, न शरीर। शरीर के अस्तित्व का एकमात्र उद्देश्य है तुम्हें सचेत करना कि तुम कितने सुंदर हो; और तुमको जागरूक करना कि तुम जिन आदर्शों का सम्मान करते हो, उन सभी को तुम अपने जीवन में ढालकर, अपने चारों ओर एक दिव्य-जगत की सृष्टि करो। जो योगासन तुम करते हो, वह शरीर के लिए और जो ध्यान करते हो, वह मन के लिए है। शांत हो या विचलित; मन, मन ही रहता है। रोगी हो या निरोगी; शरीर, शरीर ही रहता है। आत्मा सर्वव्यापी है। शरीर के किसी अंग को उत्तेजित करने से मजा आता है, सुख का आभास होता है। जब आत्मा का उद्दीपन होता है, प्रेम जागृत होता है। प्रेम अनंत है, परंतु सुख सीमित है। प्रायः व्यक्ति समझते हैं कि सुख ही प्रेम है। सुख और प्रेम के फर्क को केवल भाग्यशाली ही समझ सकता है।

सत्यशोधक ज्योतिबा फुले: जिनके विचारों ने बदली समाज की दिशा

दिलीप कुमार पाठक

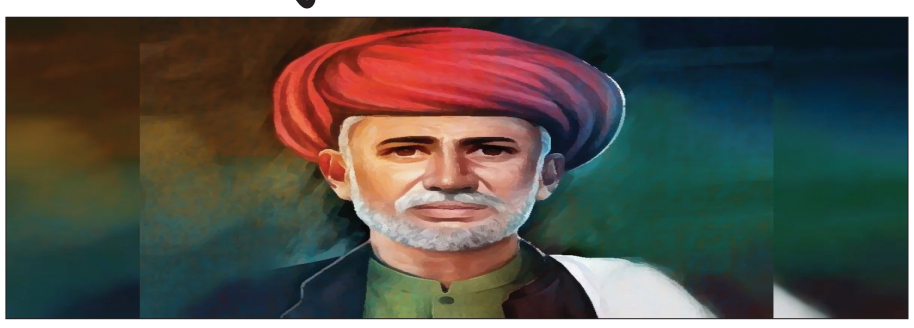

इतिहास अक्सर उन लोगों को भूल जाता है जो किसी भव्य इमारत की नींव में ईंट बनकर समा जाते हैं। लेकिन जब-जब आधुनिक भारत में न्याय और बराबरी की बात होगी, ज्योतिबा फुले का नाम सबसे ऊपर लिया जाएगा। फुले कोई पारंपरिक नेता नहीं थे, वे एक ऐसे दूरद्रष्टा शिक्षक थे जिन्होंने ब्लैकबोर्ड पर अक्षर लिखने से पहले समाज की कड़वी सच्चाइयों और गरीबों के आंसू पढ़ना सीखा था। आज हम जिस आधुनिक भारत में सांस ले रहे हैं, जहाँ महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं और समाज का हर वर्ग तरक्की के सपने देख रहा है, उसकी पहली मजबूत ईंट 19वीं सदी में ज्योतिबा फुले ने ही रखी थी।वह एक ऐसा दौर था जब शिक्षा पर कुछ खास लोगों का एकाधिकार था और समाज की एक बहुत बड़ी आबादी अज्ञानता के घने अंधेरे में कैद थी। ज्योतिबा ने बहुत कम उम्र में ही यह समझ लिया था कि किसी को गुलाम बनाने के लिए लोहे की जंजीरें जरूरी नहीं होतीं, बल्कि उसे अशिक्षा के पिंजरे में कैद रखना ही काफी होता है। उन्होंने बड़ी बेबाकी से समाज को आईना दिखाते हुए कहा था- शिक्षा के बिना इंसान की बुद्धि मर जाती है और बुद्धि के बिना उसका विकास और नैतिकता हमेशा के लिए रुक जाती है।

ज्योतिबा फुले के जीवन का सबसे साहसी अध्याय उनकी जीवनसंगिनी सावित्रीबाई फुले के साथ जुड़ा है। उन्होंने किसी बड़े मंच से केवल भाषण देने के बजाय, बदलाव की शुरूआत अपने घर से की। उस कट्टर समाज की कल्पना कीजिए, जहाँ औरतों का पढ़ना एक महापाप माना जाता था, वहाँ ज्योतिबा अपनी पत्नी के हाथ में कलम और किताब थमा रहे थे। जब सावित्रीबाई स्कूल पढ़ाने निकलती थीं और उन पर गोबर और कीचड़ फेंका जाता था, तो ज्योतिबा एक चट्टान की तरह उनके पीछे खड़े रहते थे। यह उन दोनों का अटूट साहस और जिद ही थी, जिसने 1848 में पुणे के भिड़ेवाड़ा में लड़कियों के लिए भारत के पहले स्कूल का रास्ता खोला और सदियों पुराने बंद दरवाजे हमेशा के लिए तोड़ दिए। फुले के सुधार केवल स्कूलों की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहे।

उनकी पैनी नजर समाज की हर उस बुराई पर थी जो एक इंसान को दूसरे इंसान से छोटा समझती थी। उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना की, जिसका एकमात्र उद्देश्य लोगों को अंधविश्वासों के मानसिक चंगुल से बाहर निकालना था। वे केवल बातों के धनी नहीं थे, बल्कि उन्होंने अपने सिद्धांतों को जीकर दिखाया। जब अछूतों के लिए पानी पीना भी अपराध माना जाता था, तब उन्होंने अपने खुद के घर का पानी का टैंक उनके लिए खोल दिया। यह उस समय के कट्टरपंथी समाज के मुंह पर एक बहुत बड़ा तमाचा था। वे जानते थे कि जब तक एक आम इंसान अपनी नजरों में खुद को गौरवशाली नहीं समझेगा, तब तक वह समाज में अपना हक कभी नहीं मांग पाएगा। अक्सर हम फुले को इतिहास की एक पुरानी तस्वीर मानकर दीवार पर टांग देते हैं, लेकिन उनके विचार आज के आधुनिक युग में भी उतने ही अनिवार्य हैं। आज हमारे पास बड़ी-बड़ी डिग्रियां तो हैं, लेकिन क्या हमारे भीतर वह सामाजिक चेतना है जो फुले पैदा करना चाहते थे? उन्होंने स्पष्ट कहा था कि शिक्षा का असली मकसद केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि खुद को स्वतंत्र बनाना और समाज के प्रति संवेदनशील होना है।

आज जब हम समाज में बढ़ती नफरत और भेदभाव की नई दीवारें देखते हैं, तो फुले की गुलामगिरी जैसी कालजयी रचनाएं हमें याद दिलाती हैं कि असली मानसिक आजादी पाना अभी भी एक लंबा संघर्ष है। महात्मा फुले ने कभी अपने व्यक्तिगत सुख या आराम की चिंता नहीं की। अपनी प्रतिभा और पढ़ाई के दम पर वे चाहते तो एक बहुत ही समृद्ध जीवन जी सकते थे, लेकिन उन्होंने उन लोगों के लिए कांटों भरा रास्ता चुना जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े थे। यही कारण है कि जनता ने उन्हें अपने दिल से महात्मा की उपाधि दी थी। उनकी लड़ाई किसी विशेष धर्म या जाति के खिलाफ नहीं थी, बल्कि उनकी जंग उस अमानवीय व्यवस्था के विरुद्ध थी जो इंसान और इंसान के बीच ऊंच-नीच की दीवार खड़ी करती थी। वे किसानों के दुख-दर्द को भी उतनी ही शिद्दत से समझते थे और उनके शोषण के खिलाफ हमेशा ढाल बनकर खड़े रहे।

11 अप्रैल का यह दिन हमें रुककर यह आत्मचिंतन करने का मौका देता है कि हम फुले के सपनों के भारत के कितने करीब पहुँचे हैं। क्या आज हर गांव के बच्चे के हाथ में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है? क्या आज भी हमारी महिलाएं समाज में पूरी तरह सुरक्षित और स्वतंत्र महसूस करती हैं? महात्मा फुले ने जो मशाल डेढ़ सौ साल पहले जलाई थी, उसे बुझने न देना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आइए, आज हम फुले के उन सिद्धांतों को याद करें जो कहते हैं कि ज्ञान ही वह एकमात्र प्रकाश है जो हमें अंधकार से बाहर निकालकर सम्मान का जीवन दिला सकता है। उनका संघर्ष हमें भरोसा दिलाता है कि अगर हमारे इरादे नेक हों, तो एक अकेला व्यक्ति भी वक्त की धारा को मोड़ने का दम रखता है।

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस: हर माँ की सुरक्षा का संकल्प

सुनील कुमार महला

11 अप्रैल को भारत में राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षित प्रसव और मातृ सुरक्षा के प्रति व्यापक जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर देशभर में सरकारी और निजी संस्थानों द्वारा स्वास्थ्य शिविर, निःशुल्क जांच, परामर्श और जागरूकता अभियान आयोजित किए जाते हैं। इस दिवस का मुख्य लक्ष्य मातृ मृत्यु दर में कमी लाना, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना, गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल, संतुलित पोषण तथा गर्भावस्था के दौरान होने वाले खतरनाक संकेतों के बारे में शिक्षित करना है। साथ ही, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना और हर महिला को सुरक्षित व सम्मानजनक प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। भारत सरकार ने 11 अप्रैल 2003 को 'व्हाइट रिबन एलायंस इंडिया' के अनुरोध पर इस दिवस की शुरूआत की थी, जिसके लिए 1800 से अधिक स्वयंसेवी संस्थाओं ने मिलकर अभियान चलाया था। इस दिवस का प्रतीक सफेद रिबन है, जो उन माताओं के प्रति शोक व्यक्त करता है जिनकी मृत्यु गर्भावस्था या प्रसव के दौरान हुई, और साथ ही आशा, पवित्रता तथा इस संदेश का प्रतीक है कि गर्भावस्था कोई बीमारी नहीं है और किसी भी महिला को जीवन देते समय अपनी जान नहीं गंवानी चाहिए।

भारत दुनिया का पहला देश है जिसने सुरक्षित मातृत्व के लिए एक समर्पित राष्ट्रीय दिवस घोषित किया, जबकि अन्य देश और वैश्विक संगठन सामान्यतः 28 मई को 'इंटरनेशनल डे ऑफ एक्शन फॉर वीमेन हेल्थ' मनाते हैं। यह दिवस कस्तूरबा गांधी की जयंती पर मनाया जाता है, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुरक्षित प्रसव के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। साबरमती आश्रम में उन्होंने महिलाओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और उस समय, जब स्वास्थ्य सुविधाएं अत्यंत सीमित थीं, वे स्वयं एक कुशल प्रसव सहायिका के रूप में कार्य करती थीं तथा ग्रामीण महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए शिक्षित करती थीं। इस प्रकार यह दिवस उनके मौन लेकिन महत्वपूर्ण योगदान को स्मरण करने का अवसर भी है।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' के अंतर्गत प्रत्येक माह की 9 तारीख को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क विशेषज्ञ जांच की सुविधा प्रदान की जाती है। 'जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत गर्भवती महिलाओं को मुफ्त प्रसव, भोजन और जांच की सुविधा मिलती है। इसके अतिरिक्त, 'नर्स प्रैक्टिशनर इन मिडवाइफरी' के माध्यम से पारंपरिक दाइयों के अनुभव को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान से जोड़कर ह्यमिडवाइफरी लेड केयर यूनिट्सह्ल विकसित किए जा रहे हैं, जिससे प्रसव प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित, सहज और कम तनावपूर्ण बनाया जा सके।

वास्तव में, यह काबिले-तारीफ है कि पिछले एक दशक में भारत ने मातृ मृत्यु दर में लगभग 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी दर्ज की है और आज लगभग 90 प्रतिशत प्रसव अस्पतालों में (संस्थागत प्रसव) हो रहे हैं, जबकि 2003 में यह संख्या काफी कम थी। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार भारत का मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) घटकर 88 प्रति लाख जीवित जन्म हो गया है, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के निर्धारित लक्ष्य (100 से कम) से बेहतर है। यदि वैश्विक स्तर पर तुलना करें तो 1990 के बाद से भारत ने अपनी मातृ मृत्यु दर में लगभग 86 प्रतिशत की कमी हासिल की है, जबकि इसी अवधि में वैश्विक औसत गिरावट केवल 48 प्रतिशत रही है। वर्तमान में भारत का लक्ष्य 2030 तक संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप इस दर को 70 से नीचे लाना है। केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मातृ मृत्यु दर को 40 से नीचे ला दिया है, जबकि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम में यह दर अभी राष्ट्रीय औसत से अधिक है, फिर भी संस्थागत प्रसव में वृद्धि के कारण वहां तेजी से सुधार हो रहा है। इस सफलता के पीछे 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' और 'लक्ष्य' जैसे कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिनसे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, विशेषकर लेबर रूम सुविधाओं में सुधार हुआ है। साथ ही, व्यापक टीकाकरण, बेहतर पोषण और प्रसव के दौरान प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता ने मातृ स्वास्थ्य की स्थिति में व्यापक बदलाव लाया है।

प्रत्येक वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2024 की थीम स्वस्थ शुरूआत, आशाजनक भविष्य रखी गई थी, जिसका उद्देश्य गर्भावस्था की शुरूआत से ही मां और शिशु के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना था। वर्ष 2025 की थीम समान मातृत्व देखभालः हर माँ का अधिकार रही, जबकि वर्ष

2026 की थीम सुरक्षित मातृत्व के लिए नवाचार और सुलभ स्वास्थ्य सेवा निर्धारित की गई है।

अंततः, यही कहूंगा कि राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस केवल एक जागरूकता दिवस नहीं, बल्कि एक मानवीय और सामाजिक दायित्व का प्रतीक है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति उसकी माताओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य से मापी जाती है। जब तक हर गर्भवती महिला को समय पर उचित देखभाल, पर्याप्त पोषण, प्रशिक्षित स्वास्थ्य सेवाएं और सम्मानजनक व्यवहार नहीं मिलेगा, तब तक विकास अधूरा रहेगा। इस दिवस का मूल संदेश यही है कि सुरक्षित मातृत्व कोई विकल्प नहीं, बल्कि हर महिला का मौलिक अधिकार है। वास्तव में, सामूहिक प्रयासों, जन-जागरूकता और सशक्त स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के माध्यम से ही हम एक ऐसा समाज व देश बना सकते हैं, जहां हर मां सुरक्षित हो और हर नवजीवन स्वस्थ भविष्य की ओर अग्रसर हो।

संक्षिप्त समाचार

नाइजीरिया के दो गांवों पर बंदूकधारियों ने किया हमला, कम से कम 20 लोगों की मौत

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य क्षेत्र में बंदूकधारियों ने दो गांवों पर हमला कर कम से कम 20 लोगों की हत्या कर दी। स्थानीय निवासियों ने यह जानकारी दी है। ये हमले मंगलवार तड़के नाइजर राज्य के शिरोरो क्षेत्र में स्थित बगना और एरेना गांवों में हुए। शिरोरो, राजधानी अबुजा से लगभग 250 किलोमीटर दूर है। एरेना के निवासी जिब्रिन इसाह ने बताया, 'हमलावर मोटरसाइकिलों पर आए और अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। यह तड़के का समय था, इसलिए हमला पूरी तरह से अचानक हुआ।' स्थानीय लोगों के अनुसार, हमले में 20 से अधिक लोगों की मौत हुई है और कई लोग अब भी लापता हैं। हालांकि, पुलिस ने केवल तीन लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावर कई घंटों तक गांवों में सक्रिय रहे, घरों में लूटपाट की और लोगों को जान बचाने के लिए पड़ोसी इलाकों में भागने पर मजबूर कर दिया।

शेख हसीना के 'सियासी अंत' पर मुहर?: आवामी लीग आतंकी संगठन घोषित, बांग्लादेश संसद ने लगाया स्थायी बैन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की संसद ने बेहद सख्त कानून पारित किया है। इसके तहत पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग पर लगे प्रतिबंध को आधिकारिक कानूनी मोहर लगा दी गई है। अब आवामी लीग बांग्लादेश में एक प्रतिबंधित संगठन है। संसद में गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने इस विधेयक को पेश किया। हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर आवामी लीग का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने कहा कि यह कानून एक ऐसी संस्था को प्रतिबंधित करने के लिए है जो 'नरसंहार और आतंकी गतिविधियों' में शामिल रही है। यह नया कानून पिछले 'आतंकवाद विरोधी अधिनियम' में संशोधन है, जिसे पहले मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार ने एक अध्यादेश के जरिए लागू किया था। इस कानून के लागू होने के बाद अब आवामी लीग का चुनाव आयोग में पंजीकरण स्थायी रूप से रद्द रहेगा। पार्टी न तो चुनाव लड़ सकेगी और न ही किसी तरह की राजनीतिक गतिविधि कर पाएगी। कानून में यह भी प्रावधान है कि सोशल मीडिया या मुख्यधारा की मीडिया में पार्टी के समर्थन में कोई भी बयान प्रकाशित करना अपराध माना जाएगा। यहां तक कि पार्टी के समर्थन में जुलूस निकालना या भाषण देना भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि इस विधेयक का विरोध केवल बाहर से नहीं, बल्कि संसद के भीतर से भी हुआ है। मुख्य विपक्षी दल जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख शफीकुर रहमान ने बिल की समीक्षा के लिए और समय मांगा। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के मानवाधिकार अधिकारियों ने इस कदम की आलोचना की है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी बड़ी राजनीतिक पार्टी पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाना लोकतंत्र के स्वस्थ भविष्य के लिए ठीक नहीं है। संवैधानिक विशेषज्ञ स्वाधीन मलिक ने कहा कि दुनिया के इतिहास में बांग्लादेश दूसरा ऐसा देश बन गया है, जिसने अपनी आजादी की लड़ाई का नेतृत्व करने वाली पार्टी को ही बैन कर दिया है।

ट्रंप को पसंद नहीं आया 10 शर्तों वाला पीस प्लान, टूट जाएगा सीजफायर?

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच हाल ही में हुआ दो हफ्तों का युद्धविराम अब अनिश्चितता के दौर में पहुंचता नजर आ रहा है। लेबनान पर लगातार हो रहे इजरायली हमलों के कारण तनाव बढ़ गया है। ईरान लगातार चेतावनी दे रहा है कि यदि ये हमले नहीं रुके तो वह सीजफायर से पीछे हट सकता है। इसी बीच, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने ईरान के कथित 10 सूत्रीय प्रस्ताव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज कर दिया था और इसे 'कूड़ेदान में फेंक दिया गया।' ईरान ने पहले दावा किया था कि उसका 10-पॉइंट प्रस्ताव अमेरिका को स्वीकार्य था, लेकिन लेविट ने इसे गलत बताया। उनके अनुसार, यह प्रस्ताव 'गैर-गंभीर' था और अमेरिकी नेतृत्व ने इसे बातचीत के लायक नहीं माना। हालांकि, बाद में ईरान की ओर से एक संशोधित योजना पेश की गई, जिसे अमेरिका ने अपने 15 सूत्रीय प्रस्ताव के साथ जोड़कर बातचीत के आधार के रूप में देखने की बात कही है। लेविट ने यह भी दोहराया कि ट्रंप प्रशासन की 'रेड लाइन' साफ है ईरान के भीतर यूरेनियम संवर्धन (एनरिचमेंट) को पूरी तरह समाप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ईरान की 'विश लिस्ट' को किसी समझौते के रूप में स्वीकार करना संभव नहीं है। ईरान के 10 सूत्रीय प्रस्ताव में कई बड़ी मांगें शामिल थीं, जैसे उस पर किसी भी तरह का हमला न होना, होर्मुज जलडमरूमध्य पर उसका नियंत्रण बनाए रखना, यूरेनियम संवर्धन जारी रखने की अनुमति, सभी प्राथमिक और द्वितीयक प्रतिबंधों को हटाना, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को समाप्त करना, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रस्तावों को खत्म करना, मुआवजा देना और क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की वापसी। इसके अलावा, लेबनान सहित सभी मोर्चों पर युद्ध समाप्त करने की भी मांग की गई थी।

पाकिस्तान की बड़ी फजीहत; ट्रंप की टीम ने देखा था शहबाज का ट्वीट, फिर दी पोस्ट करने की इजाजत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-ईरान संघर्ष में पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता की पूरी कहानी एक सोशल मीडिया गलती के कारण खुलकर सामने आ गई है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक्स पर युद्धविराम की अपील वाला पोस्ट डाला था, लेकिन उसमें ड्राफ्ट पाकिस्तान पीएम मेसेज आन एक्स लिखा हुआ छूट गया। बाद में इसे एडिट कर हटा दिया गया, लेकिन स्क्रीनशॉट वायरल हो गए। कहा जा रहा है कि पाक पीएम ने ये पोस्ट अमेरिका के कहने पर पोस्ट की थी। अब खुद अमेरिकी मीडिया भी इस पर मुहर लगाती नजर आ रही है।

वाइट हाउस ने देखा था ट्वीट : न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, वाइट हाउस ने इस पोस्ट को एक्स पर शेयर किए जाने से पहले ही देख लिया था और अपनी मंजूरी भी दे दी थी। यह खुलासा दर्शाता है कि पाकिस्तान की स्वतंत्र कूटनीतिक पहल असल में अमेरिका की तैयार की गई स्क्रिप्ट थी।

दरअसल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को अल्टीमेटम दिया था कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को दोबारा खोलो, वरना अमेरिका ईरान के बुनियादी ढांचे और सभ्यता को नष्ट कर देगा। ट्रंप ने 7 अप्रैल (मंगलवार) को शाम 8 बजे (वाशिंगटन समय) तक की डेडलाइन दी थी। इसी बीच पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने

पिछले कई हफ्तों से अमेरिका और ईरान के बीच गुप्त संपर्क साधे हुए थे। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, वाइट हाउस ने पाकिस्तान को इस अस्थायी युद्धविराम को फाइनल कराने के लिए दबाव डाला था, ताकि ट्रंप सार्वजनिक रूप से धमकियां देते हुए भी पीछे हट सकें।

इसके बाद 8 अप्रैल को सुबह शहबाज शरीफ ने अपने आधिकारिक हैंडल से पोस्ट किया कि अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह का सीजफायर हो गया है। पोस्ट में ट्रंप, जेडी वेंस, ईरानी नेताओं और अन्य को टैग किया गया था। लेकिन असली पोस्ट के ऊपर 'ड्राफ्ट पाकिस्तान पीएम मेसेज आन एक्स' लिखा हुआ था, जो एडिट हिस्ट्री में साफ दिखाई दिया। शरीफ के स्टाफ ने इसे कॉपी-पेस्ट कर दिया और हटाना भूल गए। पाकिस्तानी अधिकारियों को खुद प्रधानमंत्री को 'पाकिस्तान पीएम' कहकर संबोधित करने की जरूरत नहीं होती- यह शब्द अमेरिकी या इजरायली ड्राफ्ट का संकेत था।

पर्दे के पीछे की कहानी : न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि वाइट हाउस ने इस स्टेटमेंट को पहले ही देख लिया था और मंजूरी दे दी थी। यानी पाकिस्तान की अपील असल में पहले से कोऑर्डिनेटेड थी। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा कि उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से बातचीत के बाद ईरान पर बमबारी दो हफ्ते के लिए रोकने का फैसला किया है। कुछ घंटों बाद शहबाज शरीफ ने दूसरा पोस्ट डालकर युद्धविराम की घोषणा का स्वागत किया।

पोस्ट के ड्राफ्ट वाले स्क्रीनशॉट वायरल हो गए। कई यूजर्स ने मजाक उड़ाया। लोग इसे कॉपी-पेस्ट पीएम, व्हाइट हाउस ने स्क्रिप्ट लिखी आदि कह रहे हैं। अमेरिकी पत्रकार रयान ग्रिम ने लिखा- शरीफ ने जो भेजा गया था, उसे कॉपी-पेस्ट कर दिया, जिसमें 'ड्राफ्ट पाकिस्तान पीएम मेसेज आन एक्स' भी शामिल था। उनके अपने स्टाफ तो उन्हें ऐसे नहीं बुलाते।

होर्मुज में बारूदी माइन्स का खौफ! ईरान ने बदले जहाजों के रास्ते, नया रूट भी बता दिया

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने गुरुवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के समुद्री रास्ते से होकर गुजरने वाले जहाजों के लिए नए वैकल्पिक मार्गों की घोषणा की है। ईरान ने इस अत्यंत महत्वपूर्ण जलमार्ग के मुख्य क्षेत्र में समुद्री बारूदी माइन्स के खतरे का हवाला देते हुए यह कदम उठाया है। यह घोषणा अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक हालिया समझौते के बाद हुई है, जिसके तहत तेहरान ने दुनिया के सबसे व्यस्त तेल व्यापार मार्गों में से एक को अस्थायी रूप से खोलने पर सहमति जताई है।

अस्थायी युद्धविराम और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का खुलना : अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनी है। इसके तहत ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को अस्थायी रूप से फिर से खोलने के लिए राजी हो गया है। गौरतलब है कि दुनिया भर में इस्तेमाल होने वाले कच्चे तेल का लगभग पांचवां हिस्सा (20%) इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है।

रिवोल्यूशनरी गार्ड्स का बयान : ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने स्थानीय मीडिया के हवाले से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा- स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते से गुजरने वाले सभी जहाजों को सूचित किया जाता है कि समुद्री सुरक्षा के सिद्धांतों का पालन करने और समुद्री माइन्स से संभावित टकराव से बचने के लिए... उन्हें यातायात के लिए वैकल्पिक मार्ग अपनाने चाहिए। बयान के साथ ही इस जलमार्ग में प्रवेश करने और बाहर निकलने के लिए नए मार्गों के स्पष्ट निर्देश भी शेयर किए गए हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच यह दो सप्ताह का संघर्ष विराम मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात को हुआ। यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दी गई समय सीमा खत्म होने से एक घंटे से भी कम समय पहले हुआ था। ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि ईरान जलमार्ग खोलने की उनकी मांगों के सामने नहीं झुकता है, तो वे इस्लामिक गणराज्य को पूरी तरह से 'तबाह' कर देंगे।

ईरान (तेहरान) ने मार्च की शुरुआत से ही इस प्रमुख शिपिंग मार्ग को प्रभावी रूप से ब्लॉक कर रखा था। इसके परिणामस्वरूप वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल मच गई थी और कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिली थी। इस दो सप्ताह के युद्धविराम और वैकल्पिक मार्गों की शुरुआत से अंतरराष्ट्रीय तेल आपूर्ति और वैश्विक बाजारों को फौरी तौर पर कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, हालांकि बारूदी सुरंगों के खतरे के कारण स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। समुद्री बारूदी माइन्स को नेवल माइन्स, सी माइन्स या नौसैनिक सुरंगें भी कहा जाता है।

पूर्व पीएम केपी ओली के बाद देउबा पर भी बालेन सरकार ने कसा शिकंजा, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में वारंट जारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजनीति में बड़ा उथल-पुथल देखने को मिल रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी होने से सियासी माहौल गरमा गया है। इससे पहले केपी शर्मा ओली पर भी कार्रवाई की जा चुकी है, जिससे साफ है कि नई सरकार भ्रष्टाचार के मामलों में सख्ती दिखा रही है।

इस पूरे मामले में काठमांडू जिला अदालत ने जांच एजेंसी की मांग पर यह वारंट जारी किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैसला जज महेंद्र खड़का की पीठ की मंजूरी के बाद लिया गया। जांच एजेंसी लंबे समय से देउबा, उनकी पत्नी और अन्य नेताओं पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच कर रही थी। बताया जा रहा है कि पिछले साल सितंबर में हुए जेन-जी आंदोलन के दौरान कई नेताओं के घरों से जली हुई नकदी की तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे। इनमें देउबा के घर से जुड़े दृश्य भी थे। फॉरेंसिक जांच में इन नोटों के असली होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद मामला गंभीर हो गया और व्यापक जांच शुरू की गई। जानकारी के अनुसार, देउबा और उनकी पत्नी इस समय नेपाल में नहीं हैं। दोनों 26 फरवरी को इलाज के लिए सिंगापुर गए थे और उसके बाद हांगकांग भी पहुंचे। अभी तक उनकी वापसी नहीं हुई है, जिससे जांच एजेंसियों की कार्रवाई और तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तारी वारंट जारी करने का मकसद इंटरपोल रेड नोटिस जारी कराने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। इससे विदेश में मौजूद आरोपियों को हिरासत में लेकर नेपाल लाया जा सकता है। पांच मार्च को हुए चुनाव के बाद नेपाल की राजनीति में बड़ा बदलाव आया है। नई सरकार बनने के बाद भ्रष्टाचार के मामलों में तेजी से कार्रवाई शुरू हुई है। यही वजह है कि अब देउबा और अन्य नेताओं के खिलाफ जांच का दायरा बढ़ाया गया है। देउबा पांच बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं और 1991 से लगातार राजनीति में सक्रिय रहे हैं। हालांकि हालिया घटनाक्रम और जांच के चलते उनका राजनीतिक भविष्य संकट में नजर आ रहा है। नई सरकार के सख्त रुख के कारण उनके लिए स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

'पूर्ण समझौते तक अमेरिकी सेना ईरान में रहेगी', ट्रंप का अल्टीमेटम; लेबनान पर फिर बरसे बम

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप ने कहा इसमें अमेरिकी जहाज, विमान और सैनिक शामिल होंगे, साथ ही अतिरिक्त गोला-बारूद, हथियार और वह सब कुछ जो दुश्मन के कमजोर किए गए ढांचे को पूरी तरह नष्ट करने के लिए जरूरी हो। राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि समझौते का पालन किसी भी कारण से नहीं हुआ, तो कार्रवाई बड़ी, मजबूत और ऐसी होगी जो किसी ने पहले कभी नहीं देखी। ट्रंप ने आगे कहा यह लंबे समय पहले तय हुआ था और सभी झूठी बातें और बयानबाजी के बावजूद कोई परमाणु हथियार नहीं होंगे और होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह सुरक्षित और खुला रहेगा।

लेबनान से दागे गए रॉकेट को इस्राइल ने किया निष्क्रिय : इस्राइली सेना ने जानकारी दी है कि लेबनान की ओर से उत्तरी इस्राइल की दिशा में दागे गए एक रॉकेट को सफलतापूर्वक हवा में ही रोक दिया

गया। इस हमले के बाद गलील क्षेत्र में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बज उठे, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इस्राइल ने हाल ही में लेबनान पर अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक को अंजाम दिया है। इन हमलों में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हुए हैं।

इस्राइल ने फिर दक्षिण लेबनान पर बरसाए बम : इस्राइली सेना ने एक बार फिर बेरूत के दक्षिणी इलाकों पर हमला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हमला शहर के दक्षिणी उपनगरों में किया गया। इसके अलावा इस्राइल ने दक्षिणी लेबनान के कई कस्बों सफाद अल-बत्तिख, माजदल सेलेम, चाकरा और खेरबेत सेलेम पर भी बमबारी की है। हालांकि अभी हमलों में हुए नुकसान और हताहतों की पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। स्थिति को लेकर लगातार अपडेट का इंतजार किया जा रहा है। होर्मुज पर ईरान का बड़ा फैसला, जहाजों के लिए नए रास्ते तय ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड की नौसेना ने होर्मुज में जहाजों की आवाजाही के लिए नए वैकल्पिक रास्तों का एलान किया है। यह कदम समुद्र में संभावित बारूदी सुरंगों (माइंस) से जहाजों को सुरक्षित रखने के लिए उठाया गया है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, आईआरजीसी नौसेना ने सभी जहाजों को निर्देश दिया है कि वे इन तय मार्गों का पालन करें और उनकी निगरानी में ही गुजरें। नेतन्याहू बोले- ईरान कमजोर, इस्राइल मजबूत; जीत अब तक की शानदार इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ट्वीट कर कहा कि इस्राइल ने अब तक की लड़ाई में शानदार जीत हासिल की है, जो पहले असंभव लगती थी। उनका कहना है कि अब ईरान पहले से कमजोर और इस्राइल पहले से मजबूत है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच युद्धविराम वार्ता बेनतीजा, चीन की कोशिश हुई बेकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर जारी जंगी हालात पर चीन में हुई वार्ता के दौरान पाकिस्तानी हुक्मरान स्थायी युद्धविराम तक नहीं पहुंच पाए हैं। डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, यह वार्ता बिना ठोस नतीजे के खत्म हो गई। डॉन ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि इस बैठक में अफगानिस्तान ने लगातार पाकिस्तान पर तालिबान के मुद्दे को लेकर आंखें दिखाईं और तालिबान के कुछ सवालों ने पाकिस्तानी अफसरों की परेशानी बढ़ा दी। दोनों पक्षों में समझौता नहीं हो पाया।

बीबीसी पश्तो ने भी कहा है कि चीन में हुई बैठक में तालिबान ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए आतंकवाद की परिभाषा स्पष्ट करने के लिए कहा। इसके अलावा तालिबान ने डूरंड लाइन (सीमा रेखा) को मान्यता नहीं देने की बात भी कही। तालिबान ने यह भी कहा कि अस्थाई युद्धविराम के बावजूद पाकिस्तानी सेना उसके क्षेत्र में हमले कर रही है। यद्यपि अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने कहा कि वार्ता उपयोगी रही लेकिन इसमें कोई सफलता किसी के हाथ नहीं लगी है। एजेंसी

मुत्ताकी का सख्त रवैया : चीन के अफसरों के सामने ही अफगानिस्तान के प्रतिनिधि अमीर खान मुत्ताकी ने सख्त रवैया अपनाया और पाकिस्तान को इस छह दिनी बैठक में दोटूक कह दिया कि हमारी कोशिश जंग को खत्म करने की रहेगी, लेकिन यह सब पाकिस्तान पर निर्भर करेगा।

समझौते में छह देश शामिल : पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच समझौता कराने में पाकिस्तान समेत छह देश शामिल हैं। इनमें चीन, तुर्किये, पाकिस्तान, यूएई, सऊदी अरब और कतर शामिल हैं। चीन इस शांति वार्ता का नेतृत्वकर्ता है। पाकिस्तान का कहना है कि जब तक टीटीपी को अफगानिस्तान से खत्म नहीं किया जाएगा, तब तक बात नहीं बन सकती है। दूसरी तरफ अफगानिस्तान ने टीटीपी को पाकिस्तान की समस्या बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बैठक में पाकिस्तान ने टीटीपी को लेकर अफगानिस्तान पर हमला किया। पाकिस्तान का कहना था कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) नामक आतंकी गुट को काबुल में पनाह दी जाती रही है। इसे तालिबान ने सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि आतंकवाद पाकिस्तान की घरेलू समस्या है। उसने पूछा, पहले यह बताए कि आतंक की परिभाषा क्या है? इसके बाद डूरंड लाइन पर पाकिस्तान को अफगानिस्तान ने खरी-खोटी सुनाई। छह दिन तक चली इस समझौता वार्ता में दोनो ही पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप किए।

फिर चलेंगी मिसाइलें, पाकिस्तान का कराया सीजफायर टूटने की कगार पर? ईरान ने दे दी धमकी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में हुए सीजफायर पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। खबर है कि ईरान की तरफ से इजरायल को धमकी दी गई है। तेल अवीव को उड़ाने की धमकियां लेबनान में हुए हमले के जवाब में दी गई हैं। खास बात है कि मध्यस्थ पाकिस्तान ने कहा था कि सीजफायर में लेबनान में शांति भी शामिल है। जबकि, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सार्वजनिक रूप से इससे इनकार कर दिया है। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की तरफ से इजरायल को चेतावनी जारी की गई है। इसमें कहा गया है, 'अगर कुछ घंटों में दक्षिण लेबनान में फायरिंग नहीं रुकी, तो एयर और मिसाइल यूनिट तेल अवीव में हमला करेंगी...।'

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था, 'मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि ईरान और अमेरिका, अपने सहयोगियों के साथ, लेबनान और अन्य सभी जगहों पर तुरंत युद्धविराम के लिए सहमत हो गए हैं। यह फैसला अभी इसी वक्त से प्रभावी है।'

ट्रंप और जेडी वेंस दोनों ने मना कर दिया : अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा, 'मुझे लगता है कि कोई गलतफहमी हुई है। मुझे लगता है कि ईरानी यह मान रहे थे कि सीजफायर में लेबनान भी शामिल है। जबकि, ऐसा नहीं है।' उन्होंने कहा कि अमेरिका का मत है कि सीजफायर ईरान और अमेरिका के सहयोगियों पर फोकस होगा। जिसमें इजरायल और अरब देश शामिल हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि लेबनान को युद्धविराम समझौते में 'हिज्बुल्लाह की वजह से' शामिल नहीं किया गया है। ट्रंप ने पीबीएस न्यूज आवर के साथ बातचीत में कहा, 'उन्हें समझौते में शामिल नहीं किया गया है। इसे भी ध्यान रखा जाएगा। सब ठीक है।' जब उनसे लेबनान में इजरायल की तरफ से लगातार हमले जारी रखने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'यह समझौते का हिस्सा है - यह तो सभी जानते हैं। यह एक अलग झड़प है।'

एक दिन में 182 की मौत : इजरायल ने बुधवार को मध्य बेरूत के घनी आबादी वाले कई आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों पर हवाई हमले किए जिसमें 182 लोगों की मौत हो गई। यह इजरायल-हिजबुल्ला युद्ध के दौरान एक दिन में हुई मौत की सर्वाधिक संख्या है।

अमेरिका में जाति विवाद गहराया: भारतीय और हिंदू समुदाय को निशाना बनाने का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जाति आधारित भेदभाव को लेकर विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कैलिफोर्निया की नागरिक अधिकार नियामक एजेंसी के खिलाफ नौवीं सर्किट अपील न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। संगठन का आरोप है कि एजेंसी ने गलत तरीके से जाति को हिंदू धर्म से जोड़ते हुए भारतीय और दक्षिण एशियाई समुदायों को निशाना बनाया है।

6 अप्रैल को दाखिल जवाबी याचिका में एचएएफ ने अदालत से अनुरोध किया है कि निचली अदालत द्वारा उसके मुकदमे को खारिज करने में जिन प्रक्रियात्मक बाधाओं का हवाला दिया गया था, उन्हें हटाया जाए। संगठन का कहना है कि जिला अदालत ने उसके दावों के मूल मुद्दों पर विचार किए बिना ही मामला खारिज कर दिया।

क्यों हो रहा यह विवाद : यह पूरा विवाद कैलिफोर्निया नागरिक अधिकार विभाग द्वारा सिस्को सिस्टम्स और उसके दो प्रबंधकों के खिलाफ दर्ज शिकायत से जुड़ा है। इस शिकायत में जाति के आधार पर भेदभाव के आरोप लगाए गए थे और यह कार्रवाई कैलिफोर्निया के फेयर एम्प्लॉयमेंट एंड हाउसिंग एक्ट के तहत की गई थी। सीआरडी ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि उसने सिस्को और उसके पूर्व प्रबंधकों के खिलाफ जाति-आधारित भेदभाव का मामला दर्ज किया है। एचएएफ का आरोप है कि सीआरडी ने अपनी कार्रवाई में जाति को हिंदू धर्म और भारतीय मूल के कर्मचारियों से जोड़ने की कोशिश की। संगठन के मुताबिक, एजेंसी की शिकायत में जाति शब्द का बार-बार इस्तेमाल किया गया और यह धारणा बनाई गई कि भारतीय कर्मचारियों के बीच जाति-आधारित भेदभाव होता है, जिसे कंपनी को रोकना चाहिए था। एजेंसी की कार्रवाई नस्लवादी और तथ्यहीन धारणाओं पर आधारित है

संगठन ने यह भी कहा कि एजेंसी की प्रस्तुति भारतीयों और हिंदुओं के बारे में नस्लवादी और तथ्यहीन धारणाओं पर आधारित है। एचएएफ ने सीआरडी के एक पुराने बयान का हवाला दिया, जिसमें भारत की जाति व्यवस्था को कठोर हिंदू सामाजिक और धार्मिक पदानुक्रम बताया गया था। हालांकि, बाद में विभाग ने इस विवादित वाक्यांश को हटा दिया और मामले को अप्रासंगिक बताया, लेकिन संगठन का कहना है कि इससे मूल समस्या खत्म नहीं होती। फाउंडेशन का कहना है कि हिंदू सामाजिक और धार्मिक पदानुक्रम जैसे शब्द हटाने के बावजूद सीआरडी अब भी कंपनी के भारतीय, दक्षिण एशियाई और हिंदू कर्मचारियों पर जाति से जुड़ी नीतियां लागू करने की कोशिश कर रहा है। इस मामले का असर केवल एक केस तक सीमित नहीं एचएएफ की सीनियर लीगल डायरेक्टर निधि शाह ने चेतावनी दी कि इस मामले का असर सिर्फ एक केस तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि हिंदू अमेरिकी, भारतीय अमेरिकी और दक्षिण एशियाई अमेरिकी समुदाय इस मुद्दे को लेकर चिंतित हैं। शाह ने आरोप लगाया कि नागरिक अधिकार विभाग अपनी प्रवर्तन शक्तियों का इस्तेमाल उन्हीं अल्पसंख्यक समूहों को अलग करने के लिए कर रहा है, जिनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उस पर है। उन्होंने कहा कि कैलिफोर्निया के लोग, नियोक्ता और कारोबारी इस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एजेंसी जाति के आधार पर कार्रवाई करते हुए इसका दोष हिंदू धर्म पर डाल रही है और यह आशंका जताई कि भविष्य में और हिंदू संगठनों या व्यक्तियों को निशाना बनाया जा सकता है।

प्रेगनेंसी के दौरान महिलाओं के लिए फायदेमंद है 'वाटर एक्सरसाइज'

गर्भावस्था एक ऐसा समय है, जब महिलाओं को अपनी सेहत का विशेष रूप से ध्यान रखने की आवश्यकता होती है। गर्भावस्था में महिला का स्वस्थ एवं पौष्टिक खानपान के साथ उस दौरान सक्रिय रहना भी जरूरी होता है। अक्सर डॉक्टर सलाह देते हैं कि गर्भावस्था के दौरान महिला को कुछ हल्की शारीरिक गतिविधियां करनी चाहिए, जिससे जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ रहें और बच्चे का विकास भी अच्छे से हो सके। इसके अलावा, यदि महिला उस दौरान सक्रिय रहती है, तो डिलवरी आसानी से होने में भी मदद मिलती है, लेकिन अधिकतर महिलाएं यह नहीं जानती कि उनके और बच्चे के लिए कौन से व्यायाम करना सुरक्षित हैं।

यदि आप गर्भवती हैं और आप कुछ शारीरिक गतिविधियों की तलाश कर रही हैं, तो आइए हम आपको कुछ कौन सी एक्सरसाइज करना लिए फायदेमंद होगा। इसका जवाब है पानी की एक्सरसाइज, जो आपके और आपके बच्चे दोनों के लिए फायदेमंद होंगी। आइए जानते हैं गर्भावस्था के दौरान पूल एक्सरसाइज के फायदे।

गर्भावस्था में डायबिटीज का खतरा कम

पूल एक्सरसाइज करने से आपको और आपके बच्चे दोनों को फायदा होता है, यह एक्सरसाइज न केवल महिला को डिलिवरी में आसानी और दर्द को कम करती है, बल्कि गर्भावस्था के दौरान होने वाली डायबिटीज के खतरे को भी कम करती है। एक अध्ययन के अनुसार, यदि गभर्वती महिला दिन में 30 मिनट के लिए कुछ पानी वाली एक्सरसाइज जैसे पूल एक्सरसाइज करती है, तो उसे गर्भावस्था में डायबिटीज का खतरा नहीं होता।

पैरों की सूजन को कम करती है

पानी वाले व्यायाम गर्भावस्था के दौरान पैरों में होने वाली सूजन को दूर करने में भी मददगार हैं। गर्भावस्था के दौरान आपका बच्चा आपके पेट के निचले आधे हिस्से में ब्लड सर्कुलेशन को रोकता है, जिसकी वजह से पैरों में सूजन आना सामान्य होता है। पानी के व्यायाम से गर्भावस्था के दौरान महिलाओं बच्चे के दबाव के कारण होने वाली सूजन एवं ऐंठन को कम करने में मदद मिल भी मदद मिल सकती है, क्योंकि पानी शरीर को भिगोता है और आपके निचले आधे हिस्से में ब्लड सर्कुलेशन में मदद करता है।

बेहतर नींद में मददगार

गर्भावस्था के दौरान कई महिलाओं में अनिद्रा या नींद में कमी की शिकयत देखने को मिलती है। कई बार गर्भावस्था के दौरान पेट में दर्द और बच्चे की हरकत करने की वजह से महिला की नींद उड़ जाती है, ऐसे में आप यदि पूल एक्सरसाइज करते हैं, तो इससे आपको बेहतर नींद में मदद मिलती है।

कमर दर्द से राहत

गर्भावस्था में कमर में दर्द पैरों में सूजन की तरह सामान्य है, लेकिन इस दौरान होने पर पीठ दर्द से राहत पाने के लिए कोई भी हीटिंग पैड पीठ दर्द में वास्तव में मददगार साबित नहीं होता है। पानी वाली एक्सरसाइज जैसे तैराकी गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को पीठ दर्द को कम करने में मदद कर सकती हैं।

मॉर्निंग सिकनेस को कम करे

हर महिला इस स्थिति से जूझती है, गर्भावस्था के दौरान मॉर्निंग सिकनेस से जूझना बहुत ही सामान्य है, लेकिन ऐसा कहा जाता है कि जो महिलाएं नियमित रूप से पानी वाली एक्सरसाइज करती हैं, उनमें गर्भवती होने के दौरान मॉर्निंग सिकनेस कम महसूस होती है।

1 गिलास जूस बनाएगा लिवर को हेल्दी

लिवर कभी नहीं होगा खराब!

लिवर हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को सुचारू रूप से चल सकने में मददगार कई काम करता है। जैसे लिवर ही ग्लूकोज से बनने वाले ग्लाइकोजन को संग्रहित करता है। आप जो भी खाते हैं, उससे शरीर को लाभ पहुंचाने का असली काम लीवर (Liver infection) से ही शुरू होता है। असल में लिवर पचे हुए भोजन से वसाओं और प्रोटीनों यानी सभी पोषक तत्वों को नसों तक पहुंचाता है। डीटॉक्सीफिकेशन भी लिवर का एक अहम काम है, जो आपको रोगों से बचाए रखने के लिए बेहद ही जरूरी है। कंसल्टेंट न्यूट्रिशनिस्ट डॉ. रूपाली दत्ता के अनुसार, एकमात्र अंग जो खुद को साफ करता है, वह लिवर है। हम जो भी खाते हैं, वह यकृत यानी लिवर द्वारा सफाई किया जाता है। इसलिए, स्वस्थ भोजन खाना जरूरी है, क्योंकि इससे लिवर पर बुरा असर नहीं होता।

अगर आप अपने खानपान का ध्यान नहीं रख रहे हैं तो यह लीवर को कई तरह की परेशानियां दे सकता है। जैसे लीवर खराब होना लीवर इंफेक्शन ऐसे में आपको पता होना जरूरी है कि लीवर डेमेज होने के लक्षण कैसे होते हैं, ताकि आप उसे सही समय पर पहचान कर सावधानी बरत सकें। डीके पब्लिशिंग की किताब 'हीलिंग फूड्स' के अनुसार, लीवर को इसके लिए जितनी भी मदद मिल सकती है करना जरूरी है। लीवर हमारे द्वारा खाए गए हर आहार और एनवायरमेंटल टॉक्सिन को तोड़ने का काम करता है। यह आपकी पूरी सेहत के लिए एक अहम काम है, जो सिर्फ लीवर, जिसे जिगर भी कहा जाता है, करता है। तो अब आप समझ चुके होंगे कि लीवर का सही रहना आपके लिए कितना जरूरी है। एक हेल्दी लीवर आपको हेल्दी लाइफ दे सकता है। तो अगर आप अपने लीवर के स्वास्थ्य को बढ़ावा देना चाहते हैं, तो आपको करने होंगे कुछ हेल्दी जतन। और इस जतन में हम कर सकते हैं आपकी मदद। जी हां, हम आपको बताते हैं एक ऐसे जूस के बारे में जो आपके लीवर को बनाएगा हेल्दी और मजबूत। आपको करना बस यह है कि एक 4 सामग्री वाले जूस को अपने आहार में शामिल करना है। हम बात कर रहे हैं इस 4-घटक यानी चीजों से बने जूस की। इसे गाजर, सेब, अंगूर और टकसाल का उपयोग करके बनाया जाता है। यह हेल्दी जूस लीवर के लिए एक शुद्ध पेय के रूप में कार्य करता है और यकृत में प्राकृतिक विषहरण प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करने में मदद कर सकता है।

लिवर से जुड़ी बीमारियों के कारण, लक्षण और बचाव

इस जूस में इस्तेमाल की गई हर चीज लिवर के स्वास्थ्य को बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाती है। यह चार पोषक तत्वों का भंडार है। इसमें एंजाइम होते हैं, जो जिगर को विषाक्त पदार्थों को ज्यादा अच्छी तरह से तोड़ने में मदद करते हैं। गाजर की कैरोटीनॉयड सामग्री शरीर के अंदर ऑक्सीडेटिव क्षति को रोकने में मदद करती है। पुदीना में डिकॉन्गेस्टेंट गुण होते हैं और सेब की त्वचा में मौजूद ट्राइटरपीनोइड्स में लीवर कोशिकाओं के लिए शक्तिशाली सुरक्षात्मक गतिविधि होती है। इस जूस में न केवल स्वास्थ्य लाभकारी गुण होते हैं, बल्कि यह काफी स्वादिष्ट भी होता है। आप इसे नाश्ते में ले सकते हैं और अपने दिन को एक स्वस्थ शुरुआत दे सकते हैं।

रेसिपी

काजू मटर

■ तेल: 1 टेबलस्पून ■ काजू: 60 ग्राम ■ गर्म दूध: 110 मि.ली ■ टमाटर: 25 ग्राम ■ अदरक: 1 टीस्पून ■ काजू पाउडर: 2 टेबलस्पून ■ जीरा: 1 टीस्पून ■ हींग: 1/4 टीस्पून ■ धनिया के सूखे पत्ते: 1 टीस्पून ■ लाल मिर्च: 1/4 टीस्पून ■ हल्दी: 1/4 टीस्पून ■ धनिया पाउडर: 1 टीस्पून ■ हरे मटर: 200 ग्राम ■ चीनी: 1 टेबलस्पून ■ नमक: 1 टीस्पून ■ पानी- 200 मि.ली ■ गर्म मसाला- 1/2 टीस्पून

विधि

एक पैन में तेल डालकर इसमें काजू को गोल्डन फ्राई कर लें और एक बाउल में गर्म दूध डालकर इसमें फ्राई किए काजू को 15 मिनट के लिए भिगो कर रखें। अब टमाटर, अदरक, काजू का पाउडर डालकर इसे मिक्सी में डालकर प्यूरी बना लें। इसके बाद एक पैन में तेल डालकर इसमें जीरा और हींग डाल कर भून लीजिए। इसमें अब धनिया पाउडर, लाल मिर्च और हरी मिर्च डालकर मिक्स कर लें और पहले से बनाकर रखा हुआ पेस्ट डालकर 3-5 मिनट के लिए भूनें। इस भूने हुए मसाले में अब हल्दी, सूखा धनिया डालकर मिक्स कर लें। अब इसमें मटर,चीनी और नमक को मसाले में डालकर मिला लीजिए। जब मसाले में मटर अच्छी तरह से मिक्स हो जाए, तब इसमें पानी डालकर 3-5 मिनट के लिए मध्यम आंच पर पकने दें। इसके बाद गर्म मसाला डालकर पहले से दूध में पहले से भिगो कर रखे हुए काजू डालें और 2 मिनट के लिए पकाएं। काजू मटर बनकर तैयार है, इसे सर्व करें।

पटेटो सूप

■ शकरकंदी: 2 ■ शिमला मिर्च: 2 (कटी हुई) ■ ऑलिव ऑयल: 4 टेबलस्पून ■ प्याज: 2 (मोटे कटे हुए) ■ धनिया: 2 स्टिक (कटा हुआ) ■ लौंग, लहसुन पेस्ट: 4 टीस्पून ■ चिकन: 1 लीटर (स्टॉक क्यूब) ■ काली मिर्च: 1 पिंच ■ लाल मिर्च पाउडर: 0.5 टीस्पून ■ नमक: 1 पिंच ■ चिल्ली फ्लेक्स: 0.5 टीस्पून (गार्निश के लिए) ■ बीन स्प्राउट्स: 5 ग्राम (गार्निश के लिए) ■ क्रीम फ्रैसिच: 50 मि.लीटर (गार्निश के लिए)

विधि

ओवन को 180°C तक प्रहीट करें। बेकिंग शीट पर शिमला मिर्च और शकरकंदी रख कर उस पर तेल लगाने के बाद उसे 20-25 मिनट तक रोस्ट कर लें। एक पैन में तेल गर्म करके उसमें प्याज और धनिया को 1 मिनट तक फ्राई करके इसमें रोस्ट शकरकंदी डालकर पका लें। इसके बाद इसमें चिकन स्टॉक क्यूब और सारी सामग्री डालकर 20-25 मिनट तक सब्जियों के सॉफ्ट होने तक पकाए। अब इसमें क्रीम डालकर इसे बीन स्प्राउट्स और चिल्ली फ्लेक्स के साथ गार्निश करें। आपका रोस्टेड स्वीट पटेटो सूप बन कर तैयार है। इसे बाउल में डालकर गर्मा-गर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-6-8-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-7-8-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-3-6-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंग। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंग। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान रहेगा। शुभांक-3-5-7

लॉफिंग ज़ोन

अपने पति की हत्या के मामले में कटघरे में खड़ी महिला से न्यायाधिश ने कहा- आपको अपनी सफाई में क्या कहना है?

महिला : मैं क्या कह सकती हूँ, मेरे यहाँ सफाई तो नौकरानी करती है। इस विषय में इससे ज्यादा जानकारी तो वही दे सकती है।

□ □ □

रमन (प्रेमिका) से- गीता, प्लीज मुझसे शादी के लिए हाँ कर दो ना....! मैं तुम्हारी हर छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरी करूँगा।

प्रेमिका बोली- ये सब तो ठीक है, परंतु मेरी उन बड़ी इच्छाओं का क्या होगा? उसे कौन पूरा करेगा दूसरा पति।

□ □ □

एक बार तीन नीग्रो जंगल में जा रहे थे। घने जंगल के रास्ते में उन्हें भगवान मिले। भगवान ने उन्हें एक-एक वरदान माँगने के लिए कहा।

पहला बोला- मुझे गोरा बना दो।

भगवान- तथास्तु।

दूसरा बोला- मुझे भी गोरा बना दो।

भगवान ने कहा- तथास्तु।

अब तीसरे नीग्रो के माँगने की बारी थी। उसने वरदान माँगा- इन दोनों को फिर से काला-काला बना दो।

□ □ □

काकुरो पहेली -4022

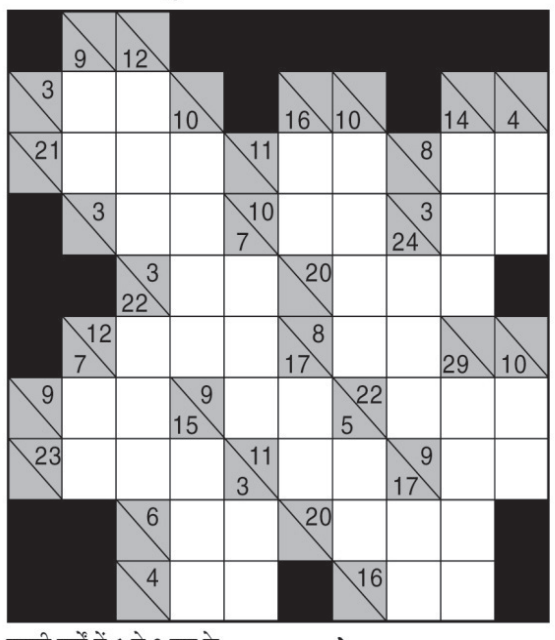

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

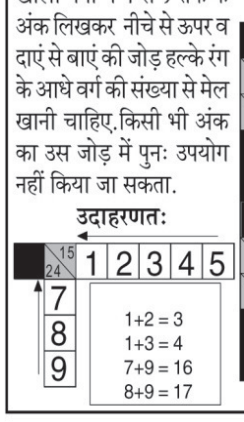

काकुरो - 4021 का हल

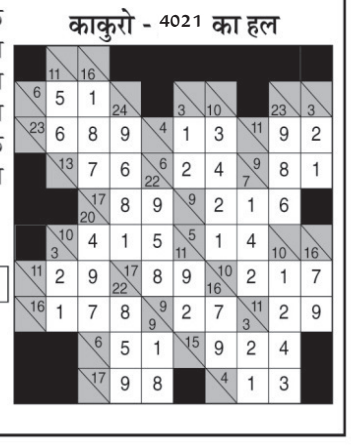

फिल्म वर्ग पहेली- 4022

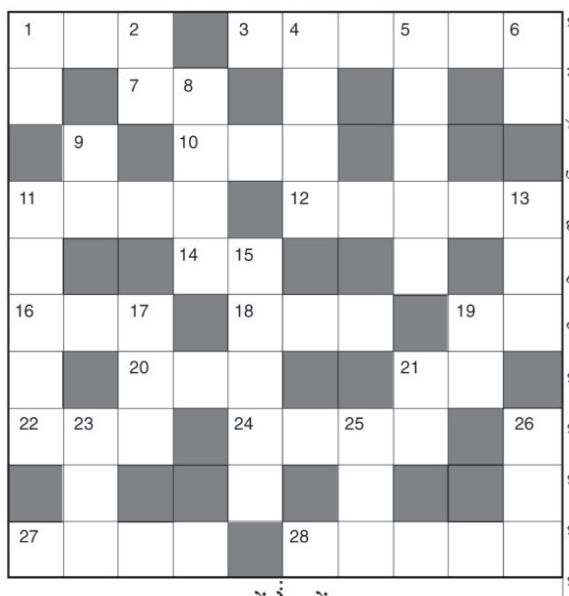

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है. ?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

फिल्म वर्ग पहेली- 4021

दे	व		प्रे	म	क	हा	नी		जी
व		तु	म		सू		तू	फा	न
ता	ल		पु	का	र		सिं		त
	क्ष्य		जा			तो	ह	फा	
नी		मे	री	जं	ग			गु	स
क	बी	ला		ग		प्या		न	
री			सो	ल	वां	सा	ल		दा
	जु	ग	नू		टे		व	ही	दा
ध	मां				ड		स्टो		गि
	ना	जा	य	ज		चो	री	चो	री

सूडोकु -4022

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4021का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 4022

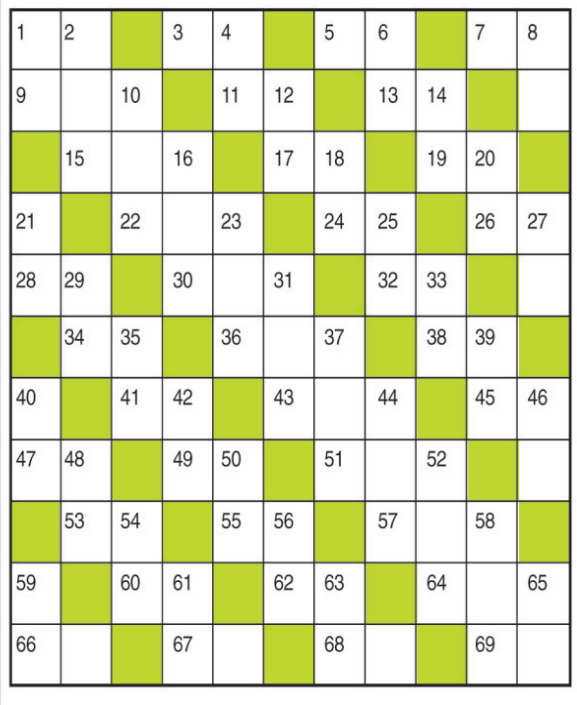

बाएँ से दाएँ

1.उम्मीद,आशा-2
3.जी,चित्त-2
5.भस्म,खाक-2
7.जाल,फंदा-2
9.चिंतन,सोचना-3
11.ठाठ-बाट-2
13.क्रिकेट में बनते हैं-2
15.एक राशि-3
17.काया,बदन-2
19.एक विदेशी शराब-2
22.बोलने का तरीका-3
24.शालीन,सभ्य-2
26.बल,ताकत-2
28.भैंस जैसा एक पशु-2
30.पुत्री की पुत्री-3
32.कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34.मोटा आटा-2
36.जुड़वा-3
38.आनंदित-2
41.नौकर,गुलाम-2
43.बूंद-3
45.लक्ष्मी,विष्णुप्रिया -2
47.जंगल,कानन-2
49.मेहंदी -2
51.दृष्टि,निगाह-3
53.बुरी आदत -2
55.बुढ़ापा -2
57.नमस्कार,प्रणाम -3
60.खुमार,सरूर -2
62.भीगा हुआ -2
64.पक्षाघात-3
66.चुनौती-2
67.ऋण,उधार -2
68.भूमि,जमीन-2
69.चस्का,बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे

1.फलों का राजा-2
2.साजन,बलमा-3
4.खुमार-2
6.खच्चर,गधा-2
8.वहम,संदेह-2
10.अनुकृति-3
12.झुका हुआ-2
14.आदमी-2
16.वास करना-3
18.आकाश-2
20.घमंड-2
21.बदन-2
23.जातिवाद-3
25.पिघले पत्थर-2
27.रोग,-2
29.हाथ,टैक्स-2
31.लवण-3
33.ताकत-2
35.वचन-2
37.प्रयत्न-3
39.स्थिति -2
40.नवीन-2
42.सच्चा-2
44.राजा-3
46.हार-2
48.टौंटी-2
50.गुमान-2
52.पासों का खेल-3
54.काया-2
56.रात्रि-2
58.हुबहू-3
59. समय-2
61.सब्जी-2
63.गाड़ी-2
65.गैस-2

शब्द पहेली -4021 का हल

	स	र	ग	ना		आ	म	रा	य	
फि		न	ज	ला		फि	क	र		त
त	ल		ल	य		स	र		ला	ल
र	ह	ना		क	हा	र		ज	ल	वा
त	र	सा	ना		ति		ज	ल	च	र
			र	ह	म	दि	ल			
ब	ग	दा	द		ता		न	ज	रा	ना
र	म	ल		स	ई	स		प	ह	रा
ग	ला		स	दा		ल	स		त	य
द		ग	ली	चा		वा	न	र		ण
	का	श्त	का	र		र	म	जा	न	

हाईकोर्ट से सुक्खू सरकार को झटका: कोर्ट बोली- कानून भविष्य के लिए होते हैं, बदले के लिए नहीं

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि सुक्खू सरकार की राजनीति 'समान दृष्टि' नहीं बल्कि 'बदले की भावना' पर आधारित है। भाजपा प्रवक्ता आशीष शर्मा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आते ही झूठ गढ़ने, विपक्ष को निशाना बनाने और विरोध करने वाले लोगों को परेशान करने की नीति अपनाई, लेकिन अब न्यायालय के फैसले ने उनके इस एजेंडे पर सीधा प्रहार किया है। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश 07.04.2026 में स्पष्ट किया कि हिमाचल प्रदेश विधानसभा द्वारा पारित संशोधन विधेयक की प्रभावशीलता पूर्व प्रभाव नहीं हो सकती और यह केवल भविष्य (prospective) के लिए ही लागू होगा। न्यायालय ने साफ निर्देश दिए कि संबंधित पूर्व विधायकों को उनकी पेंशन एवं बकाया राशि एक माह के भीतर जारी की जाए, अन्यथा राज्य को 6प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ भुगतान करना होगा। भाजपा प्रवक्ता आशीष शर्मा ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि 'यह फैसला सुक्खू सरकार के चेहरे पर तमाचा है। कांग्रेस ने कानून को बदले का हथियार बनाने की कोशिश की, लेकिन न्यायालय ने साफ कर दिया कि कानून किसी व्यक्ति विशेष को टारगेट करने के लिए नहीं बनाए जाते, बल्कि भविष्य के लिए बनाए जाते हैं।

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में अपनी भागीदारी तेज़ करे निजी क्षेत्र : डॉ. जितेन्द्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि निजी क्षेत्र से अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में अपनी भागीदारी तेज़ करने का आह्वान किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत के नवाचार तंत्र को मजबूत बनाने के लिए उद्योग की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। जारी करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि सरकार ने अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों को निजी भागीदारी के लिए खोलने सहित कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। साथ ही, शोध, विकास और नवाचार (आरडीआई) फंड जैसे विशेष तंत्र भी बनाए गए हैं, ताकि निजी क्षेत्र को अनुसंधान में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। डॉ. जितेंद्र सिंह ने ज़ोर देकर कहा कि अब ध्यान केवल नीतियों के निर्माण पर नहीं, बल्कि उनके वास्तविक प्रभाव पर होना

चाहिए। उन्होंने कहा कि शोधकर्ताओं को आने वाली व्यावहारिक समस्याओं को समझकर ही प्रभावी सुधार संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में वैज्ञानिक प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन प्रक्रियात्मक जटिलताएं और संस्थागत बाधाएं शोध के परिणामों को प्रभावित करती हैं। इसलिए फंडिंग तक आसान पहुंच, प्रशासनिक बाधाओं में कमी और परोपकार को बढ़ावा देना आवश्यक है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत के शोध पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने के लिए सरकार के साथ-साथ उद्योग, संस्थानों और समाज के सभी वर्गों की भागीदारी जरूरी है, ताकि अनुसंधान को वास्तविक उत्पादों और समाधानों में बदला जा सके। नीति आयोग द्वारा जारी रिपोर्ट्स के अवसर पर उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने कहा कि आर एंड डी प्रक्रियाओं को सरल बनाना वैज्ञानिक समुदाय की लंबे समय से मांग रही है। उन्होंने शोध प्रणाली में समन्वय और दक्षता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। नीति आयोग के सदस्य वी. के. सारस्वत ने कहा कि भारत का अनुसंधान तंत्र एक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहां फंडिंग में देरी और प्रशासनिक अड़चनें अभी भी चुनौती बनी हुई हैं। प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. ए. के. सूद ने कहा कि शोध को आसान बनाने के प्रयास लगातार जारी रहने चाहिए, क्योंकि अभी भी कई महत्वपूर्ण कमियां बनी हुई हैं। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि शोध प्रणाली में अधिक लचीलापन, पारदर्शिता और पूर्वानुमेयता लाना आवश्यक है, ताकि वैज्ञानिक बिना रुकावट के अपने कार्य को आगे बढ़ा सकें।

बिहार के सरकारी स्कूल में अवैध शराब पाए जाने के मामले में एनएचआरसी ने लिया संज्ञान

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बिहार के बेगुसराय जिला स्थित सिस्वा क्षेत्र में एक सरकारी स्कूल में बड़ी मात्रा में रखी शराब को शीतल पेय समझकर एक छात्र के सेवन करने की घटना का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

आयोग के मुताबिक, 08 अप्रैल 2026 को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 6 अप्रैल 2026 को इस क्षेत्र में स्थित एक स्कूल के जर्जर शौचालय में बोतलों में भरी हुई अवैध शराब को शीतल पेय समझकर चौथी कक्षा के एक छात्र ने गलती से पी ली। छात्र नशे की हालत में घर लौटा। छात्र के परिवार ने घटना की सूचना स्कूल अधिकारियों को दी और मामला पुलिस के संज्ञान में लाया गया। खबरों के अनुसार, पुलिस ने शौचालय से लगभग 204 लीटर अवैध शराब से भरे कुल 23 कार्टन जब्त किए हैं। उल्लेखनीय है कि यह घटना 05 अप्रैल 2016 से लागू शराब के निर्माण, बिक्री और सेवन पर प्रतिबंध के बीच घटी है, जब बिहार को शुष्क राज्य घोषित किया गया था। आयोग ने रिपोर्ट में बच्चे की स्वास्थ्य स्थिति और जांच संबंधी जानकारी शामिल करने का आग्रह किया है।

बंगाल में बदलाव जरूरी, डबल इंजन सरकार लाएं : नितिन नवीन

मालदा। पश्चिम बंगाल की मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राज्य में बदलाव की अपील की। ओल्ड मालदा में आयोजित पार्टी बैठक में उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। नितिन नवीन ने आरोप लगाया कि तृणमूल शासन में 'मां, माटी, मानुष'–तीनों ही संकट में हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा खतरे में है, जमीन पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है और लोग बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। राज्य के औद्योगिक हालात पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि एक समय का विकसित बंगाल अब उद्योगहीन हो गया है और युवाओं के पास रोजगार के अवसर नहीं हैं। लोगों की निर्भरता सिर्फ सरकारी भत्तों पर बढ़ गई है। उन्होंने राज्य की कला, संस्कृति और खेल जगत को लेकर भी सरकार की आलोचना की और कहा कि तृणमूल के शासन में इन क्षेत्रों का विकास रुक गया है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री के नेतृत्व को मजबूत करने और राज्य में 'डबल इंजन' सरकार लाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा को सत्ता में लाना जरूरी है।इस बैठक को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा गया।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में दो कारों की टक्कर में मासूम सहित 6 की मौत, 3 की हालत गंभीर

एजेंसी

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात नाथिया नवागांव के पास दो कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रात करीब 11 बजे यह हादसा हुआ।

परिवार कांकेर के उड़कुडा का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि सभी चीवरांज में शादी समारोह में शामिल होकर अपने गांव उड़कुडा लौट रहे थे, तभी नाथिया नवागांव के पास उनकी कार दूसरी कार से टकरा गई। दोनों कारें तेज रफ्तार में थीं और टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए। कार सवार एक ही परिवार के 3 महिला, 2 पुरुष और एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरे कार में सवार 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन तुरंत मौके पर पहुंचा और घायलों को फौरन अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। कांकेर एसपी निखिल राखेचा ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। हादसे में घायल तीनों लोगों को तुरंत एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल कांकेर पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार सभी की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें लगातार निगरानी में रखा गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। कांकेर एसपी निखिल राखेचा ने बताया कि नाथिया नवागांव के पास दो कारों की टक्कर में छह लोगों की मौत हुई है और तीन अन्य घायल हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है, इसके साथ ही मरने वालों की पहचान और बाकी जानकारियां जुटाई जा रही है। घायलों

के उपचार के बाद उनसे भी जानकारी ली जाएगी। शवों का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्चुरी में रखवाया गया, पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को शव सौंपा जाएगा।

मप्र के उज्जैन में खुले बोरवेल के गड्ढे में गिरा दो साल का बच्चा

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिला मुख्यालय से करीब 75 किमी दूर बड़नगर इलाके के पास ग्राम झालरिया में गुरुवार रात बोरवेल के खुले गड्ढ़े में गिरे दो साल का मासूम बच्चे को बचाने के लिए राहत एवं बचाव कार्य जारी है। रेस्क्यू टीम को उसकी लोकेशन 75 फीट की गहराई पर मिली है। पांच पोकलेन मशीनों की मदद से बोरवेल के समानांतर सुरंग बनाई जा रही है। खबर लिखे जाने तक करीब 40 फीट खुदाई हो चुकी है। जानकारी के अनुसार, भेड़े चराने के लिए आया राजस्थान के पाली जिले के एक परिवार का दो साल का बच्चा गुरुवार रात करीब साढ़े सात बजे बोरवेल के खुले गड्ढे में गिर गया था। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। भोपाल से पहुंची एनडीआरएफ की टीम, हरदा, इंदौर और उज्जैन की एसडीआरएफ के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी है। बोरवेल में कैमरा डालकर बच्चे की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। उसे ऑक्सीजन सपोर्ट भी दिया जा रहा है। मौके पर दो एंबुलेंस भी तैनात हैं।

बड़नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि बोरवेल में गिरने वाला दो वर्षीय मासूम भागीरथ पुत्र प्रवीण देवासी ग्राम गुडानला, जिला पाली (राजस्थान) का रहने वाला है। परिवार पिछले तीन दिनों से क्षेत्र में भेड़ चराने के लिए रुका हुआ था।

परिजन के मुताबिक, बच्चा दीवार के पास खेल रहा था। उसने पत्थर से बोरवेल का ढक्कन हटाया और बाल्टी समझकर पैर डाल दिया, जिससे वह सीधे अंदर गिर गया। बच्चे की मां ने उसे गिरते देखा और बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक वह गहराई में जा चुका था। परिवार ने गांव के सरपंच को सूचना दी। इसके बाद जिला प्रशासन को जानकारी दी गई। रात करीब साढ़े आठ बजे एसडीआरएफ समेत रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। भोपाल, इंदौर, हरदा और उज्जैन से आए 200 लोगों की रेस्क्यू टीम भागीरथ के बोरवेल से निकालने की कोशिश में जुटी है। जानकारी मिलने पर उज्जैन पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा मौके पर पहुंच गए थे।

पुलिस अधीक्षक शर्मा ने बताया कि बोरवेल करीब 200 फीट गहरा है, जिसमें बच्चा 75 फीट की गहराई पर अटका है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की टीमें रेस्क्यू में जुटी हैं। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी यहां मौजूद हैं। पांच पोकलेन की मदद से समानांतर सुरंग बनाई जा रही है। बीच में चट्टानें आने से ड्रिलिंग बार-बार रुक रही है। बोरिंग में पानी आने से भी रेस्क्यू में परेशानी आ रही है।

महाराष्ट्र के नासिक आईटी कंपनी में धर्म परिवर्तन मामले की छानबीन की जाएगी: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि नासिक आईटी कंपनी में धर्म परिवर्तन मामले की गहन छानबीन की जाएगी और आरोपियों को कठोर सजा दिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित किया गया है, मामले की जांच सही दिशा में चल रही है।नासिक जिले के पुलिस अधीक्षक संदीप कर्णिक ने मीडिया को बताया कि शहर में एक मल्टीनेशनल आईटी कंपनी के ऑफिस में 8 महिला कर्मचारियों के साथ छेड़छाड़ और एक महिला कर्मी के साथ यौन उत्पीड़न का मामला देवलाली और मुंबई नाका पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। इन मामलों में पुलिस ने छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सहायक पुलिस आयुक्त संदीप मिटके की अध्यक्षता में एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित की गई है। इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़िता और संदिग्ध आरोपित 2022 से मुंबई नाका पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में चलने वाली एक मल्टीनेशनल कंपनी के ऑफिस में अलग-अलग पदों पर काम कर रहे थे। ऑफिस में काम करते समय आरोपित पीड़ित महिलाओं के साथ बदतमीजी करते थे और हिंदू धर्म के खिलाफ बात करते थे। एक पीड़िता का धर्म परिवर्तन कर उसके साथ यौन शोषण भी किया गया है।

भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए दूरदर्शन और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के बीच समझौता

नई दिल्ली। भारतीय संस्कृति की वैश्विक मंच पर पहचान को मजबूत करने की दिशा में दूरदर्शन (प्रसार भारती) ने भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता दूरदर्शन भवन में हुआ। इसमें दूरदर्शन के महानिदेशक के. सतीश नंबूदिरिपाद और आईसीसीआर की महानिदेशक के. नंदिनी सिंगला मौजूद रहे। भारतीय सांस्कृतिक सामग्री को वैश्विक स्तर पर अधिक व्यापक पहुंच देना है। आईसीसीआर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रस्तुतियों और आयोजनों की सामग्री उपलब्ध कराएगा। दूरदर्शन इस सामग्री का प्रसारण करेगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस साझेदारी का उद्देश्य दूरदर्शन (प्रसार भारती) के व्यापक टेलीविजन, रेडियो और डिजिटल नेटवर्क का लाभ उठाकर आईसीसीआर द्वारा उपलब्ध कराई गई सांस्कृतिक सामग्री की पहुंच को बढ़ाना है। इसमें विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों, वाणिज्य दूतावासों और भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम, साथ ही आईसीसीआर मुख्यालय और भारत भर में स्थित इसके क्षेत्रीय और क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा संचालित कार्यक्रम शामिल हैं। समझौते के तहत, आईसीसीआर सांस्कृतिक सामग्री और प्रस्तुतियां उपलब्ध कराएगा, जबकि दूरदर्शन (प्रसार भारती) टेलीविजन चैनलों, रेडियो नेटवर्क, ओटीटी प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया सहित विभिन्न प्लेटफार्मों पर उनका प्रसारण और प्रसार करेगा।

पश्चिम बंगाल विस चुनावः असदुद्दीन ओवैसी ने हुमायूं कबीर से तोड़ा गठबंधन, अकेले लड़ने का ऐलान

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने हुमायूं कबीर की पार्टी से गठबंधन तोड़ दिया है और राज्य में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

शुक्रवार तड़के सोशल मीडिया पर जारी बयान में पार्टी ने कहा कि वह किसी ऐसे विवाद या बयान से खुद को नहीं जोड़ सकती, जिससे मुस्लिम समुदाय के आत्मसम्मान पर प्रश्न उठे। बयान में स्पष्ट किया गया कि आज से हुमायूं कबीर की पार्टी के साथ गठबंधन समाप्त किया जाता है। इस फैसले को हुमायूं कबीर से जुड़े कथित 'गोपनीय वीडियो' विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि बयान में किसी विशेष घटना का उल्लेख नहीं किया गया, लेकिन राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि इसी विवाद के बाद दोनों दलों के बीच दूरी बढ़ी।गठबंधन टूटने पर प्रतिक्रिया देते हुए हुमायूं कबीर ने कहा कि ओवैसी अपना निर्णय लेने के लिए

स्वतंत्र हैं और वह इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि उनके मन में ओवैसी के प्रति व्यक्तिगत सम्मान पहले भी था और आगे भी रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि 25 मार्च को कोलकाता में हुई संयुक्त पत्रकार वार्ता में दोनों दलों ने साथ मिलकर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया था।हुमायूं कबीर ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी 182 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और प्रचार अभियान जारी रहेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी अच्छा प्रदर्शन करेगी और जनता का समर्थन मिलेगा। साथ ही, उन्होंने 'गोपनीय वीडियो' को लेकर आरोप लगाया कि यह कृत्रिम मेधा के माध्यम से तैयार किया गया है और इसकी सत्यता साबित न होने पर उच्च न्यायालय में जाने की चेतावनी दी। मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने अपने बयान में यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल में मुस्लिम समुदाय लंबे समय से गरीब, उपेक्षित और शोषित रहा है, और उनकी पार्टी का उद्देश्य ऐसे वर्गों को स्वतंत्र राजनीतिक आवाज देना है। इसी कारण पार्टी ने राज्य में किसी भी दल के साथ गठबंधन न कर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि पहले दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर माना जा रहा था कि यह राज्य में अल्पसंख्यक मतों के समीकरण को प्रभावित कर सकता है। हालांकि अब इस गठबंधन के टूटने से चुनावी समीकरण बदलने की संभावना जताई जा रही है।

नशे के खिलाफ जम्मू-कश्मीर प्रशासन का बड़ा एक्शन, 20 वरिष्ठ अधिकारी बने 'जिला मेंटर'

एजेंसी

जम्मू । जम्मू-कश्मीर में नशीले पदार्थों के बढ़ते दुष्प्रभाव को खत्म करने के उद्देश्य से प्रशासन ने मुहिम को तेज कर दिया है। सरकार ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक अहम कदम उठाते हुए सभी जिलों में नशा विरोधी गतिविधियों को सशक्त बनाने के लिए 20 वरिष्ठ अधिकारियों को 'जिला मेंटर' नियुक्त किया है। जम्मू-कश्मीर सरकार राज्य में लगातार हो रही नशीले पदार्थों की तस्करी पर नजर रखे हुए थी, जिसके बाद इन्होंने इस अभियान को और तेज करने के लिए 20 वरिष्ठ अधिकारियों को 'जिला मेंटर' नियुक्त किया है। ये अधिकारी अपने-अपने जिलों में जागरूकता अभियानों, प्रवर्तन उपायों, नशा मुक्ति केंद्रों की कार्यप्रणाली और सामुदायिक सहभागिता की निगरानी करेंगे। प्रशासन का उद्देश्य है कि विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर एक समग्र और प्रभावी रणनीति लागू की जाए। इस पहल से न केवल नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित होगी, बल्कि प्रभावित लोगों के पुनर्वास और समाज में पुनर्स्थापन को भी बल मिलेगा। सरकार को उम्मीद है कि यह 100 दिवसीय अभियान जम्मू-कश्मीर को नशा मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। इसी क्रम में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने एक उच्च स्तरीय बैठक में 'नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' के तहत आगामी 100-दिवसीय गहन अभियान की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। इस अभियान का मुख्य लक्ष्य केंद्र शासित प्रदेश से नशे के दुरुपयोग को जड़ से समाप्त करना और समाज को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक बनाना है। बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि अभियान को प्रभावी बनाने के लिए व्यापक रणनीति तैयार की जाए, जिसमें जागरूकता कार्यक्रमों, प्रवर्तन कार्रवाई और पुनर्वास सेवाओं को समान रूप से प्राथमिकता दी जाए।

पाकिस्तान में गुरुद्वारों के दर्शन के लिए भारतीय श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

एजेंसी

अमृतसर। खालसा साजना दिवस (वैसाखी) के पावन अवसर पर पाकिस्तान स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन के लिए पूरे भारत से करीब 2840 सिख श्रद्धालु शुक्रवार सुबह अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान के लिए रवाना हुए। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की ओर से लगभग 1763 श्रद्धालुओं का जत्था विशेष रूप से रवाना किया गया। इसके अलावा दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और हरियाणा कमेटी ओर अन्य राज्यों से श्रद्धालु भी इस जत्थे में शामिल हैं। इस तरह कुल 2840 श्रद्धालु पाकिस्तान में खालसा साजना दिवस मनाने और गुरुधामों के दर्शन के लिए जा रहे हैं।

एसजीपीसी की ओर से इस जत्थे की अगुवाई सदस्य सुरजीत सिंह तुगलवाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिख श्रद्धालु अपने गुरुधामों के दर्शनों के लिए गहरी श्रद्धा और आस्था रखते हैं। यह जत्था पाकिस्तान में स्थित गुरुद्वारा ननकाना साहिब, गुरुद्वारा श्री पंजा साहिब (हसन अब्दाल) सहित अन्य ऐतिहासिक गुरुद्वारों में मत्था टेकेगा और मुख्य समागम में भाग लेने के बाद 19 अप्रैल को भारत लौटेगा। श्रद्धालुओं को 10 दिन का वीजा दिया गया है। एसजीपीसी के अधिकारियों ने

बताया कि इस जत्थे के लिए 1795 पासपोर्ट पाकिस्तान दूतावास को भेजे गए थे, जिनमें से 1763 को वीजा जारी किया गया, जबकि 32 श्रद्धालुओं के वीजा आवेदन खारिज कर दिए गए। जिन श्रद्धालुओं को वीजा नहीं मिल पाया, उनमें निराशा देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने इस मौके पर दोनों देशों की सरकारों से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को वीजा दिया जाए, ताकि हर कोई अपने गुरुधामों के दर्शन कर सके। साथ ही उन्होंने करतारपुर कॉरिडोर को और सुविधाजनक बनाने और पाकिस्तान सरकार द्वारा लगाए गए 20 डॉलर शुल्क को समाप्त करने की मांग भी उठाई इस मौके पर एसजीपीसी के सचिव कुलवंत सिंह मन्नन ने बताया कि 14 अप्रैल को खालसा साजना दिवस के उपलक्ष्य में यह यात्रा आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि यह 10 दिनों की धार्मिक यात्रा है, जिसमें श्रद्धालु पाकिस्तान के विभिन्न गुरुद्वारों में माथा टेकेंगे और खुशी-उत्साह के साथ वापस लौटेंगे। वहीं, जत्थे के नेता सुरजीत सिंह तुगलवाल ने कहा कि गुरु नानक देव जी की पावन धरती ननकाना साहिब और पंजा साहिब पर मत्था टेकना हर सिख के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने मानवता, एकता और भाईचारे का संदेश दिया और लंगर की परंपरा शुरू कर समाज को समानता का मार्ग दिखाया। उन्होंने अरदास की कि सच्चे पातशाह पूरी मानवता और सिख पंथ को चढ़दी कला में रखें और सभी को खुशहाली प्रदान करें।

इस बार जत्थे में एक अहम पहलू यह भी है कि करीब 200 अकेली महिलाओं को भी वीजा जारी किया गया है, जो बिना किसी पारिवारिक सदस्य के इस धार्मिक यात्रा पर जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि पहले एसजीपीसी की ओर से कहा गया था कि अकेली महिलाओं को जत्थे के साथ नहीं भेजा जाएगा, लेकिन इस बार बड़ी संख्या में महिलाओं को अनुमति दी गई है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष एक विवाद सामने आया था।

मप्र में 26 आईएएस अधिकारियों का तबादला, 14 जिलों के कलेक्टर बदले

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में राज्य शासन ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 26 अधिकारियों का तबादला करते हुए उनकी नवीन पदस्थापना की गई है। इस संबंध में गुरुवार की रात सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार, जिन आईएएस अधिकारियों का तबादला किया है, उनमें 14 जिलों के कलेक्टरों को इधर से उधर किया गया है। इनमें धार जिले के कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को भोपाल जिला कलेक्टर की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि मौजूदा भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को मुख्यमंत्री कार्यालय में सचिव पद के साथ आयुक्त सह-संचालक, नगर एवं ग्राम निवेश का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है वहीं, लोक शिक्षण संचालनालय की आयुक्त और स्कूल शिक्षा विभाग की पदेन सचिव शिल्पा गुप्ता को हटाकर गृह विभाग में सचिव बनाया गया है। वहीं, उनकी जगह पर गृह विभाग में सचिव अभिषेक सिंह को आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय पदस्थ किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, तबादला सूची में महिला अधिकारियों को भी अहम जिम्मेदारियां दी गई हैं। इंदौर लोक सेवा आयोग की सचिव राखी सहाय को उमरिया कलेक्टर, सहकारिता विभाग की उप सचिव शीला दाहिमा को श्योपुर कलेक्टर और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की उप सचिव बिदिशा मुखर्जी को मैहर

कलेक्टर बनाया गया है। इसके अलावा, नेहा मीना को झाबुआ से स्थानांतरित कर सिवनी कलेक्टर तथा प्रतिभा पाल को रीवा से सागर कलेक्टर की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, नर्मदापुरम की कलेक्टर सोनिया मीना को हटाकर वित्त विभाग में अपर सचिव और सिवनी कलेक्टर शीतला पटले को लोक सेवा आयोग में सचिव बनाया गया है। मैहर कलेक्टर रानी बाटड़ को सहकारिता विभाग में उपसचिव बनाया है।

नर्मदापुरम संभाग के आयुक्त को हटाया

नर्मदापुरम संभाग के आयुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी को हटा कर आयुक्त सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण बनाया गया है। उनकी जगह पर आयुक्त सह संचालक नगर तथा ग्राम निवेश श्रीकांत बनोठ को आयुक्त नर्मदापुरम संभाग बनाया गया है। वहीं, शिवपुरी जिले के कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी को नर्मदा घाटी विकास विभाग में अपर सचिव बनाया गया है, जबकि उमरिया कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन को विमानन विभाग का अपर सचिव पदस्थ किया गया है। सागर कलेक्टर संदीप जी आर को विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी सह श्रम आयुक्त इंदौर, दमोह कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर को मुख्यमंत्री कार्यालय में उप सचिव तथा पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन के संचालक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसके अलावा विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी सह आयुक्त-सह संचालक संस्थागत वित्त तथा संचालक, बजट राजीव रंजन मीना को धार कलेक्टर, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग के उप सचिव प्रताप नारायण यादव को दमोह कलेक्टर, नर्मदा घाटी विकास विभाग तथा जल संसाधन के उप सचिव का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे राहुल नामदेव धोटे को मंडला कलेक्टर, आयुष्मान भारत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी योगेश तुकाराम भरसट को झाबुआ कलेक्टर, नगर पालिक निगम रीवा के आयुक्त डॉ.सौरभ संजय सोनवणे को बैतूल कलेक्टर बनाया गया है। इसी प्रकार श्योपुर कलेक्टर अर्पित वर्मा को शिवपुरी कलेक्टर, झाबुआ कलेक्टर नेहा मीना को सिवनी कलेक्टर, मंडला कलेक्टर सोमेश मिश्रा को नर्मदापुरम कलेक्टर, धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को भोपाल कलेक्टर, बैतूल कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी को रीवा कलेक्टर, रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल को सागर कलेक्टर की कमान सौंपी गई है।

महाकुंभ की वायरल गर्ल मोनालिसा निकली नाबालिग, एनसीएसटी की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले की पारधी जनजाति से जुड़ी युवती मोनालिसा के मामले में नया मोड़ सामने आया है। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की जांच में युवती को नाबालिग बताया गया है। दावा किया गया है कि केरल में संपन्न विवाह के समय उसकी उम्र 18 वर्ष से कम थी। मामले के अनुसार, अधिवक्ता प्रथम दुबे ने 17 मार्च 2026 को आयोग के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की थी। इसके बाद आयोग के निर्देश पर गठित जांच दल ने केरल से लेकर महेश्वर तक दस्तावेजों और तथ्यों की पड़ताल की। एनसीएसटी ने खुलासा करते हुए जानकारी दी कि आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य के नेतृत्व में एनसीएसटी के पूर्व न्यायाधीश व सलाहकार प्रकाश उइके के मार्गदर्शन में अधिवक्ता प्रथम दुबे द्वारा की गई कानूनी पैरवी ने यह साबित कर दिया है कि जिस युवती को बालिग बताकर विवाह कराया गया था, वह वास्तव में पारधी जनजाति समुदाय की एक नाबालिग लड़की है।जांच के दौरान महेश्वर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रिकॉर्ड में युवती की जन्म तिथि 30 दिसंबर 2009 पाई गई। इसके आधार पर 11 मार्च 2026 को हुए विवाह के समय उसकी उम्र करीब 16 वर्ष बताई गई है। जांच में यह भी सामने आया कि केरल में विवाह पंजीयन के लिए उपयोग किए गए जन्म प्रमाण पत्र में अलग जन्म तिथि दर्ज थी। जांच टीम ने इसे संदिग्ध बताते हुए संबंधित दस्तावेजों के आधार पर निरस्त कराने के निर्देश दिए जाने की बात कही है। आयोग की अनुशंसा के बाद गुरुवार की रात महेश्वर थाने पर अपहरण सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किए जाने की जानकारी दी गई है। पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इंदौर आईजी अनुराग ने बताया कि उक्त मामले में एफआईआर दर्ज हो चुकी है, आगे विवेचना की जा रही है। राजनीतिक व अन्य पहलुओं पर भी सवाल उठाए गए हैं। इस विवाह को लेकर कुछ संगठनों और राजनेताओं की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और संबंधित पक्षों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। आयोग और पुलिस की विस्तृत रिपोर्ट सार्वजनिक होना अभी बाकी है। इस खुलासे के बाद आयोग अब दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। आयोग ने 22 अप्रैल 2026 को केरल एवं मध्य प्रदेश के डीजीपी को आयोग मुख्यालय नई दिल्ली तलब किया है।

आईपीएल में आज सीएसके पर जीत के इरादे से उतरेगी कैपिटल्स

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को होने वाले दूसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से होगा। इस मैच में सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ अपने घरेलू मैदान पर टीम को जीत दिलाना चाहेंगे। अब तक सीएसके ने इस सत्र में एक भी मैच नहीं जीता है। उसके गेंदबाजों और बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे टीम मुश्किल में है। इस मैच में उसके पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के खेलने की संभावना है। अगर धोनी खेलते हैं तो ये सीएसके लिए काफी फायदेमंद होगा। वहीं दूसरी ओर अक्षर पटेल की कप्तानी में उतर रही दिल्ली कैपिटल का प्रदर्शन सीएसके से अच्छा रहा है। ऐसे में उसके हौंसले बुलंद हैं।

सीएसएके के लिए इस सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। टीम अपने शुरुआती मैच में आरसीबी और पंजाब किंग्स से हारी है। टीम की बल्लेबाजी ही नहीं गेंदबाजी भी कमजोर रही है। वहीं कैपिटल्स ने सत्र की शुरुआत बेहतर तरीके से की है। उसने अपने पहले तीन मैचों में से 2 में जीत हासिल की है। उसे लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत मिली जबकि गुजरात टाइटन्स से उसे केवल एक रन से ही हार मिली।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों के बीच अबतक हुए पिछले 31 के मुकाबलों में, दिल्ली ने 12 जीत दर्ज की हैं, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने 19 जीत हासिल की हैं।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स- ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), आयुष म्हात्रे, सरफराज खान, शिवम दुबे, प्रशांत वीर, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, खलील अहमद, मैट हेनरी

दिल्ली कैपिटल्स- अक्षर पटेल (कप्तान), पथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश राणा, समीर रिजवी, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, विप्राज निगम, कुलदीप यादव, टी नटराजन, लुंगी एनगिडी

ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में बदलाव , अंगकृश रघुवंशी और अजिंक्य रहाणे शीर्ष पांच में शामिल

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच खेले हुए आईपीएल मुकाबले के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के दावेदारों में बदलाव आये हैं। अब राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी और मुम्बई के रोहित शर्मा शीर्ष पांच से बार हो गये हैं। वहीं। केकेआर के अंगकृश रघुवंशी और कप्तान अजिंक्य रहाणे अपनी अच्छी पारियों की बदौलत शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्रिंस यादव को लाभ हुआ है।

ऑरेंज कैप की सुची में में राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहले स्थान पर हैं। उन्होंने अभी तक खेले 3 मुकाबलों में 163.46 के स्ट्राइक रेट के साथ 170 रन बनाये हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी और केकेआर के अंगकृश रघुवंशी दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। शीर्ष पांच बल्लेबाजों में सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन और केकेआर के अजिंक्य रहाणे चौथे और पांचवे नंबर पर हैं।

पर्पल कैप की सूची में राजस्थान रॉयल्स के स्टार स्पिनर रवि बिश्नोई नंबर एक पर बने हुए हैं।उन्होंने इस लीग में अभी तक तीन मैचों में 7 विकेट लिए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान के साथ-साथ दिल्ली कैपिटल्स के लुंगी एनगिडी और राजस्थान रॉल्यस के नंद्रे बर्गर शीर्ष-5 में शामिल हैं। लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्रिंस यादव 5 विकेट के साथ 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं केकेआर के वैभव अरोड़ा 9वें पायदान पर हैं।

थर्ड अंपायर के पास जाना चाहिए था फैसला, रोवमन पॉवेल ने दिग्वेश राठी के कैच पर उठाए सवाल

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बीच ईडन गार्डेन्स में एक रोमांचक मुकाबला खेला गया जिसे एलएसजी ने मुकुल चौधरी की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर 3 विकेट से जीता। केकेआर की पारी के दौरान सलामी बल्लेबाज फिन एलन का कैच एलएसजी के स्पिनर दिग्वेश राठी ने पकड़ा था जिस पर विवाद हुआ था। मैच के बाद रोवमन पॉवेल ने कहा कि इसे तीसरे अंपायर को भेजा जाना चाहिए था।

रोवमैन ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिपोर्टर्स से कहा, 'यह उनकी तरफ से एक बड़ी गलती थी, लेकिन हम इस पर गौर नहीं करेंगे और यह नहीं कहेंगे कि आज रात हमें दो पॉइंट्स का नुकसान हुआ, लेकिन मैदान पर मौजूद अंपायरों को फैसला थर्ड अंपायर को भेजना चाहिए था।'

केकेआर की पारी का दूसरा ओवर प्रिंस यादव कर रहे थे। ओवर की चौथी गेंद प्रिंस ने बैक-ऑफ-ए-लेंथ डिलीवरी फेंकी, और फिन एलन ने उसे लाइन के पार मारा, लेकिन टॉप एज लग गया। बॉल थर्ड मैन पर खड़े दिग्वेश के पास गई। ऐसा लगा कि बॉल दूर तक जाएगी, लेकिन राठी ने खुद को बाउंड्री लाइन के किनारे पर संभाला और दोनों हाथों से कैच लेने के लिए अपनी बाईं ओर खड़े हो गए। राठी बाउंड्री लाइन के बहुत करीब थे, और अंपायर जो कुछ भी हुआ उससे खुश लग रहे थे। एलन को आउट दिया गया। फैसला थर्ड अंपायर को नहीं भेजा गया, और बाद में रिप्ले से पता चला कि राठी ने शायद कुशन पर पैर रख दिया था। हालांकि, रिप्ले से कुछ भी पक्का पता नहीं चल सका।

आईपीएल में आज होगा पंजाब और सनराइजर्स का मुकाबला

मुल्लांपुर (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को को होने वाले पहले मुकाबले में पंजाब किंग्स का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की पंजाब का लक्ष्य इस मैच में भी अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखना रहेगा। पंजाब ने अभी तक इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। उसने तीन में से अपने दो मैच जीते हैं वहीं उसका एक मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था। पंजाब ने इस सत्र में 200 रन से अधिक रनों का लक्ष्य भी आसानी से हासिल कर लिया था।

टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अब तक के मैचों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह के अलावा कूपर कोनोली ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं गेंदबाजी में विजयकुमार वैशाक ने प्रभावी प्रदर्शन किया है।

वहीं दूसरी ओर ईशान किशन की कप्तानी में सनराइजर्स अभी तक केवल एक मैच ही जीत पायी है। टीम की ताकत उसकी बल्लेबाजी है पर उसके बल्लेबाज इस सत्र में असफल रहे हैं। सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा भी अबतक असफल रहे हैं। उसके प्रमुख गेंदबाज

हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट भी अबतक प्रभावी नहीं रहे हैं। केवल नीतीश कुमार रेड्डी और हेनरिक क्लासेन ही अब तक सफल रहे हैं। स्पिनर हर्ष दुबे ने पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन बनाये रखा है।

आईपीएल इतिहास में अब तक दोनों टीमों के बीच कुल 23 मैच खेले गए हैं। इसमें पंजाब किंग्स ने 7 तो हैदराबाद ने 17 मुकाबलों में जीत हासिल की है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), अर्शदीप सिंह, प्रियांश आर्य, पाइला अविनाश, अजमतुल्लाह उमरजई, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, कूपर कोनोली, प्रवीण दुबे, बेन ड्वारशुइस, लॉकी फर्ग्यूसन, हरनूर सिंह, हरप्रीत बराड़, मार्को यानसन, मुशीर खान, विशाल निशाद, मिचेल ओवेन, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, विष्णु विनोद, विजयकुमार वैश्यक, नेहल वढेरा, यश ठाकुर।

सनराइजर्स हैदराबाद- ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी।

यूईएफए यूरोपा लीग-क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में ब्रागा और रियल बेटिस के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ रहा

ब्रागा। यूईएफए यूरोपा लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में ब्रागा और रियल बेटिस के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। एस्टाडियो म्युनिसिपल डे ब्रागा में खेले गए इस मैच में दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। मैच की शुरुआत में ब्रागा ने आक्रामक अंदाज अपनाया और इसका फायदा उन्हें जल्दी ही मिल गया।

डिएगो रोड्रिग्स के कॉर्नर पर फ्लोरियन ग्रिलिट्श ने शानदार फ्लिक के जरिए गोल दागते हुए टीम को बढ़त दिलाई। इस शुरुआती गोल ने घरेलू टीम को आत्मविश्वास दिया और उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। हालांकि, रियल बेटिस ने धीरे-धीरे वापसी की कोशिश की। 24वें मिनट में मार्क बार्ट्रा ने हेडर के जरिए बराबरी का मौका बनाया, लेकिन गेंद पोस्ट से टकराकर बाहर चली गई। इसके बाद भी बेटिस ने दबाव बनाए रखा और ब्रागा के गोलकीपर लुकास हॉर्निसेक को कई बार सतर्क रहना पड़ा, खासकर कुचो हर्नांडेज के क्लोज-रेंज हेडर को रोकते समय। दूसरे हाफ में मैच और रोमांचक हो गया। बेटिस ने आक्रमण को तेज करने के लिए बदलाव किए, जिसमें विंगर एंटनी को मैदान पर उतारा गया। हालांकि, ब्रागा ने भी मौके बनाए और ग्रिलिट्श का एक शॉट गोलकीपर पाऊ लोपेज ने शानदार तरीके से बचाया। मैच का टर्निंग पॉइंट तब आया जब ब्रागा के जीन-बैप्टिस्ट गोर्बी ने बॉक्स में फाउल कर दिया, जिससे बेटिस को पेनल्टी मिली।

भारत के खिलाफ टेस्ट में राशिद के बिना ही उतरेगी अफगानिस्तान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान की टीम को जून में भारत के खिलाफ मुल्लांपुर में होने वाले होने वाले एकमात्र टेस्ट में अपने स्टार स्पिनर राशिद खान के बिना ही उतरना होगा। इसका कारण है कि राशिद को डॉक्टर ने सलाह दी है उन्हें अपनी कमर को आराम देना होगा। आजकल आईपीएल खेल रहे राशिद से डॉक्टर ने कहा है कि अगर वह अपना करियर लंबा करना चाहते हैं तो टेस्ट क्रिकेट से दूर रहें। इसी कारण राशिद मैच से बाहर रहेंगे। राशिद का कहना है कि उनकी प्राथमिकता साल 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए फिटनेस हासिल करना है। राशिद ने साल 2023 वनडे विश्व कप के बाद कमर की सर्जरी कराई थी। उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी थी पर इसके बाद भी पिछले साल उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ एक टेस्ट खेलकर 54 ओवर किये थे।

राशिद के अनुसार डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने के लिए ही कहा था। इसके बावजूद उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट खेला। उन्होंने कहा, एकदिवसीय क्रिकेट में मुझे मजा आता है और मैं अफगानिस्तान के लिए लंबे समय तक खेल सकता हूं पर फिलहाल अपनी कमर को आराम देना चाहता हूं जिससे कि उसपर अधिक दबाव न पड़े। आईपीएल के बाद भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के बारे में खेलने को लेकर राशिद ने कहा कहा, ये काफी कठिन सवाल है। मैं 2025 में एक टेस्ट खेल चुका हूं और अब विश्व कप की तैयारी करूंगा। ऐसे में एक टेस्ट खेलकर अपना करियर खतरे में नहीं डाला जा सकता।

हार से निराश रहाणे बोले, मुकुल ने हमसे मैच छीन लिया

कोलकाता। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणे ने लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा कि इस प्रकार की हार को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। केकेआर को इस सत्र में सभी तीन मैचों में हार झेलनी पड़ी है जबकि एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। सुपरजायंट्स के खिलाफ उसे मैच की अंतिम गेंद पर हार मिली। इस मैच में एक समय केकेआर काफी अच्छी स्थिति में थी पर मुकुल चौधरी ने अंतिम ओवरों में अर्धशतक लगाकर मैच पलट दिया। हार को लेकर रहाणे ने कहा, 'इसे स्वीकार करना थोड़ा मुश्किल क्योंकि अंत तक हम मैच में बने हुए थे। मुकुल ने अंत में जबरदस्त शॉट खेलकर मैच हमसे छीन लिया। ऐसे करीबी मैचों में ज्यादा कमियां नहीं निकाली जा सकतीं।' उन्होंने कहा, 'फील्डिंग में शायद एक-दो गलतियां हुईं पर हमारे गेंदबाजों ने अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से निभाई। हारने के बाद कमियां निकालना आसान होता है। हमें लगा था कि इस पिच पर 180-185 का स्कोर अच्छा था क्योंकि बड़े शॉट खेलना आसान नहीं था। धीमी गेंदें रुक कर आ रही थीं इसलिए बल्लेबाजी करना कठिन था।' रहाणे ने कहा, 'मुझे लगा कि 18 ओवर तक हम बहुत अच्छी स्थिति में थे पर अंत के दो ओवरों में स्थिति खराब हो गयी क्योंकि मुकुल ने मैच पलट दिया। हमारी गेंदबाजी अच्छी थी पर मुकुल ने उससे भी अच्छी बल्लेबाजी की और उसे जीत का श्रेय मिलना ही चाहिये।'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने की भविष्यवाणी, आईपीएल खिताब का बचाव कर सकती है आरसीबी

फरीदाबाद (हरियाणा) (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंजुम चोपड़ा ने पूरा भरोसा जताया है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) अपना इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) खिताब बचाने में सक्षम है। मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी सफल फ्रेंचाइजी से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि प्लेऑफ में पहुंचने के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना ही सबसे जरूरी है। RCB ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 2025 IPL के फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर अपना पहला IPL खिताब जीता था जिससे ट्रॉफी के लिए उनका 18 साल का इंतजार खत्म हो गया था।

चोपड़ा ने आगे कहा कि जो टीमें शुरुआत में ही लय पकड़ लेती हैं और अपनी फॉर्म बरकरार रखती हैं, वे आखिर तक जा सकती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस सीजन में कोई नया चैंपियन भी उभर सकता है, और RCB भी अपना खिताब बचा सकती है। बात करते हुए अंजुम चोपड़ा ने कहा, 'हां, वे निश्चित रूप से ऐसा कर सकते हैं। मुंबई ने ऐसा किया है, चेन्नई ने ऐसा किया है, RCB भी ऐसा कर सकती है। और फिर से, जो टीम लगातार अच्छा खेलेगी, वह प्लेऑफ में पहुंचेगी। प्लेऑफ में पहुंचने वाली सभी टीमें वहीं से शुरुआत करती हैं, जहां उन्होंने पिछली बार छोड़ा था इसलिए वे निश्चित रूप से ऐसा कर सकती हैं। कोई नया चैंपियन भी बन सकता है और RCB भी अपना IPL खिताब बचा सकती है।'

चोपड़ा का मानना है कि RCB इस सीजन में सबसे ज्यादा व्यवस्थित टीम लग रही है और मौजूदा चैंपियन होने के नाते अपनी मजबूत लय को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने न केवल वहीं से शुरुआत की है जहां उन्होंने पिछले साल छोड़ा था बल्कि मौजूदा सीजन में वे और भी ज्यादा प्रभावशाली और संतुलित नजर आ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, 'RCB अच्छी लग रही है, वे सबसे ज्यादा व्यवस्थित टीम लग रही हैं क्योंकि वे मौजूदा चैंपियन हैं। उन्होंने वहीं से शुरुआत की है जहां उन्होंने पिछले सीजन में छोड़ा था। असल में इस सीजन में वे और भी बेहतर लग रहे हैं।' RCB ने 2026 IPL के अपने दोनों शुरुआती मैच जीते हैं और अब वह पॉइंट्स टेबल में चार अंकों और +2.501 के शानदार नेट रन रेट (NRR) के साथ तीसरे स्थान पर है।

चोपड़ा को यह भी लगा कि पंजाब किंग्स (PBKS) भी जबरदस्त फॉर्म में है, पिछले सीजन में फाइनल तक पहुंचने की वजह से उन्हें ठीक-ठीक पता है कि उस अनुभव का फायदा उठाकर आगे कैसे बढ़ना है। उन्होंने कहा, 'पंजाब भी बहुत अच्छी दिख रही है। उन्होंने पिछले साल फाइनल भी खेला था, इसलिए उन्हें पता है कि उनका सफर कहां खत्म हुआ था और उन्हें दोबारा कहां से शुरुआत करनी है। उन्होंने शुरुआत भी अच्छी की है।' PBKS ने भी 2026 IPL सीजन की शुरुआत ज़ोरदार तरीके से की है। उन्होंने अपने तीन मैचों में से दो में जीत हासिल की, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा। IPL पॉइंट्स टेबल में पंजाब 5 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है।

जोनाथन क्रिस्टी को हराकर आयुष शेट्टी ने किया उलटफेर, सेमीफाइनल में पहुंचे

निंगबो (चीन)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने शुक्रवार को बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी जोनाथन को हराकर बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। आज यहां टॉप-4 में जगह बनाने के साथ ही आयुष शेट्टी 2018 में एच.एस.प्रणय के बाद इस कॉन्टिनेंटल टूर्नामेंट में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एकल बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए हैं। यह 2023 में विराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के पुरुष डबल्स गोल्ड मेडल के बाद बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत का पहला मेडल भी होगा। पुरुष एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 25वें स्थान पर मौजूद आयुष शेट्टी ने क्वार्टर-फ़ाइनल में इंडोनेशिया के ओलंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया। पहला गेम बेहद कड़ा रहा, जिसमें कोई भी खिलाड़ी निर्णायक बढ़त नहीं बना पाया। पूर्व एशियाई चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी 11-10 की मामूली बढ़त के साथ मिड-गेम ब्रेक में गए। जोनाथन क्रिस्टी 18-15 की बढ़त बनाकर मैच पर नियंत्रण बनाते दिख रहे थे और उन्हें गेम पॉइंट भी मिल गया था, लेकिन आयुष शेट्टी ने जोरदार वापसी की और मैच को टाई-ब्रेक में ले जाकर पहला गेम जीत लिया। दूसरा गेम भी उतना ही कड़ा रहा। आयुष शेट्टी 11-9 की मामूली बढ़त के साथ ब्रेक में गए, जिसके बाद उन्होंने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत की और जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह पहली भिड़ंत थी, जिसमें आयुष शेट्टी ने जोनाथन क्रिस्टी के खिलाफ़ अपनी पहली जीत दर्ज की। इससे पहले टूर्नामेंट में, आयुष शेट्टी ने पहले राउंड में दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी और मौजूदा एशियाई खेलों के चैंपियन ली शी फ़ेंग को चौंका दिया था। इसके बाद उन्होंने चीनी ताइपे के ची यू जेन को हराकर क्वार्टर-फ़ाइनल में जगह बनाई थी। सेमीफाइनल में, आयुष शेट्टी का मुकाबला थाईलैंड के पेरिस 2024 रजत पदक विजेता कुनलावुत विटिडसर्न और चीन की एशियाई खेलों की गोल्ड मेडल विजेता पुरुष टीम के सदस्य वेंग होंगयांग के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

हॉकी इंडिया का बड़ा निर्णय, टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाया

नई दिल्ली(एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाने की घोषणा की। ऑस्ट्रेलियाई हाई-परफॉर्मेंस कोच व्हाइट ने हाल ही में जनवरी में हॉकी इंडिया लीग में अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स के हेड कोच के तौर पर काम किया था। वह भारत महिला हॉकी की अगली पीढ़ी को तैयार करने के लिए मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा, 'हम टिम व्हाइट को टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं। बेल्जियम और ऑस्ट्रेलियाई जूनियर कार्यक्रम के साथ उनका पुराना रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ कहता है, खासकर जूनियर विश्व कप में टीमों को पोडियम फिनिश तक ले जाने में उनकी सफलता। हमारा मानना है कि हाई-परफॉर्मेंस कोचिंग और एथलीट विकास में उनका बहुत बड़ा अनुभव हमारी जूनियर महिलाओं को सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी की चुनौतियों के लिए तैयार करने में बहुत जरूरी होगा।'

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'टिम की नियुक्ति हमारी जूनियर टीमों को विश्व स्तरीय कोचिंग देने के हमारे लक्ष्य से मेल खाती है। जूनियर से सीनियर हॉकी में बदलाव एक अहम दौर है, और हमें विश्वास है कि टिम के निर्देशन में हमारे युवा एथलीट सबसे ऊंचे लेवल पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जरूरी तकनीकी परिपक्वता हासिल करेंगे।

व्हाइट ने अपनी नियुक्ति पर कहा, 'हाल ही में तमिलनाडु ड्रैगन्स के कोच के तौर पर इंडिया में समय बिताने के बाद, मैं देश के जबरदस्त पैशन और समृद्ध हॉकी संस्कृति से वापस आया। मैंने जूनियर वर्ल्ड कप में इंडिया के खिलाफ कोचिंग करते हुए यहां बहुत सारी युवा प्रतिभाएं देखीं। ऐसे एथलीट्स के साथ फुल-टाइम काम करने का मौका मिलना एक विशेषाधिकार की तरह है। मेरा लक्ष्य तकनीकी रूप से मजबूत खिलाड़ियों को तैयार करना है जो गैप को भरने और सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए तैयार हों।'

टीम के प्रति अपने विजन के बारे में उन्होंने कहा, 'मैं गेम को सिंपल रखना चाहता हूं और सामूहिक साथ ही व्यक्तिगत मजबूती पर फोकस करना चाहता हूं। हमारा लक्ष्य एक ऐसी टीम बनना होगा जो आक्रामक हॉकी को अहमियत दे लेकिन अपने रक्षात्मक खेल में भी अनुशासित रहे। यह जरूरी है कि हम पूरे 60 मिनट तक उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने के लिए शारीरिक रूप से कड़ी मेहनत करें। 'टीम-फर्स्ट' की अवधारणा को आगे रखते हुए हम किसी भी अंतरराष्ट्रीय चुनौती के लिए अच्छी तरह तैयार रहेंगे।'

व्हाइट की नियुक्ति को भारत में जूनियर हॉकी को आधुनिक तकनीक और अनुशासन को शामिल करने के लिए एक रणनीतिक कदम के तौर पर देखा जा रहा है। उनके बैकग्राउंड में हॉकी ऑस्ट्रेलिया के लिए नेशनल जूनियर कोच के तौर पर काम करना और यूरोप में हाई-परफॉर्मेंस पाथवे की देखरेख करना शामिल है।

व्हाइट के कोचिंग करियर में बेल्जियम में हाल की सफलता और ऑस्ट्रेलिया के साथ पिछला अनुभव शामिल है। भारत आने से पहले, उन्होंने बेल्जियम अंडर-21 महिला टीम के कोच के तौर पर काम किया, और दिसंबर में 2025 जूनियर वर्ल्ड कप में उन्हें कांस्य पदक दिलाया था।

2021 और 2024 के बीच, वह बेल्जियम की महिला राष्ट्रीय टीम के कोचिंग स्टाफ का भी एक अहम हिस्सा थे। इस दौरान टीम ने विश्व रैंकिंग में काफी सुधार किया और 12 वें से 3 पर आ गई। 2024 पेरिस ओलंपिक गेम्स में सेमीफाइनल में जगह बनाने में कामयाब रही।

अपने करियर की शुरुआत में, वह ऑस्ट्रेलिया के लिए राष्ट्रीय जूनियर कोच के पद पर थे, जहां टीम ने जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीता था।

बिली जीन किंग कप : इंडोनेशिया से हारा भारत, कोरिया की जीत का सिलसिला जारी

नई दिल्ली। बिली जीन किंग कप ग्रुप-ढ्ढ एशिया/ओशिआना मुकाबलों में भारत को गुरुवार को इंडोनेशिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में खेले गए इस मुकाबले में इंडोनेशिया ने दोनों सिंगल्स मैच जीतकर अजेय बढ़त हासिल कर ली। पहले सिंगल्स मुकाबले में वैष्णवी अडकर को प्रिस्का मैडेलिन नुग्रोहो के खिलाफ कड़े मुकाबले में 7-6(3), 6-7(3), 6-3 से हार झेलनी पड़ी। मैच काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां अडकर ने दूसरे सेट में वापसी करते हुए मुकाबला निर्णायक सेट तक पहुंचाया, लेकिन तीसरे सेट में इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने बाजी मार ली। दूसरे सिंगल्स में सहजा यमलापल्ली को जेनिस त्जेन के खिलाफ 6-2, 6-1 से एकतरफा हार का सामना करना पड़ा, जिससे इंडोनेशिया ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। खबर लिखे जाने तक रुतुजा भोसले और अंकिता रैना इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ डबल्स मुकाबला खेल रही थीं। अन्य मुकाबलों में कोरिया गणराज्य ने न्यूजीलैंड को हराकर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। दायोन बैक ने वैलेंटिना इवानोव को 7-5, 6-3 से हराया, जबकि सोह्युन पार्क ने मोनिक बैरी को 6-0, 6-1 से हराकर टीम की जीत पक्की कर दी। कोरिया और इंडोनेशिया दोनों ही टीमें अब तक अपने सभी मुकाबले जीतकर तालिका में शीर्ष पर बनी हुई हैं। वहीं थाईलैंड ने भी शानदार वापसी करते हुए मंगोलिया को 3-0 से क्लीन स्वीप किया। थासापोर्न नाकलो ने अनु-वजिन गैंटोर को 6-1, 6-0 से हराया, जबकि पाचारिन चीपचांदेज ने खोंगोरजुल अलदारखिशिग को समान स्कोर से मात दी।

'हेरा फेरी 3' में देरी की अफवाहों को परेश रावल ने किया खारिज

फिल्म 'हेरा फेरी 3' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है। फैंस इस फिल्म को लेकर जिस बेकरारी से इंतजार कर रहे हैं, इसे लेकर उतनी ही तरह-तरह की अफवाहें आती रहती हैं। फिल्म को लेकर बीते दिनों ऐसी खबरें आईं कि इसमें देरी होगी। मगर, अब परेश रावल ने इस पर बात की और ऐसी अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने फिल्म की शूटिंग पर भी अपडेट दिया।

जल्द शुरू करेंगे शूटिंग

परेश रावल ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' के प्रमोशन के दौरान फिल्म 'हेरा फेरी 3' में देरी होने की अफवाहों को खारिज कर दिया। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि जिस सीक्वल का बेसब्री से इंतजार हो रहा था, वह जरूर बनेगा। अभिनेता ने मनी कंट्रोल से बात करते हुए कहा, 'किसी भी बात पर ध्यान न दें। 'हेरा फेरी 3' आ रही है। मैं जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू करूंगा'।

कब रिलीज होगी 'भूत बंगला'

बता दें कि इस फिल्म का एलान बीते वर्ष हुआ था। तब से ही 'हेरा फेरी 3' सुर्खियों में छाई हुई है। पहले ऐसी चर्चा थी कि परेश रावल ने इस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया है, लेकिन अब वे इस फ्रैंचाइजी के साथ फिर से जुड़ गए हैं। परेश रावल के 'हेरा फेरी 3' छोड़ने के बाद यह खबर फैल गई कि अक्षय ने उन पर 25 करोड़ रुपये के हर्जाने का मुकदमा किया है। उन्होंने समय रहते चीजों को सुलझा लिया, जिसके चलते अक्षय को मामला वापस लेना पड़ा। बात करें 'भूत बंगला' की तो यह फिल्म 16 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसमें अक्षय कुमार लीड रोल में हैं। 'भूत बंगला' हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इसका निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। इस फिल्म में अक्षय और प्रियदर्शन ने 14 साल बाद काम किया है। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, असरानी, मिथिला पालकर और वामिका गब्बी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

ऐक्ट्रेस न होती, तो जानवरों को रेस्क्यू कर रही होती

वामिका के बारे में सभी जानते हैं कि वे एनिमल लवर भी हैं। असमय -साम्य पर वे जानवरों के हक़ में आवाज बुलंद करती रहती हैं। वे कहती हैं, 'अगर मैं अभिनय न कर रही होती, तो यकीनन जानवरों को रेस्क्यू कर रही होती। मैं एक एनिमल लवर हूं और मुझे उनके बीच उन्हीं की तरह रहना पसंद है। मेरे पास 6 डॉग हैं मैंने इन्हें कोविड के दौरान रेस्क्यू किया था। मेरे कुत्तों का नाम है, फोबे, मिल्ली, जूली, फ्लुकी, गब्बर और मोमो।

वो लड़की नहीं बनूंगी जो 40 साल में भी एक्टिंग में कुछ कर न पाए

पंजाबी फिल्मों की हीरोइन रही वामिका गब्बी के लिए बॉलिवुड का सफर आसान नहीं रहा। हिंदी फिल्मों में छोटी-छोटी भूमिकाएं करने वाली वामिका ने मुख्यधारा की नायिका बनने के लिए लंबा इंतजार किया। ग्रहण जैसी वेब सीरीज से चमकी वामिका ने जुबली और खुफिया जैसे ओटीटी प्रोजेक्ट्स से अपनी जमीन पुख्ता की। आज तो वे राजकुमार राव और अक्षय कुमार जैसे बड़े स्टार्स के साथ काम कर रही हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं प्रियदर्शन निर्देशित भूत बंगला से।

उस साल इंडस्ट्री से बोरिया -बिस्तर बांधकर जाने की सोच चुकी थी

राजकुमार राव के साथ भूलचूक माफ कर चुकी वामिका इन दिनों अक्षय कुमार जैसे बड़े हीरो की हीरोइन बन चुकी हैं, मगर एक समय ऐसा भी था, जब स्ट्रगल डेज में वे इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना चुकी थीं। वे बताती हैं, 'साल 2019 मेरे लिए बहुत ज्यादा मुश्किल था। तब मैंने सोच लिया था, मुझे नहीं बनना एक्टर। यहां कुछ नहीं हो रहा, तो मैं एक्टिंग ही छोड़ देती हूं। उस साल मैंने अपना बोरिया -बिस्तर बांधने का फैसला कर लिया था। ये उस वक्त की बात है, जब मैंने विशाल सर (फिल्मकार विशाल भारद्वाज) की फिल्म मिडनाइट चिल्ड्रन के लिए ऑडिशन दिया था और मैं शॉर्ट लिस्ट हो गई।

वो लड़की नहीं बनूंगी, जो 40 साल में भी एक्टिंग में कुछ कर न पाए

पंजाबी फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत करने वाली वामिका गब्बी ने बॉलिवुड में जब वी मेट जैसी फिल्म में करीना कपूर की कजन की छोटी सी भूमिका भी की। फिर मुंबई में अपने 8 साल के करियर में फिल्मों और किरदारों के मामले में अच्छी-खासी मेहनत की है। अपने सफर को लेकर वे कहती हैं, 'मुझे तो हमेशा से अभिनय करना था, मगर आठ -नौ साल से मैं जब तक मुंबई में थी, तब जब करियर में कुछ हो नहीं रहा था। आज सोचती हूं कि तब मैंने हार क्यों नहीं मानी? मैंने ऐसी कई कहानियां सुनी थीं कि लड़कियां 17-18 साल की उम्र में हीरोइन बनने जाती हैं और 40 साल की होकर जब वापिस आती हैं, तब उनका इंडस्ट्री में कुछ नहीं होता।

डैड के लिए असरानी जी फोटो छिपकर ली थी

उनका परिवार उनके स्टारडम को कैसे देखता है? इस पर वे कहती हैं, 'आपको एक दिलचस्प बात बताऊं? मेरे डैड से उनके दोस्त अक्सर कहा करते थे, गब्बी, तेरी बेटी ऐक्ट्रेस तो बन ही जाएगी। उसे फिल्में तो मिल ही जाएंगी, मगर क्या वो किसी बड़े स्टार के साथ काम कर पाएगी? अब जब मेरी फिल्म भूत बंगला आई, तो वे बोले, अब मैं अपने दोस्तों से कह सकता हूं कि मेरी बेटी अक्षय कुमार जैसे सुपर स्टार के साथ काम कर रही है, प्रियदर्शन उसे डायरेक्ट कर रहे हैं। मेरा परिवार बहुत खुश है कि मुझे असरानी और परेश रावल सरीखे दिग्गजों के साथ काम करने का अवसर मिला। मैंने तो शूटिंग के दौरान चुपके से स्वर्गीय असरानी जी का फोटो खींचकर अपने डैड को भेजी थी। वे बहुत एक्साइटेड थे कि मैं प्रीमियर पर असरानी जी से मिलूंगा। मगर अफसोस आज वे हमारे बीच नहीं हैं।'

चंद्रगुप्त मौर्य पर फिल्म कर सकते हैं रणवीर सिंह

'धुरंधर' फ्रेंचाइज की सफलता के बाद अब सभी की नजर इस बात पर है कि डायरेक्टर आदित्य धर का अगला प्रोजेक्ट कौन सा होगा। एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि आदित्य, रणवीर सिंह के साथ भी एक प्रोजेक्ट पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों के हवाले से बताया गया...' आदित्य इस समय तीन स्क्रिप्ट पर विचार कर रहे हैं। इनमें 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा', एक ऐतिहासिक फिल्म और एक बड़े लेवल की स्पोर्ट्स फिल्म शामिल है। उनकी अगली फिल्म इनमें से कोई एक हो सकती है, जब तक कि कोई नया प्रोजेक्ट प्राथमिकता में न आ जाए। 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा' आदित्य का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। इस फिल्म पर उन्होंने पहले काफी काम किया था, लेकिन ज्यादा बजट के कारण इसे रोक दिया गया था।

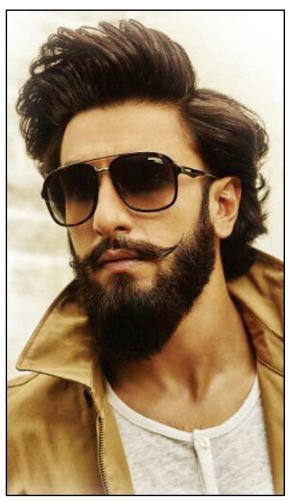

सारा अर्जुन को कैसे मिला रणवीर के अपोजिट 'धुरंधर' का किरदार

फिल्म 'धुरंधर' में हर किरदार ने दर्शकों पर अपना असर छोड़ा है। इस फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में नजर आए हैं, वहीं उनके अपोजिट सारा अर्जुन दिखी हैं। सारा अर्जुन ने यलीना का रोल निभाया है। यलीना की भूमिका के लिए 1200 दावेदार थे। मगर, यह रोल सारा की झोली में आया। फिल्म 'धुरंधर' के कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने हाल ही में इसका जिक्र किया।

फ्रेश चेहरे को तवज्जो देना चाहते थे छाबड़ा

मुकेश छाबड़ा ने बताया कि रणवीर सिंह के किरदार हमजा के अपोजिट यलीना का रोल पाने के लिए कई एक्टर्स ने कोशिश की थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में मुकेश छाबड़ा ने बताया कि उन्हें और आदित्य धर दोनों को ही उन एक्टर्स से ढेरों रिक्वेस्ट मिल रही थीं, जो इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बेताब थे। हालांकि, टीम एक बात को लेकर बिल्कुल साफ थी। कलाकार ऐसा हो, जो वाकई 'धुरंधर' की दुनिया का हिस्सा लगे, जिसकी पहले से कोई बनी-बनाई इमेज न हो।

मुकेश छाबड़ा और आदित्य धर को आ रहे थे लगातार मैसेज

मुकेश छाबड़ा ने कहा, 'बहुत से लोग आदित्य को भी मैसेज कर रहे थे और कह रहे थे कि वे रणवीर के अपोजिट कास्ट होना चाहती हैं। मुझे भी मैसेज मिल रहे थे। लेकिन मैंने आदित्य से बहुत साफतौर पर कहा कि हमें एक ऐसे चेहरे की जरूरत है जो सचमुच उस जगह का लगे, जिसके साथ कोई पुराना बैगेज न जुड़ा हो। इसलिए एक नया चेहरा ज्यादा बेहतर रहेगा, क्योंकि अगर कोई ऐसा एक्टर हो जिसने रणवीर के साथ पहले दो फिल्में की हों, तो वह कनेक्शन नहीं बन पाएगा, क्योंकि फिल्म में रणवीर का किरदार पाकिस्तान जाकर उस लड़की से मिलता है'।

हजार से ज्यादा एक्ट्रेस ने दिए ऑडिशन

दिलचस्प बात यह है कि बचपन में एक्टिंग करने के बावजूद सारा अर्जुन ने अभी तक बॉलीवुड में कोई पूरी तरह से लीड रोल नहीं किया था। यह बात उनके पक्ष में रही। फिल्म बनाने वाले एक ऐसे चेहरे को पेश करने के इच्छुक थे, जो दर्शकों को बिल्कुल नया और अनजान लगे। उन्होंने आगे कहा, 'हमारा यह साफ मानना था कि अगर हम उस दुनिया में कदम रख रहे हैं, तो यह एक पूरी तरह से चौंकाने वाला अनुभव होना चाहिए। लोग यह सोचने पर मजबूर हो जाएं कि यह लड़की कौन है? हमने बहुत सारे ऑडिशन लिए, कुल मिलाकर लगभग बारह सौ से तेरह सौ के करीब। फिर, आखिरकार हमने सारा का ऑडिशन लिया।

'धुरंधर: द रिवेंज का जबरदस्त प्रदर्शन हमारी इंडस्ट्री के लिए अच्छी खबर है

अक्षय कुमार 14 वर्षों के बाद मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म 'भूत बंगला' लेकर आ रहे हैं। आज इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में वामिका गब्बी, राजपाल यादव, असरानी और तब्बू जैसे कलाकार भी हैं। 'भूत बंगला' पहले 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी लेकिन मेकर्स ने फिल्म को पोस्टपोन करने का फैसला किया। अब यह 17 अप्रैल को रिलीज होगी। इस बीच 'भूत बंगला' की निर्माता एकता कपूर ने फिल्म के पोस्टपोन होने की असली वजह बताई है। 'भूत बंगला' की रिलीज की तारीख आगे बढ़ाने पर एकता कपूर ने मीडिया से कहा कि फिल्म इसलिए लेट नहीं हुई क्योंकि थिएटर में 'धुरंधर 2' चल रही थी। मैं 10 अप्रैल को भी 'भूत बंगला' के लिए अच्छी स्क्रीन और शो-टाइम हासिल कर सकती थी। वैसे भी आजकल फिल्में आम तौर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हैं। अगर 'धुरंधर: द रिवेंज' अच्छा कर रही है, तो अच्छी बात है। हम उसके साथ किसी जंग में नहीं हैं! हमने सोचा कि हमें थिएटर में आने से पहले उसे अपना करीब 85 परसेंट रन पूरा करने देना चाहिए।' इससे पहले 'भूत बंगला' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज टलने को लेकर कहा था 'धुरंधर: द रिवेंज का जबरदस्त प्रदर्शन हमारी फिल्म इंडस्ट्री के लिए अच्छी खबर है। प्रदर्शकों को लगता है कि 'भूत बंगला' की रिलीज टालने से दोनों फिल्मों को वह जगह, फोकस और अटेंशन मिल पाएगी, जिसकी वे हकदार हैं।'

इंडस्ट्री में अपना काम खुद बताना पड़ता है

अभिलाष थपलियाल इन दिनों वेब सीरीज 'एस्पिरेंट्स' के सीजन 3 को लेकर चर्चा में हैं, जहां उनका 'एसके' का किरदार दर्शकों के दिलों में खास जगह बना चुका है। दैनिक भास्कर से बातचीत में अभिलाष ने बताया कि इस बार भी शो को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है, खासकर दोस्ती से जुड़े इमोशनल सीन लोगों को गहराई से छू रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'एसके' का किरदार उन लोगों की कहानी है जो जिंदगी में फेल होते हैं, इसलिए दर्शक उससे खुद को जोड़ पाते हैं। अभिलाष ने अपने करियर की शुरुआत, रेडियो जॉकी से लेकर फिल्मों और वेब सीरीज तक के सफर को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि एक्टिंग उनका पहला सपना नहीं था, बल्कि वह आर्मी जॉइन करना चाहते थे। इंडस्ट्री में आउटसाइडर होने के कारण आई चुनौतियों और लगातार खुद को साबित करने की जरूरत पर भी उन्होंने खुलकर बात की।

'एस्पिरेंट्स' सीजन 3 को लेकर कैसा रिस्पॉन्स मिल रहा है?

बहुत शानदार। एस्पिरेंट्स से लोग पहले ही जुड़ चुके हैं, इसलिए इस बार भी प्यार मिल रहा है। खासकर दोस्ती वाले सीन काफी वायरल हुए हैं। लोग कहते हैं कि देखकर भावुक हो गए।

आपके किरदार 'एसके' से लोग इतना कनेक्ट क्यों करते हैं?

क्योंकि ये सिर्फ टॉपर की कहानी नहीं है, बल्कि उन लोगों की कहानी है जो फेल हो जाते हैं। हम सब कहीं न कहीं वैसा ही महसूस करते हैं, इसलिए कनेक्शन बनता है।

क्या बचपन से ही एक्टर बनना चाहते थे?

बिल्कुल नहीं। मैं तो आर्मी जॉइन करना चाहता था। मैं फौजी परिवार से हूं, हृष्ट क्लियर करना सपना था, लेकिन वो पूरा नहीं हुआ।

एक्टिंग में एंट्री कैसे हुई?

मैं दिल्ली में रेडियो जॉकी था। वहीं फिल्म 'तेवर' के डायरेक्टर अमित शर्मा से मुलाकात हुई। उन्होंने मुझे फिल्मों में ट्राई करने को कहा। फिर मुंबई आया और पहली फिल्म पहली फिल्म 'दिल जंगली' मिली।

'एस्पिरेंट्स' से पहले करियर कैसा था?

शुरुआत में फिल्में ज्यादा नहीं चलीं, फिर टीवी और कॉमेडी शोज किए। सोशल मीडिया पर पॉलिटिकल सटायर भी करता था। लेकिन असली पहचान 'एस्पिरेंट्स' से मिली।

'एसके' का रोल कैसे मिला?

मैंने ऑडिशन दिया था। पहले मुझे लगा मैं 'अभिलाष' का किरदार करूंगा, लेकिन बाद में पता चला कि मुझे 'एसके' का रोल मिल रहा है।

'एस्पिरेंट्स' सीजन 1 के बाद क्या जिम्मेदारी बढ़ गई थी?

हां, लेकिन मैं स्क्रिप्ट में ज्यादा बदलाव नहीं करता। जो लिखा होता है, उसे ईमानदारी से निभाता हूं। मेरा मानना है 'कम में बम', कम सीन हों, लेकिन असरदार हों।

क्या आपने एक्टिंग की ट्रेनिंग ली है?

नहीं, मैंने कोई फॉर्मल ट्रेनिंग नहीं ली। जो सीखा, लाइफ से सीखा। अलग-अलग जगह रहने से अलग-अलग भाषा और एक्सेंट पकड़ना आसान हो गया।

'एस्पिरेंट्स' के बाद करियर में क्या बदलाव आया?

इसके बाद मुझे कॉन्फिडेंस आया कि मैं खुद को एक्टर कह सकता हूं। फिर मैंने अनुराग कश्यप जैसे डायरेक्टर्स के साथ काम किया और अलग-अलग रोल मिले।

आपने किन-किन फिल्मों और प्रोजेक्ट्स में काम किया है?

'एस्पिरेंट्स' के बाद मुझे कई अच्छे प्रोजेक्ट्स मिले। मैंने फिल्म 'ब्लर' में काम किया, अनुराग कश्यप के साथ फिल्म 'केनेडी' में काम किया। और अश्विनी अय्यर तिवारी के साथ वेब सीरीज 'फाडू' में काम किया। इन प्रोजेक्ट्स ने मुझे एक एक्टर के तौर पर काफी कॉन्फिडेंस दिया।

इंडस्ट्री में सबसे बड़ा स्ट्रगल क्या रहा?

आउटसाइडर होने का। आपको खुद जाकर लोगों को बताना पड़ता है कि आप क्या कर सकते हैं। यहां कोई गॉडफादर नहीं होता। मैं आज भी डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स से मिलता हूं, खुद को पिच करता हूं। यह प्रोसेस कभी खत्म नहीं होती।

सभी शिशु रोते है, यह बिलकुल सामान्य बात है। अधिकांश शिशु प्रत्येक दिन कुल एक घंटे से लेकर तीन घंटे तक के समय के लिए रोते हैं। आपका नन्हा सा शिशु अपने आप खुद कुछ नहीं कर सकता है और वह आप पर अपनी हर जरुरत के लिए निर्भर करता है-चाहे वह भूखा है, आराम चाहता है या फिर प्यार और दुलार। आपका शिशु रो कर ही आपको यह बता सकता है की उसे किसी चीज की जरुरत है।

जानें आखिर क्यों इतना रोता है आपका बच्चा और उसे संभालने के उपाय

आपके लिए कई बार यह पता चलाना मुश्किल हो जाता है की आखिर शिशु रो क्यों रहा है। लेकिन समय के साथ आप पहचानने लगेंगी और समझने लगेंगी की आपके शिशु के रोने का कारण क्या है। और जैसे जैसे आपका शिशु बढ़ता है वह आप के साथ बात चीत करने के अन्य तरीके सीख लेता है जैसे की आंखों का समपर्क, शोर मचाना या फिर मुस्कुराते हुए आपका ध्यान अपनी तरफ खींचना। अगर आपका शिशु रो रहा है और चुप नहीं हो रहा है तो हो सकता है वह आपसे से यह कहने की कोशिश कर रहा है..."

मुझे भूख लग रही है

भूख किसी नवजात शिशु के रोने का सबसे बड़ा कारण है। किसी बच्चे का छोटा सा पेट बहुत कुछ भंडार में नहीं रख सकता। इसीलिए अगर आपकी संतान रोती है, तो उसे दूध पिलाने की कोशिश करें, क्योंकि वह भूखी हो सकती है।

मेरी नैपी (कलोट) बदलो

कुछ शिशु अपनी नैपी बदलने की जरूरत पर बहुत ध्यान नहीं देते लेकिन कई दूसरे तुरंत ही चीख कर आपका ध्यान अपनी ओर खींचेंगे। खासकर तब, अगर उनकी कोमल त्वचा में खुजली या खुश्की हो। यह भी देखें कि कहीं नैपी बहुत कस कर तो नहीं बंधी है, या उसके कपड़े तो उसको परेशान नहीं कर रहे हैं।

मुझे अधिक गर्म या अधिक ठंड लग रही है

जांच करें कि आपका शिशु अपने बिस्तर में कहीं बहुत अधिक गर्म या ठंडा तो नहीं महसूस कर रहा। इसे आप उसके पेट को छूकर पता कर सकते हैं (उसके हाथ या पैर से पता नहीं लगेगा, वे सामान्य तौर पर ठंडे होते हैं)। अगर उसका शरीर अधिक गरम है, तो एक कंबल हटा दें। अगर वह ठंडा है तो एक और उढ़ा दें। मौसम के अनुसार कमरे का तापमान 22 और 25 डिग्री सेल्सियस के बीच में रखें।

मुझे गोद में ले लो

कई बार आपका शिशु केवल दुलार चाहता है। चिंता न करें, अगर आप अपने शिशु को शुरुआती कुछ महीनों में अधिक समय तक उठा भी लेंगे, तो वह बिगड़ नहीं जायेगा। छोटे बच्चों को शारीरिक आराम और आश्वासन की बहुत जरूरत है। यदि आप अपने बच्चे को सीने से लगा के रखेंगे तो उसे आपकी दिल की धड़कन सुनकर दिलासा मिलेगा आप शिशु को एक बेबी स्लिंग या केरीयर में भी रख सकती है जो आपके सीने या पीठ पर बंधता हो ऐसा करने से शिशु आपकी गोद में रह सकेगा और बाकी कामों के लिए आपके हांथ भी मुक्त रहेंगे।

मुझे आराम की जरूरत है

नवजातों के लिए काफी सक्रिय रहना कठिन होता है। उसके रोने का एक मतलब होता है- बस, मेरे लिए काफी है. रोना, चिडचिडाना, उदास हो कर छत के ओर घूरना नींद आने के कुछ उदाहरण हैं। उसे किसी शांत और खामोश जगह ले जाएं। कुछ देर बाद आप पाएंगे कि वह सोने के लिए तैयार है।

मेरी तबियत ठीक नहीं है

अपने बच्चे में किसी भी परिवर्तन के बारे में सतर्क रहे। अगर वह अस्वस्थ है, वह शायद वह हमेशा की तरह न रोये। रोने का अलग ही स्वर हो सकता है, थोडा कम या अधिक या फिर चीख कर लगातार रोना। और अगर आपका शिशु आम तौर पर बहुत रोता है, लेकिन असामान्य रूप से शांत हो गया है, तो यह भी एक संकेत है कि उसकी तबियत ठीक नहीं है। कोई भी आपके शिशु को इतनी अच्छी तरह से नहीं जान सकता जैसे की आप। यदि आपको लगता है कि आपके शिशु की तबियत ठीक नहीं लग रही है तो डॉक्टर से बात करें और अपनी चिंताओं पर चर्चा करें। डॉक्टर को तुरंत बुलाएं अगर आपका शिशु को रोते समय सांस लेने में कठिनाई हो रही है, या अगर रोने के साथ उसे बुखार, उल्टी, दस्त या कब्ज भी हो रहा हो।

मुझे कुछ चाहिए...पर पता नहीं क्या

कभी कभी आपको समझने में कठिनाई होगी की आखिर शिशु रो क्यूं रहा है। देखा गया है की अक्सर नवजात शिशु बीच में कुछ दिनों के लिए चिडचिडे हो जाते हैं या फिर रोते ही रहते हैं। कभी कभी यह एकदम ही चुप हो जाते हैं या फिर कभी कभी घन्टों तक रोते हैं। अक्सर यह पेट के दर्द याने कोलिक की वजह से होता है। कालिक कम से कम तीन दिनों के लिए, एक दिन में कम से कम तीन घंटे के लिए गमगीन रोने के रूप में प्रकट होता है। इससे निबटना कठिन होता है, वहीं इसकी कोई जादुई दवा भी नहीं है। हालांकि आपके लिए यह जानना फायदेमंद होगा कि दर्द कभी भी काफी दिनों तक नहीं रहता।

मेरा शिशु लगातार रो रहा है मैं क्या करूं? यहां कुछ नुस्खे हैं जिससे आप अपने शिशु को आराम पहुंचा सकते हैं"

उसे लपेटें और कस कर पकड़ें

कई माता पिता यह देखते हैं की उनके शिशु गोद में आते ही चुप हो जाते हैं खासकर जब वह आपके दिल की धड़कन को सुन के सुखदायक मेहसूस करते हैं। कई नवजात लिपटना और सुरक्षित महसूस करना पसंद करते हैं। जैसा कि वह गर्भ में रहते हैं, तो आप अपने शिशु को कंबल में लपेटें (यह स्वैडलिंग के नाम से जाना जाता है) या बेबी स्लिंग में भी उसे रख सकते हैं ताकि जान सकें कि क्या वह उसे पसंद करता है। हलाकि कुछ शिशु ऐसे भी होते हैं जिन्हें लिपटे हुए रहना बिलकुल पसंद नहीं होता।

एक लगातार ध्वनि खोजें

गर्भ में आपका शिशु आपके दिल की धड़कन लगातार सुनता रहता है। इसलिए मधुर संगीत की आवाज या लोरी से आपके शिशु को आश्वासन मिलेगा। कई माता पिता को लगता है कि घड़ी की टिक टिक के स्थिर लय अक्सर शिशु को खामोश करते हैं और सोने में भी मदद करते हैं। अब बाजार से संगीत के सीडी या फिर टेप खरीद सकती है जो नन्हे शिशुओं को सुलाने में मदद केंगे।

अपनी बाहों में शिशु को घुमाएं

अधिकतर बच्चे धीरे-धीरे हिलना पसंद करते हैं, या तो आप उसे टहलाएं या गोद में लेकर एक हिलनेवाली कुर्सी मे बैठें। खास तौर पर बच्चों के लिए बनाए झूले भी कुछ बच्चों को शांत कर देते हैं, पर कई सो भी जाते हैं, जैसे ही उनको किसी कार में कहीं ले जाया जा रहा हो।

दूध पिलाने के लिए अलग स्थिति खोजें

कुछ बच्चे दूध पीते समय रोते हैं यदि आप स्तनपान करा रहीं है तो आपने देखा होगा की शिशु आराम से स्तन मुह में लेता है जब वह शांत होता है। अगर फीड के दौरान शिशु को गैस हो रहा है, तो आप ऐसी स्तिति ढूंढे जिसमे वह थोडा और सीधा होकर दूध पी सके। दूध पिलाने के बाद शिशु को डकार अवश्य दिलाएं। अगर आपका शिशु दूध पीने के बाद भी रोता है तो हो सकता है वह अब भी भूखा है। दोबारा से उसे दूध पिलाने की कोशिश करें।

उसे कुछ चूसने को दें

कुछ नवजातों में चूसने की इच्छा काफी तीव्र होती है और एक चुसनी या (साफ) उंगली या अंगूठा उसे काफी आरामदेह लगता है। कम्फर्ट सकिंग किसी बच्चे के दिल की धड़कन को नियमित कर सकता है, उसके पेट को आराम पहुंचाता है, और उसे शांत कर देता है।

उसे एक गुनगुना स्नान दें

गुनगुने पानी से स्नान आपके बच्चे को शांत करने में मदद करेगा पहले पानी का तापमान की जांच करें फिर शिशु को टब में डालें. यह बात ध्यान में रखें की अगर आप्कपके शिशु को स्नान पसंद नहीं है तो यह तरकीब काम नहीं करेगी- उल्टा शिशु और जोर से रोने लग सकता है।

कभी खुद से बहुत अधिक न मांगें

एक नवजात जो लगभग लगातार रोता है वह खुद को तो नुकसान नहीं पहुंचाता, लेकिन अपने अभिभावकों को जरूर तनावग्रस्त कर सकता है। खैर, अगर आपने अपनी सोच के मुताबिक सब कुछ आजमा लिया है, तो समय आ गया है कि आप खुद की चिंता करें।

-यदि आप बाद प्रसव पूर्ण एकांतवास में हैं तो बाकि घर वालों की मदद लें।

-कुछ शांत संगीत सुनकर आराम करें।

-अपने शिशु को किसी सुरक्षित जगह लिटा दें और कुछ देर तक रोने दें-अपनी सुनने की सीमा के भीतर कुछ गहरी सांसें लें।

-यदि आप और आपका शिशु दोनों ही परेशान हैं और आपकी सारी कोशिशे नकाम सी लग रहीं है तो अपने पति या घर के किसी और रिश्तेदार की मदद लें।

-अपने डॉक्टर से स्थानीय समर्थन समूहों (लोकल सपोर्ट ग्रुप) का पता लगाएं, जहां आप दूसरे नए अभिभावक बने लोगों से अपने अनुभव साझा कर सकें।

-मित्रों या फिर माता पिता से बात चीत करें और कुछ रणनीतियों बनायें अपनी भावनाओं को साझा करने के लिए और अन्य नए माता पिता के साथ बात करें।

इन गेम्स में रखें बच्चे को बिजी शैतान नहीं बनेंगे समझदार

कोरोना महामारी के कारण हर जगह लॉकडाउन किया गया। वैसे तो अब लोगों ने काम पर जाना शुरू कर दिया है। मगर बात बच्चों की करें अभी भी बहुत से बच्चे ऑनलाइन क्लासिस लगा रहे हैं। ऐसे में घर पर रहने से बच्चे भी परेशान हो गए है। साथ ही उनकी शरारतें भी तेजी से बढ़ रही है। कुछ बच्चों की शरारतों के चलते मां-बाप बेहद परेशान हो गए है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी गेम्स बताते हैं, जिसकी मदद से आप बच्चों को बिजी कर सकते हैं। साथ ही इससे वे नई चीजों को सीख सकते हैं। तो चलिए जानते हैं उन एक्टिविटी के बारे में...

गार्डनिंग सिखाएं

अगर आपको व बच्चों को पौधे पसंद है तो उनकी गार्डनिंग में मदद लें। उन्हें पौधों का महत्व बताते हुए रोजाना पानी देने की सीख दें। इससे उनके अंदर एक अच्छी आदत भी विकसित होगी।

कुकिंग सिखाना भी अच्छा आइडिया

आजकल के बच्चों को हर काम आना चाहिए। ऐसे में आपका बेटी हो या बेटी आप उन्हें कुकिंग सिखा सकती है। अगर आपके बच्चा ज्यादा छोटा है तो आप उनसे सैंडविच, बेल पुरी, चाट आदि बनवा सकती है। इसके अलावा केक, कुकिज बेक करवाना भी सही रहेगा। ऐसे में उसके अंदर एक और हुनर आएगा। साथ ही जरूरत पड़ने पर वे खुद के लिए खाना बना कर खा सकते हैं।

ड्राइंग सिखाना भी सही

बच्चों को कलर की दुनिया में खोने का अलग ही मजा आता है। ऐसे में आप उनसे पेंटिंग करवा सकते हैं। इसके लिए उन्हें एक ड्राइंग बुक व कलर खरीद कर उन्हें दें। अगर आपके बच्चे 5 से बड़े हैं तो आप उन्हें बबल पेंटिंग, पैबल पेंटिंग और स्प्रे पेंटिंग सिखा सकते हैं। इससे वे बिजी भी रहेंगे साथ ही उनकी क्रिएटिविटी निखर कर सामने आएगी।

पजल गेम से होगा दिमाग तेज

शरारती बच्चों को हमेशा से दिमाग वाला काम करने का शौक होता है। ऐसे में आप उन्हें पजल गेम लाकर दे सकते हैं। आपको बाजार में बहुत सी पजल गेम्स आसानी

से मिल जाएगी। इस तरह तरह वे उसे सुलझाने की कोशिश करेंगे। इससे उनका टाइम पास होने के साथ दिमाग का विकास होगा। साथ ही आपको भी उनकी शरारतों से आराम मिलेगा।

अलग-अलग क्लासिस करवाएं ज्वाइन

ज्यादा शोर मचाने वाले बच्चों को अक्सर इंस्ट्रूमेंट पसंद होते हैं। ऐसे में आप उन्हें गिटार, पियानो, तबला, सिंगिंग या डांस की क्लासिस ज्वाइन करवा सकते हो। इसके लिए आपको ऑनलाइन क्लासिस आसानी से मिल जाएगी। इसके अलावा यूट्यूब की भी मदद ले सकते हैं। इस तरह बच्चे मजे-मजे में एक नई चीज आसानी से सीख लेंगे। साथ ही उन्हें आगे अपना लक्ष्य चुनने की भी प्रेरणा मिलेगी।

आप थोड़ी सी सूझबूझ से निपटा सकते हैं भाई-बहनों के आपसी मसले, ये टिप्स आजमाएं

घर में अगर दो बच्चे हैं तो उनकी परवरिश के लिए समझ-बूझ की ज़रूरत होती है। सब बच्चों पर एक ही नियम लागू नहीं हो सकता, क्योंकि भाई-बहन में जहां प्यार होता है तो वहीं छोटे-मोटे झगड़े भी होते हैं। हर छोटी-बड़ी बात पर मम्मी-पापा को इनके झगड़े का हिस्सा बनना पड़ता है। अगर पैरेंट्स एक बच्चे के व्यवहार को सही कह दें और दूसरे के व्यवहार को गलत तो उसमें भी मुश्किल है, क्योंकि इससे एक बच्चे को बुरा लग सकता है। हम आपको कुछ ऐसी ही छोटी-छोटी बातें बता रहे हैं, जिससे आप अपने बच्चों की आपसी नोक-झोंक को समझदारी से सुलझा सकते हैं।

झगड़े की वजह जानें

अक्सर बच्चों के बीच झगड़ा होने पर पैरेंट्स उनके साथ समान व्यवहार पर ध्यान नहीं दे पाते। कई बार किसी बच्चे को गलती के लिए ज्यादा डांट पड़ जाती है, तो कई बार दूसरे बच्चे की शैतानी इग्नोर हो जाती है। किसी बच्चे को डांटने या उसकी गलती निकालने से पहले दोनों से पूरी बात जानें।

रिस्पेक्ट का नियम बनाएं

बच्चों के लिए व्यवहार के नियम बनाएं कि उन्हें कैसे एक-दूसरे के साथ पेश आना चाहिए। चाहे कितना भी गुस्सा क्यों न आए, बच्चों को एक-दूसरे को कैसे रिस्पेक्ट देनी है, अगर पहले से ही इस बारे में नियम बनाकर रखेंगे तो बच्चे अपनी लिमिट में रहेंगे और सभी संभव उपायों पर काम करेंगे।

झगड़े का निपटारा करना सिखाएं

बच्चों को सिखाएं कि किसी प्रॉब्लम से उन्हें कैसे डील करना है। आप बच्चों को एक ही सिचुएशन को अलग-अलग तरह से देखने के लिए प्रेरित करें। इससे उनका नजरिया बदलने में मदद मिलेगी और बच्चों की आपसी नाराजगी भी कम होती जाएगी।

हर बच्चे की रुचि को सराहें

कई बार बच्चों की अलग रुचि ही उनके आपसी झगडे की वजह बनती है। एक बच्चे को नृत्य और बाहरी गतिविधियों, खेलकूद में आनंद आता है, तो दूसरे को इंडोर गेम्स और क्रिएटिव चीजों में। अगर पैरेंट्स के इंटरेस्ट किसी बच्चे से मेल खाते हैं तो वे उसकी तारीफ करने लगते हैं, वहीं दूसरे बच्चे की पसंद उनसे मेल नहीं खाती तो वे उसकी हॉबी को लेकर ज्यादा चर्चा नहीं करते। ऐसा करने से बच्चों में कॉम्प्लेक्स आ सकता है। ध्यान रखें कि बच्चे के इंटरेस्ट चाहे आपसे मेल खाएं या नहीं, आपको दोनों पर ध्यान देने और सराहना करने की जरूरत है।

रीडिंग हैबिट : अभिभावक रूम में बुक कॉर्नर बनाएं और उनको किताबें करें गिफ्ट

...बच्चे भी कर लेंगे किताबों से दोस्ती

प्रतीक्षा का 12 साल का बेटा है जो खेल-कूद में तो आगे है, लेकिन किताबों के नाम से दूर भागता है। जिसे लेकर वो काफी परेशान रहती हैं। ये समस्या हर उस घर की है जहां बढ़ती उम्र के बच्चे हैं। पैरेंट्स किताबें पढ़ने के लिए बच्चों पर तरह-तरह का दबाव तो डालते हैं, लेकिन सही तरीके नहीं अपनाते। चलिए हम बताते हैं कुछ ट्रिक्स, जिन्हें अपनाकर आप अपने बच्चों में डेवलप कर सकते हैं रीडिंग हैबिट।

पहले पढ़कर सुनाएं : इंट्रेस्टिंग किताबें लाएं। पहले खेल-खेल में किताब पढ़कर सुनाएं। इससे बच्चे में धीरे-धीरे पढ़ने की रुचि बढ़ेगी।

इंट्रेस्ट की बुक लाएं : बच्चों की उम्र के अनुसार उनके इंट्रेस्ट की किताबें लाएं। अपनी पसंद की किताबें पढ़ने का प्रेशर न डालें। इससे उनकी अरुचि और बढ़ेगी।

हेल्पफुल हो सकते हैं न्यूज पेपर : पढ़ने की आदत डालने में न्यूज पेपर हेल्पफुल बन सकते हैं। जब आप अखबार पढ़ें तो बच्चे को भी पास बैठा कर पेपर पढ़ने के लिए प्रेरित करें। नई-नई खबरों के बारे में उससे बात करें। इससे बच्चे की जानकारी भी बढ़ेगी और पढ़ने की आदत भी बनेगी।

गिफ्ट करें किताबें : बच्चे के बर्थ डे पर या किसी खास मौके पर उसे उपहार के तौर पर किताबें गिफ्ट करें।

लाइब्रेरी फ्रैंडली बनाएं : बच्चे को लाइब्रेरी ले जाएं। बहुत सारी किताबें देखकर उसकी रुचि जागेगी। बच्चे को अलग-अलग विषयों की किताबों के बारे में बताएं। वहां बैठे बहुत से लोगों को पढ़ते देख बच्चे को भी पढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

रूम में बनाएं बुक कॉर्नर : बच्चे के रूम में एक बुक कॉर्नर बनाएं। जिसमें अलग-अलग विषयों की किताबें रखें। बुक शेल्फ को रोचक तरीके से सजाएं। ये ट्रिक मददगार साबित होगी।

ई-बुक यूज न करें : बच्चे को ई-बुक यानी मोबाइल, लैपटॉप या टैब से किताबें पढ़ने की आदत बिल्कुल न डलवाएं। कई बार बच्चा पढ़ने का बहाना बनाकर गैजेट्स का मिस यूज भी कर सकता है।

टाइम-टेबल बनाएं

बच्चों की पढ़ाई के लिए टाइम-टेबल बनाना बहुत जरूरी है। जब भी टाइम-टेबल बनाएं, बच्चों के साथ अपना भी टाइम-टेबल साझा रखें। सुबह बच्चों को जल्दी स्कूल पहुंचना होता है, आपको भी दफ्तर पहुंचने की जल्दी होती है। इसलिए सुबह का समय टाइम-टेबल में शामिल नहीं हो सकता। पर जब आप दफ्तर से लौटते हैं, टीवी देखने या दफ्तर का काम निपटाने के बजाय रात को कम से कम दो घंटे का समय बच्चों के लिए रखें। चूंकि माताएं रात के भोजन की तैयारी और दूसरे घरेलू कामों में लग जाती हैं, इसलिए पिता को ही अपना समय बच्चों को देना होगा। रात को ग्यारह बजे तक जगा जा सकता है।

बच्चों को पढ़ाते समय या उनके पढ़ते समय साथ बैठते समय, चाहें तो आप भी कुछ पढ़-लिख या दफ्तर का काम कर सकते हैं। पर ध्यान रखें कि आपकी नजर उनकी पढ़ाई पर हो। जैसे ही बच्चों को खुद पढ़ने के लिए छोड़ेंगे, वे दूसरी तरफ ध्यान लगाएंगे। बीच-बीच में बच्चों से उनकी पढ़ी हुई बातों के बारे में पूछते रहें।